दैनिक

लखनऊ से प्रकाशित एवं उ.प्र., बिहार ,झारखण्ड, मध्यप्रदेश, राजस्थान, दिल्ली में प्रसारित

RNI-UPHIN/2014/58471

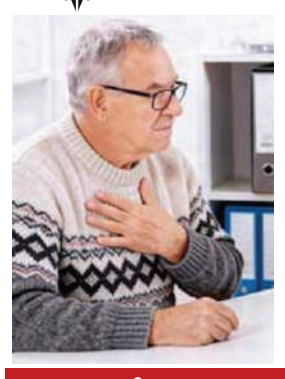

अमन लेखनी

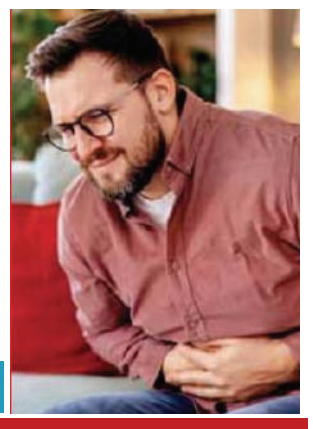

सर्दी के दिनो में .....

जब सताए पेट में दर्द.....

वर्ष : 12 | अंक : 25 | लखनऊ, 16 जनवरी ,शुक्रवार 2026 | पृष्ठ : 08 | मूल्य : 2.00 रुपए

बृहन्मुंबई नगर पालिका

आज होगी मतगणना

बीएमसी समेत सभी नगर निगमों में वोटिंग खत्म

...3.30 बजे तक 41.08 फीसदी लोगों ने किया मताधिकार का उपयोग

पुणे में कुछ ईवीएम में आई तकनीकी दिक्कत

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी समेत कई दिग्गज अंगुली की स्याही दिखाते हुए

ईवीएम मशीनों में तकनीकी खराबी की खबरें भी आईं। चुनाव अधिकारियों ने बताया कि जहां भी मशीनों में समस्या आई, वहां नियम के अनुसार तुरंत नई मशीनें लगाई गईं। एनसीपी (एसपी) नेता रोहित पवार ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि पुणे और पिंपरी चिंचवड़ नगर निगम क्षेत्रों में कुछ ईवीएम बंद हो गई थीं। कुछ मशीनों में समय करीब 15 मिनट पीछे चल रहा था।

राज कुमार सिंह चौहान ब्यूरो प्रमुख / नई दिल्ली,

बीएमसी समेत महाराष्ट्र के 29 नगर निगमों पर मतदान की प्रक्रिया खत्म हो गई है। राजनीतिक पार्टियों को अब शुक्रवार को नतीजे का इंतजार है। मुंबई में बीएमसी चुनाव 2026 के लिए 3.30 बजे तक कुल 41.08 फीसदी मतदान हुआ। इसमें पुरुष मतदाता 23,27,033, महिला मतदाता 19,22,500 और अन्य 180 मतदाता शामिल हैं। कुल मिलाकर अब तक 42,49,713 लोगों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। इस दौरान कई दिग्गजों ने वोट डाले, जिनमें नेता- अभिनेता भी शामिल रहे।

पुरुष मतदाता अधिक

कई फिल्मी सितारों ने भी किया मतदान

फिल्म निर्देशक सुभाष घई ने बीएमसी चुनाव में मतदान करने के बाद कहा कि मैंने वोट डाला और मुझे महाराष्ट्र पर बहुत गर्व है। मैं जो भी हूं मंबई की वजह से हूं इसलिए मेरा कर्तव्य है और सबका कर्तव्य है कि वो वोट देने जरूर आएं। फिल्म अभिनेता आमिर खान और अभिनेत्री श्रद्धा कपूर ने भी बीएमसी चुनाव के लिए वोट किया और मतदान में हिस्सा लेने की अपील की।

डिप्टी सीएम शिंदे ने किया मतदान

शिवसेना प्रमुख और डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे ने भी नगर निकाय चुनाव के लिए मतदान किया। मतदान के बाद उन्होंने कहा कि लोगों में काफी उत्साह है। काफी लोग मतदान करने आए हैं। सभी को अपने शहर के विकास के लिए मतदान करना चाहिए। मुंबई में भी लोग बदलाव चाहते हैं।

बीएमसी चुनाव में स्याही विवाद

राज ठाकरे ने लगाए धांधली के आरोप

मनसे नेता राज ठाकरे ने मतदान में इस्तेमाल की जा रही स्याही पर

सवाल उठाए हैं। राज ने कहा कि जो स्याही पहले इस्तेमाल की जा रही थी, उसे नए पेन से बदल दिया गया है और इस पेन को लेकर कई शिकायतें मिली हैं।

उद्धव ने की ईसी के इस्तीफे की मांग

यूबीटी नेता उद्धव ठाकरे ने भी धांधली के आरोप लगाए और इसे

लोकतंत्र की हत्या की कोशिश बताया। राज्य निर्वाचन आयुक्त दिनेश वाघमरे के इस्तीफे की भी मांग की। उद्धव ने निकाय और सरकार में साठगांठ के भी आरोप लगाए। रोहित पवार ने धांधली के आरोप लगाए हैं।

अंगुली से स्याही मिटने की जांच की जाएगी

महाराष्ट्र के राज्य निर्वाचन आयुक्त ने बताया कि इन वायरल वीडियो की जांच की जा रही है। चुनाव आयोग मामले की पूरी पड़ताल करेगा और अगर कोई गड़बड़ी पाई गई तो जरूरी कार्रवाई की जाएगी।

महाराष्ट्र सरकार के मंत्री भी हुए परेशान

महाराष्ट्र सरकार के मंत्री गणेश नाइक भी नवी मुंबई निगम चुनाव में मतदान के लिए परेशान हुए।

खबर संक्षेप

आनंदा डेयरी में छापा मोबाइल-कंप्यूटर जब्त

बुलंदशहर। यहां के स्याना नगर के गढ़ मार्ग स्थित आनंदा डेयरी प्लांट पर गुरुवार सुबह सात बजे दिल्ली

व उत्तर प्रदेश नंबर की गाड़ियों से आए आयकर विभाग के अधिकारियों की टीम ने छापा मारा। प्लांट का गेट बंद कर जांच की गई। इस दौरान टीम ने डेयरी से तमाम फाइलों, कंप्यूटर और मोबाइल को कब्जे में ले लिया है।

सीबीएसई पत्र लेखन में आवेदन आमंत्रित

नई दिल्ली। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने छात्रों को यूपीयू 2026 अंतरराष्ट्रीय पत्र लेखन स्पर्धा

में आवेदन आमंत्रित किया है। प्रथम स्थान वाले छात्र को 50,000 रुपए का पुरस्कार और प्रमाण पत्र दिया जाएगा। उत्तम पत्र अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में भेजा जाएगा। 'डिजिटल दुनिया में मानवीय जुड़ाव क्यों महत्वपूर्ण है' विषय है।

मानहानि मामलाः वीसी से पेश हुईं कंगना रनौत

बठिंडा। भाजपा सांसद और फिल्म अभिनेत्री कंगना रनौत के खिलाफ चल रहे मानहानि मामले में गुरुवार

को बठिंडा की अदालत में अहम सुनवाई हुई। यह मामला3कृषि कानूनों के विरोध के दौरान बुजुर्ग महिला महिंदर कौर को लेकर की गई कथित आपत्तिजनक टिप्पणी से जुड़ा हुआ है। रनौत अदालत में वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से पेश हुईं।

डिजिटल ठगी मामले में 5 आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की यूनिट ने डिजिटल अरेस्ट के नाम पर ठगी करने वाले एक बड़े इंटर-

स्टेट साइबर गिरोह का खुलासा किया है। यह गैंग खुद को पुलिस, सीबीआई और अन्य केंद्रीय जांच एजेंसियों का अधिकारी बताकर लोगों को डराता था। गिरोह के 5 सदस्यों को गिरफ्तार किया है।

बंगाल में प्रवर्तन निदेशालय की 'रेड' पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई

कोर्ट ने ईडी अधिकारियों पर एफआईआर पर लगाई रोक, 2 हफ्ते में दोनों से मांगा जवाब

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

कोलकाता में बीते 8जनवरी को आई-पैक के कार्यालय और उसके डायरेक्टर प्रतीक जैन के घर हुई प्रवर्तन निदेशालय की रेड को लेकर सुप्रीम कोर्ट में गुरुवार को सुनवाई हुई। इस मामले में ईडी और पश्चिम बंगाल सरकार के बीच तीखी बहस देखने को मिली। सुप्रीम कोर्ट में अब अगली सुनवाई 3 फरवरी को होगी। सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल सरकार और राज्य के डीजीपी को नोटिस जारी किया है। अदालत ने दोनों को दो हफ्ते में जवाब देने का आदेश दिया है। अदालत ने ईडी की याचिका पर नोटिस जारी किया। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि अगली सुनवाई तक ईडी अधिकारियों के खिलाफ एफआईआर पर रोक रहेगी। कोर्ट ने कहा कि एजेंसी के काम में दखल नहीं दे सकती। कोर्ट ने सीसीटीवी समेत सभी दस्तावेजों को सुरक्षित रखने का आदेश भी दिया।

ममता को अदालत से लगा झटका

शीर्ष कोर्ट ने बंगाल सरकार और राज्य के डीजीपी से मांगा हलफनामा, अदालत ने कहा सीसीटीवी फुटेज, दस्तावेज सुरक्षित रखें

अगली सुनवाई तीन फरवरी को

टीएमसी ने भीड़ ऐसे बुला ली जैसे जंतर-मंतर हो

जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा और जस्टिस विपुल पंचोली की पीठ ने कहा है कि वह इस मामले में नोटिस जारी कर तथ्यों की जांच करेगी। कोर्ट ने कोलकाता हाईकोर्ट में ईडी की याचिका की सुनवाई के दौरान हुई अव्यवस्था पर भी गंभीर चिंता जताई। ईडी की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता और अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने कहा कि एजेंसी 14 जनवरी को हाईकोर्ट में हुई सुनवाई से संतुष्ट नहीं है। सुनवाई के दौरान ईडी को कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ा। ईडी ने आरोप लगाया कि कोर्ट रूम में बार-बार माइक बंद हो रहा था, जिससे पक्ष रखने में दिक्कत आई।

ईडी के आरोप गलत, ममता ने बाधा नहीं डालीः सिब्बल

बंगाल सरकार की ओर से वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने ईडी के आरोपों को गलत बताया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री केवल प्रतीक जैन का

लैपटॉप और उनका निजी आईफोन लेकर गई थीं, क्योंकि उसमें चुनाव से जुड़ा संवेदनशील डेटा था। सिब्बल ने कहा कि मुख्यमंत्री ने रेड में कोई रुकावट नहीं डाली। कोर्ट ने टिप्पणी की कि अगर ईडी दस्तावेज जब्त करना चाहती, तो वह ऐसा कर सकती थी। कोर्ट ने साफ कहा हमें इस मामले की जांच करनी होगी।

चुनाव के समय अचानक रेड क्यों?

सिब्बल ने सवाल उठाया कि अगर कोयला घोटाले की जांच पहले से चल रही थी, तो चुनाव के समय रेड क्यों की गई।?इस पर सुप्रीम कोर्ट ने टिप्पणी करते हुए कहा कि बंगाल में चुनाव आई-पैक नहीं, बल्कि चुनाव आयोग कराता है।

याचिका में लगाए गए आरोप गलतः सिंघवी

राज्य सरकार और डीजीपी की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक सिंघवी ने आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि यदि कोर्ट नोटिस जारी करता भी है, तो यह साफ किया जाए कि यह उनकी आपत्ति

के अधीन होगा। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि ईडी फोरम शॉपिंग कर रही है, क्योंकि इसी तरह की राहत पहले ही हाईकोर्ट से मांगी जा चुकी है। ईडी की याचिका में लगाए गए आरोप और पंचनामा एक-दूसरे से मेल नहीं खाते।

उपस्थित अधिकारियों को निलंबित किया जाए: एसजी मेहता और राजू

ईडी ने कोर्ट में आरोप लगाया कि रेड के दौरान सीएम ममता इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों व अहम दस्तावेजों को जबरन साथ ले गईं। मेहता और राजू ने जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा और विपुल पंचोली की पीठ को बताया कि कहा कि मुख्यमंत्री के साथ बंगाल के डीजीपी और बड़ी पुलिस टीम भी मौजूद थी। ईडी का दावा है कि पुलिस ने एजेंसी के अधिकारियों के मोबाइल फोन तक छीन लिए।

ईडी तो कोयला घोटाला की जांच कर रही थी...

कोर्ट ने ईडी से पूछा कि वह वहां किस जांच के सिलसिले में गई थी? मेहता ने कहा कि ईडी अवैध कोयला घोटाले की जांच कर रही थी, न कि किसी चुनावी डेटा को जब्त करने। जांच में हवाला चैनल और करीब 20 करोड़ के नकद लेन-देन के सबूत मिले हैं। आई-पैक से जुड़े 10 ठिकानों पर तलाशी ली थी।

डीजीपी राजीव को निलंबित करें

ईडी ने नई याचिका दायर की है, जिसमें पश्चिम बंगाल के डीजीपी राजीव कुमार के निलंबन की मांग की गई है। ईडी ने वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की भी मांग की है, आरोप लगाते हुए कि उन्होंने जांच में सहयोग नहीं किया।

बिरला का सीएसपीओसी में स्वागत भाषण

चुनौतियों से निपटने सामूहिक विवेक, साझा जिम्मेदारी जरूरी

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला ने गुरुवार को संविधान सदन के केंद्रीय कक्ष में राष्ट्रमंडल देशों के लोकसभा अध्यक्षों और पीठासीन अधिकारियों के 28वें सम्मेलन (सीएसपीओसी) में स्वागत भाषण देते हुए राष्ट्रमंडल के संसदीय मंच की भूमिका पर बल दिया। लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि ऐसे मंच विभिन्न देशों के पीठासीन अधिकारियों को वैश्विक महत्व के मुद्दों पर विचार-विमर्श के लिए एक साथ लाने की विशिष्ट क्षमता रखते हैं। उन्होंने कहा कि पूरे विश्व के विधानमंडलों के समक्ष उभरती चुनौतियों से निपटने के लिए सामूहिक विवेक और साझा जिम्मेदारी आवश्यक है।

एआई से होगी कार्यकुशलता में वृद्धि

बिरला ने समाज और शासन को प्रभावित कर रहे तीव्र तकनीकी परिवर्तनों की ओर ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने कहा कि आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआई) तथा सोशल मीडिया ने लोकतांत्रिक संस्थानों की कार्यकुशलता और प्रभावशीलता में वृद्धि की है। उन्होंने यह भी कहा कि इनके दुरुपयोग से दुष्प्रचार, साइबर अपराध और सामाजिक ध्रुवीकरण जैसी गंभीर चिंताएं उत्पन्न हुई और इन चुनौतियों से गंभीरता से निपटना और उपयुक्त समाधान निकालना विधायिकाओं की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए नैतिक आर्टिफिशल इंटेलिजेंस तथा विश्वसनीय, पारदर्शी और जवाबदेह सोशल मीडिया ढांचों के बढ़ते महत्व पर बल दिया।

विधायी संस्थाओं को पेपरलेस बना रहे

भारत के अनुभव को रेखांकित करते हुए बिरला ने बताया कि भारत की संसद और राज्य विधानसभाओं में आर्टिफिशल इंटेलिजेंस और डिजिटल प्रौद्योगिकियों का उपयोग निरंतर बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि विधायी संस्थाओं को उत्तरोत्तर पेपरलेस बनाया जा रहा है और उन्हें एकीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से जोड़ा जा रहा है, जिससे पारदर्शिता, दक्षता और सुलभता के नए मानक स्थापित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि संसद और सरकार के साझे प्रयासों से भारत ने अनेक पुराने और अनावश्यक कानूनों को हटाया है, नए जनकल्याणकारी कानून बनाए हैं तथा जनता की आकांक्षाओं के अनुरूप नीतियां तैयार की हैं।

उत्तराखंड के चमोली में आग

नंदा देवी वन में लगी आग पर काबू पाने हेलिकॉप्टर तैनात

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

उत्तराखंड के चमोली जिले में नंदा देवी राष्ट्रीय उद्यान के गोविंदघाट रेंज में अलकनंदा और लक्ष्मण गंगा नदियों के बीच स्थित पथरीले इलाके में जंगल में आग लगने के बाद जिला प्रशासन को पूरी तरह से अलर्ट कर दिया गया है। नंदा देवी राष्ट्रीय उद्यान के गोविंदघाट रेंज में अलकनंदा और लक्ष्मण गंगा नदियों के बीच चट्टानी क्षेत्र में लगी जंगल की आग को नियंत्रित करने के लिए प्रशासन पूरी तरह से सतर्क है। क्षेत्र की दुर्गमता को देखते हुए, हेलीकॉप्टर का उपयोग करके हवाई टोही और अग्निशमन के लिए एक योजना तैयार की गई है। जिला मजिस्ट्रेट गौरव कुमार की पहल पर हेलीकॉप्टर से सर्वेक्षण की अनुमति दे दी गई है। डीएफओ सर्वेश दुबे ने बताया कि घाटी और हेमकुंड साहिब सुरक्षित हैं। जमीनी टीमें हेलीकॉप्टर और ड्रोन की निगरानी से आग बुझाने का काम कर रही हैं।

पश्चिम बंगाल में निपाह का डर

3 और लोगों में संक्रमण का खतरा, अब तक 5 संक्रमित

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

पश्चिम बंगाल में इन दिनों निपाह वायरस का असर देखा जा रहा है। अब तीन अन्य लोगों को निपाह से संक्रमित पाया गया है। इसके साथ अब पश्चिम बंगाल में संक्रमितों की संख्या बढ़कर 5 हो गई है।पहले जिन दो स्वास्थ्य कर्मियों को संक्रमित पाया गया था, उनका अब भी आईसीयू में इलाज चल रहा है। दोनों की हालत गंभीर बताई जा रही है। स्वास्थ्य अधिकारियों ने इन मरीजों के संपर्क में आए करीब 120 लोगों को ट्रैक किया है।

संक्रमण और बढ़ा

इस संक्रामक बीमारी ने डॉक्टर्स को अलर्ट कर दिया है। निपाह के संक्रमण की दर और मृत्यु का खतरा दोनों ही अधिक रहता है। 40-70 फीसदी मरीजों की मौत हो जाती है। इ स पर स्थानीय लोगों को सावधानी बरतते रहने की सलाह दी गई है।

मैंने अकाल तख्त को चुनौती नहीं दी

सचिवालय के सामने पेश हुए सीएम मान

अमृतसर। पंजाब के सीएम भगवंत मान गुरुवार को श्री अकाल तख्त साहिब के सचिवालय सामने पेश हुए। उन्होंने अपने ऊपर लगे आरोपों के मद्देनजर तख्त के सामने अपना पक्ष रखा। पेशी से पहले उन्होंने गुरुवार को स्वर्ण मंदिर में माथा टेका। मान ने कहा कि मैंने यह भी स्पष्ट किया है कि सोशल मीडिया पर फैलाई जा रही इस बात में कोई सच्चाई नहीं है अकाल तख्त को लेकर ऐसा करने का मुझे कोई भी अधिकार नहीं है।

उतरावां ने फाइनल का खिताब अपने नाम किया

अमन लेखनी समाचार

निगोहां। निगोहां कस्बे के एसएनटी मैदान में आयोजित ग्राम सभा क्रिकेट टूनार्मेंट का फाइनल मुकाबले के साथ समापन हुआ फाइनल मैच गढ़ी चुनौटी और उतरावां टीमों के बीच खेला गया, जिसमें शानदार प्रदर्शन करते हुए उतरावां टीम ने खिताब अपने नाम किया फाइनल मुकाबला 20 ओवर का खेला गया जिसमे उतरावां ने टॉस जीतकर पहले बॉलिंग करने का निर्णय लिया बल्लेबाजी करने उतरी टीम गढ़ी चुनौटी की टीम निर्धारित ओवरों में 235 रनों का विशाल लछ्य खड़ा किया जवाब में उतरावां की टीम ने बल्लेबाजी करने उतरी और 18 ओवर मे ही फाइनल मैच का खिताब अपने नाम कर विजेता बनी इस मैच के मैन ऑफ द मैच रहे इल्ला को दिया गया इन्होंने 24 गेंद में शानदार 78 रनो की पारी खेली ग्रामीण अंचल में इस प्रकार के क्रिकेट टूनार्मेंट युवाओं की प्रतिभा को निखारने के साथ-साथ उन्हें अनुशासन संघर्ष और टीम भावना की सीख देते वहीं अतिथियों द्वारा विजेता और उप विजेता टीम को ट्रॉफी और पुरुष्कार से नवाजा गया।

चला बुलडोजर नहर पाटकर बनाया गया अवैध रास्ता ध्वस्त...

निगोहां प्रेस क्लब की मुहिम पर सिंचाई विभाग को करनी पड़ी सख्त कार्रवाई

अमन लेखनी समाचार

निगोहां। निगोहां क्षेत्र में प्रॉपर्टी डीलरों द्वारा नहर को पाटकर अवैध रूप से बनाए गए रास्ते पर आखिरकार प्रशासन का बुलडोजर चल ही गया स्थानीय स्तर पर प्रभावशाली लोगों के संरक्षण में तैयार किया गया यह अवैध रास्ता गुरुवार को सिंचाई विभाग की टीम ने पूरी तरह ध्वस्त कर दिया यह कार्रवाई निगोहां प्रेस क्लब द्वारा लगातार उठाई जा रही आवाज और जनहित की मुहिम के बाद संभव हो सकी, जिसके चलते सिंचाई विभाग को मजबूरन कार्रवाई करनी पड़ी।ग्रामीणों के मुताबिक कुछ दिन पहले प्रॉपर्टी डीलरों ने नहर को पाटकर अवैध पुलिया और रास्ता बना दिया जिससे करोड़ों रुपये की लागत से बनी सिंचाई व्यवस्था को भारी नुकसान पहुंचा नहर का प्राकृतिक जल प्रवाह बाधित हो गया पानी उफनाने लगा और कटान की स्थिति बन गई इससे किसानों के खेतों तक पानी पहुंचना मुश्किल हो गया मामले को जब निगोहां प्रेस क्लब ने प्रमुखता से उठाया और सोशल मीडिया के माध्यम से इसे जनता के सामने रखा तो खबर तेजी से वायरल हो गई इसके बाद प्रशासन हरकत में आया उच्चाधिकारियों के निर्देश पर सिंचाई विभाग ने मौके पर मेट सहित सिंचाई विभाग की टीम तथा निगोहां पुलिस बल मौके पर मौजूद रहा भारी विरोध के बावजूद बुलडोजर चलाकर पूरे अवैध निर्माण को हटाया गया और नहर की मूल संरचना को फिर से बहाल कर दिया गया कुछ ही मिनटों में लाखों रुपये की लागत से बना अवैध रास्ता मलबे में तब्दील हो गया अवैध पुलिया हटते ही किसानों के चेहरों पर संतोष झलक उठा किसानों ने बताया कि नहर के पाटे जाने से सिंचाई व्यवस्था पूरी तरह प्रभावित हो रही थी अब नहर के सुचारू प्रवाह से खेतों तक पानी पहुंचेगा और फसलों के उत्पादन में सुधार होगा।इस कार्रवाई से भू-माफियाओं और अवैध कब्जेदारों में खलबली मची हुई ग्रामीणों ने उम्मीद जताई कि प्रशासन आगे भी इसी तरह सख्त रुख अपनाएगा, ताकि सार्वजनिक संसाधनों पर अवैध कब्जों पर पूरी तरह लगाम लग सके इस संबंध में जेई रमेशचंद्र ने बताया कि एक प्रॉपर्टी डीलर द्वारा नहर में अवैध कब्जा कर पुलिया डाली गई थी उसे पूरी तरह हटाकर संबंधित लोगों को सख्त चेतावनी दी गई है कि बिना अनुमति दोबारा ऐसा करने पर कठोर कार्रवाई की जाएगी निगोहां प्रेस क्लब की सक्रियता को क्षेत्र में जनहित की बड़ी जीत के रूप में देखा जा रहा

जनहित व्यापार मंडल एयरपोर्ट शाखा द्वारा मकर संक्रांति के अवसर पर खिचड़ी प्रसाद वितरण

अमौसी एयरपोर्ट तिराहा पर कराया गया। खिचड़ी के साथ रायता का लोगों ने उठाया लुत्फ

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। उत्तर प्रदेश जनहित व्यापार मंडल व्यापारियों की समस्याओं का समाधान करने के साथ-साथ सामाजिक सरोकार और सामाजिक सहयोग के कार्यों में बढ़कर का हिस्सा लेती है चाहे जेठ माह का मंगल हो अथवा मकर संक्रांति के अवसर पर समय-समय पर एयरपोर्ट शाखा द्वारा प्रसाद वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है। मकर संक्रांति के अवसर पर प्रति वर्ष की बात इस वर्ष भी एयरपोर्ट व्यापार मंडल पदाधिकारी द्वारा प्रसाद वितरण कराया गया।इस मौके पर एयरपोर्ट व्यापार मंडल शाखा के अध्यक्ष पवन तिवारी उपाध्यक्ष शिवम गुप्ता, आसिफ खान कोषाध्यक्ष, उपाध्यक्ष इरफान अली मंत्री सोनू गुप्ता मंत्री शुभम गुप्ता सहित जनहित व्यापार मंडल एयरपोर्ट शाखा के पदाधिकारी और सदस्य गण मौजूद रहे।

जिला बदर के बाद भी जनपद में घूम रहा था आरोपी, पुलिस ने भेजा जेल

अमन लेखनी समाचार

पीजीआई। पीजीआई थाना पुलिस ने जिलाबदर आदेश का उल्लंघन करने वाले एक आरोपी को गुरुवार को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। आरोपी जनपद की सीमा के भीतर पाए जाने पर पुलिस की कार्रवाई में पकड़ा गया। इंस्पेक्टर पीजीआई धीरेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि संयुक्त पुलिस आयुक्त (कानून एवं व्यवस्था) लखनऊ के आदेश से 6 माह के लिए जिला बदर किए गए आरोपी चुन्नू सिंह निवासी न्यू डिफेन्स कॉलोनी, उतरेठिया थाना पीजीआई को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि 7 जनवरी को संयुक्त पुलिस आयुक्त (कानून एवं व्यवस्था) लखनऊ द्वारा वाद संख्या 122(54)/2025, धारा 3 उत्तर प्रदेश गुण्डा नियंत्रण अधिनियम 1970 के तहत अभियुक्त चुन्नू सिंह पुत्र स्वर्गीय बच्चू सिंह के विरुद्ध 6 माह का जिला बदर आदेश जारी किया गया था। गुरुवार को सुबह करीब 10:50 बजे थाना पीजीआई पुलिस को मुखबिर खास से सूचना मिली कि जिला बदर आरोपी साउथ सिटी तिराहा, रायबरेली रोड थाना पीजीआई क्षेत्र में मौजूद है। सूचना पर तत्काल कार्रवाई करते हुए पुलिस ने आरोपी को मौके से नियमानुसार गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध आवश्यक विधिक कार्रवाई पूरी कर उसे जेल भेज दिया है। पुलिस के अनुसार आरोपी के खिलाफ थाना पीजीआई में पहले से तीन आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं।

पीजीआई पुलिस ने शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने वाले युवक को किया गिरफ्तार

अमन लेखनी समाचार

पीजीआई थाना पुलिस ने शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने के आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की पहचान अनिल कुमार पुत्र देवी प्रकाश (उम्र लगभग 31 वर्ष) के रूप में हुई है।वह मूल रूप से ग्राम बाजीखेड़ा, तहसील पुरवा, थाना पुरवा, जनपद उन्नाव का निवासी है और वर्तमान में 12बी/61 वृंदावन योजना, थाना पीजीआई, लखनऊ में रह रहा था। इंस्पेक्टर पीजीआई धीरेन्द्र कुमार सिंह ने बताया कि पीड़िता ने थाना स्थानीय पर लिखित प्रार्थना पत्र देकर आरोप लगाया था कि आरोपी ने शादी का झांसा देकर उसके साथ दुष्कर्म किया। तहरीर के आधार पर मुकदमा पंजीकृत कर जांच शुरू की गई। जांच के दौरान मुखबिर खास से सूचना मिली कि नामजद आरोपी अपने घर से बाहर जाने की फिराक में है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को उसके वर्तमान पते 12बी/61 वृंदावन योजना, थाना पीजीआई, लखनऊ से गिरफ्तार कर लिया।

कटरा बाजार में चोरों का दुस्साहस, शटर तोड़ उड़ाए कपड़े और नकदी

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। काकोरी कस्बे में चोरों के हौसले इस कदर बुलंद हैं कि अब वे बाजारों में बेखौफ वारदात को अंजाम दे रहे हैं। कटरा बाजार स्थित एक रेडीमेड कपड़ों की दुकान को निशाना बनाते हुए शातिर चोरों ने बीती रात दुकान के शटर तोड़ दिए और अंदर रखा सारा कीमती सामान समेटकर फरार हो गए। जानकारी के अनुसार, इमामबाग वार्ड निवासी विनय की कटरा बाजार में रेडीमेड कपड़ों की दुकान है। रोज की तरह जब वह गुरुवार सुबह दुकान खोलने पहुंचे तो नजारा देखकर दंग रह गए। दुकान के दोनों शटर टूटे हुए थे और भीतर रखा रेडीमेड कपड़ों का स्टॉक तथा गल्ले में रखी करीब 25 हजार रुपये की नगदी गायब थी।इससे साफ हो गया कि रात के अंधेरे में चोरों ने बड़ी सफाई से वारदात को अंजाम दिया।पीड़ित विनय ने तुरंत पुलिस को सूचना देते हुए अज्ञात चोरों के खिलाफ तहरीर दी। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।विनय का कहना है कि दुकान के पास लगे एक सीसीटीवी कैमरे की फुटेज खंगाली गई, लेकिन उसमें कोई ठोस सुराग हाथ नहीं लग सका।पुलिस के मुताबिक मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है।दुकान के आसपास लगे अन्य सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है, ताकि चोरों की पहचान कर जल्द गिरफ्तारी की जा सके। इस घटना के बाद कटरा बाजार के व्यापारियों में दहशत का माहौल है। दुकानदारों ने रात्रि गश्त बढ़ाने और सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की है, ताकि इस तरह की घटनाओं पर अंकुश लगाया जा सके।

बंद घर का ताला तोड़कर लाखों की चोरी, मुकदमा दर्ज

अमन लेखनी समाचार

पीजीआई। पीजीआई कोतवाली क्षेत्र के न्यू सैनिक नगर,डलौना लखनऊ में एक बंद घर का ताला तोड़कर अज्ञात चोरों ने लाखों रुपए कीमत के आभूषण और कीमती सामान चोरी कर लिया, पीड़ित परिवार संग पंजाब गया हुआ था, सूचना पर घर लौटे पीड़ित ने पीजीआई कोतवाली पुलिस को तहरीर दी है, पुलिस मुकदमा दर्ज कर जांच पड़ताल कर रही है। मुकेश कुमार मिश्र ई/41 न्यू सैनिक नगर, डलौना ,लखनऊ में परिवार संग रहते हैं। उन्होंने बताया कि वह बीते 30 दिसम्बर को परिवार संग पंजाब चले गए थे।घर में ताला बंद कर गए थे।घर की देखभाल के लिए एक चाभी अपने साले सूर्यांश मिश्रा को दे गए थे। पुलिस को दी गई तहरीर में पीड़ित ने बताया कि बीते 11 जनवरी को सूर्यांश पीड़ित के घर गया, 12 जनवरी की शाम करीब 7 बजे 14 पर फोन कर सूर्यांश मिश्र ने बताया कि घर में चोरी हो गई है। पीड़ित ने पीजीआई कोतवाली पुलिस को तहरीर देकर फारेन्सिक एवं उऊफ जाँच करवाकर न्याय दिलवाने की गुहार लगाई है। पीड़ित के मुताबिक घर से सोने अगूठी-3, चेन, हार का सेट-1, झूमकी-1 जोड़ी, कान का झाला-1 जोड़ी, नाक की कील-12, चांदी की पाजेब, पायल, 4 हजार रुपए नकद चोरी हुए हैं। पीजीआई कोतवाली पुलिस मुकदमा दर्ज कर जांच पड़ताल कर रही है।

अनियंत्रित कार की टक्कर से जीजा साले गंभीर रूप घायल मुकदमा दर्ज

अमन लेखनी समाचार

पीजीआई। पीजीआई कोतवाली क्षेत्र के तेलीबाग स्थित शनि मंदिर चौराहे पर एक तेज रफ्तार कार ने स्कूटी सवार जीजा साले को टक्कर मार दी जिससे वह दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए, कार चालक मौके से भाग निकला, स्थानीय पुलिस और राहगीरों ने घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया, जहां से उपचार के बाद पीड़ित ने पीजीआई कोतवाली पुलिस को तहरीर दी पुलिस ने बुधवार को मुकदमा दर्ज कर जांच पड़ताल शुरू कर दी है। गोविंद प्रसाद नागर, गांधी नगर, तेलीबाग लखनऊ में परिवार संग रहते हैं। उन्होंने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि वह बीते 04 जनवरी शाम करीब 8.30 बजे से 9.00 बजे के बीच अपने जीजा अतर सिंह के साथ दुकान से अपने घर जा रहे थे। अपनी स्कूटी यूपी 32एच डी 2338 पर सवार थे । अभी वह शनि मंदिर के पास पहुंचे थे कि से पीछे आ रही तेज रफ्तार कार ने स्कूटी में पीछे से जोरदार टक्कर मार दी,जिससे प्रार्थी व उनके जीजा दोनो स्कूटी से गिर गए।जिससे दोनो गम्भीर रुप से घायल हो गए।जिसमें गोविंद प्रसाद नागर का बाया हाथ व बाया पैर में फैक्चर हो गया। व अतर सिंह के कमर में गम्भीर चोट व फैक्चर हो गया है। कार चालक टक्कर मारने के बाद मौके से फरार हो गया। पीड़ित ने बताया कि वह स्थानीय है, उक्त घटना को टैंपो चालक बबलू यादव व हिमांशू व अन्य तमाम लोगो ने देखा है। उपचार के बाद करीब 10 दिन बाद तहरीर देते हुए न्याय की गुहार लगाई है। पीजीआई कोतवाली पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच पड़ताल शुरू कर दी है।

एयर इंडिया की उड़ान से मुंबई जा रहे बुजुर्ग यात्री की अचानक हालत बिगड़ने से मौत

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। राजधानी के लखनऊ एयरपोर्ट परगुरुवार को एयर इंडिया की उड़ान से मुंबई जा रहे एक बुजुर्ग यात्री की अचानक हालत बिगड़ गई। आनन-फानन उसे लोक बंधु अस्पताल पहुंचाया गया। लेकिन वहां पहुंचते ही चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। बताते हैं कि लखनऊ निवासी 85 वर्षीय मोहम्मद अली गुरुवार अपराह्न करीब 2 बजे लखनऊ से मुंबई जाने वाली एयर इंडिया की उड़ान (एआई 2492) से जाने के लिए लखनऊ के चौधरी चरण सिंह एयरपोर्ट पहुंचे। मोहम्मद अली की बोर्डिंग हो चुकी थी। वह विमान में सवार होने के लिए अंदर जा रहे थे।तभी एसएचए एरिया में अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई। हालत अधिक बिगड़ते देख वहां मौजूद लोगों ने एयरपोर्ट की मेडिकल टीम को सूचना दी। सूचना के बाद पहुंची मेडिकल टीम ने उनकी जांच करने के बाद आनन-फानन एंबुलेंस से लोकबंधु अस्पताल पहुंचाया। लेकिन वहां पहुंचते ही मोहम्मद अली

को चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। फिलहाल सूचना के बाद पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। उनकी मौत किस वजह से हुई, इसका कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद मौत का सही कारण पता चल सकेगा।

पार्षद राम नरेश रावत ने महापौर की संस्तुति निधि व पार्षद निधि के अंतर्गत तीन रोड व नाली का किया शिलान्यास

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर। सरोजनी नगर द्वितीय 18 में रुस्तम विहार कॉलोनी मे मो. मुकीम के मकान से गणेश चौरसिया के मकान तक इंटरलॉकिंग रोड नाली 140 मीटर लंबी चार मीटर चौड़ी तथा आश्रम एकेडमी इंटर कॉलेज से नीतू वाजपेई के घर तक सीसी सड़क और नाली लगभग 50 मीटर लंबी चार मीटर चौड़ी तथा हरिओम नगर कॉलोनी में ओमप्रकाश विश्वकर्मा के घर से पूरन के घर तक इंटरलॉकिंग रोड व नाली का 60 मीटर लंबी तीन मीटर चौड़ी नवनिर्माण कार्य का शिलान्यास महापौर सुषमा खर्कवाल व विधायक डा.राजेश्वर सिंह के आशीर्वाद से पार्षद रामनरेश रावत एडवोकेट के द्वारा किया गया कार्यक्रम को धूप दीप द्वारा पूजा कार्य करवा कर जयराम यादव व फूलचंद गौतम से नारियल तुड़वाकर पार्षद रामनरेश रावत एडवोकेट के द्वारा कार्य का शुभारंभ कराया गया भाजपा कार्यकर्ता संतोष त्रिपाठी ने बताया की यह रुस्तम विहार कॉलोनी की वर्षों से कच्ची पड़ी रोडे काफी महत्वपूर्ण थी जो की अब रोड व नाली का नवनिर्माण कार्य किया जाएगा जो की अब महापौर सुषमा खर्कवाल के द्वारा रुस्तम विहार कॉलोनी व हरिओम नगर कॉलोनी मे दी गई धनराशि 31लाख रुपए की लागत से इंटरलॉकिंग रोड व नाली तथा सीसी रोड व नाली का नवनिर्माण कार्य किया जाएगा रुस्तम बिहार व हरिओम नगर के नागरिकों ने पार्षद रामनरेश को माला पहना कर तथा तथा पार्षद ने महापौर एवं विधायक के हर्षो उल्लास से नारे लगाए तथा रुस्तम बिहार के लोगों ने पार्षद जी को तथा एक दूसरे को लड्डू खिलाकर अपनी प्रसन्नता प्रकट की इसके लिए जनता की तरफ से संतोष त्रिपाठी ने सभी को सधन्यवाद दिया। इसके लिए लखनऊ सांसद राजनाथ सिंह रक्षा मंत्री भारत सरकार, विधायक डॉ.राजेश्वर सिंह, व महापौर सुषमा खर्कवाल, भाजपा नेता नीरज सिंह, महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी, नगर आयुक्त गौरव कुमार, तथा पार्षद रामनरेश रावत एडवोकेट के सहयोग तथा आशीर्वाद से इस रुस्तम विहार कॉलोनी में इंटरलॉकिंग सड़क व नाली, तथा सीसी रोड का नवनिर्माण कार्य होने जा रहा है आप सभी को कॉलोनी के समस्त निवासियों की तरफ से बहुत-बहुत धन्यवाद एवं आभार शिलान्यास के कार्यक्रम में द्वारका प्रसाद विश्वकर्मा, आलोक श्रीवास्तव, रितेश दुबे, गोपाल, नवीन शर्मा, आयुष दीक्षित, अभय द्विवेदी, नेहा, अनीता देवी, गीता सिंह, सुनीता देवी, आदि आसपास के भाजपा कार्यकर्ता के लोग भी उपस्थित रहे।

सीआईएसएफ एएसजी लखनऊ द्वारा जरूरतमंदों को कंबल वितरण

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) की एएसजी लखनऊ इकाई द्वारा सामाजिक सरोकारों के अंतर्गत गुरुवार को एक सराहनीय पहल की गई। कड़ाके की ठंड को देखते हुए गरीब एवं जरूरतमंद लोगों के बीच शीत राहत सामग्री (कंबल) का वितरण किया गया। यह कार्यक्रम सायं लगभग 17:30 बजे आयोजित किया गया, जिसके तहत सीआईएसएफ के अधिकारियों एवं जवानों ने चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के आसपास के क्षेत्रों में अभियान चलाया। इस दौरान बिजनौर क्षेत्र स्थित झुग्गी-झोपड़ी बस्तियों में निवास कर रहे जरूरतमंद लोगों को कंबल वितरित किए गए। साथ ही लाभार्थियों के बीच मिठाइयाँ भी वितरित की गईं, जिससे लोगों के चेहरों पर मुस्कान दिखाई दी। कार्यक्रम के दौरान सीआईएसएफ अधिकारियों एवं जवानों ने जरूरतमंद नागरिकों से संवाद कर उनका हाल-चाल जाना तथा ठंड से बचाव के लिए आवश्यक सावधानियाँ बरतने की अपील की। इस मानवीय पहल से क्षेत्र के बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों को विशेष राहत मिली। इस अवसर पर स्थानीय नागरिकों एवं समाजसेवियों ने सीआईएसएफ के इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि सीआईएसएफ न केवल सुरक्षा के क्षेत्र में बल्कि सामाजिक जिम्मेदारियों के निर्वहन में भी अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। यह पहल सीआईएसएफ की संवेदनशीलता, सेवा भावना और समाज के प्रति प्रतिबद्धता को स्पष्ट रूप से दशार्ती है।

तेलीबाग बाजार स्थित बी ओ आई ए टी एम बूथ पर टप्पेबाजों का कब्जा, मुकदमा दर्ज

अमन लेखनी समाचार

पीजीआई। पीजीआई कोतवाली क्षेत्र के तेलीबाग बाजार स्थित बैंक ऑफ इंडिया के ए टी एम बूथ पर टप्पेबाजों ने एक ही दिन में 2 महिलाओं का ए टी एम कार्ड फंसा कर हजारों रुपए की ठगी कर ली,पीड़िताओं ने पीजीआई कोतवाली पुलिस को तहरीर दी पुलिस मुकदमा दर्ज कर जांच पड़ताल कर रही है। अर्चना कुमारी वर्मा पिता का नाम राम सुमेर, 591/1065 बल्देव विहार तेलीबाग लखनऊ में रहती हैं उन्होंने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि उनका बैंक खाता,बैंक आफ इण्डिया सुभानी खेड़ा तेलीबाग में है। पीड़ित ने बताया कि वह बीते 11जनवरी (रविवार) को दोपहर बाद लगभग 3:10 बजे, तेलीबाग स्थित बैंक ऑफ इंडिया के एटीएम (कऊः रछउ 9087) से पैसे निकालने गई थी। कार्ड डालने पर मशीन में कोई प्रक्रिया नहीं हुई, और मेरा एटीएम कार्ड मशीन के अंदर ही फंस गया। काफी कोशिश के बाद भी कार्ड बाहर नहीं निकला। उसी समय वहां मौजूद एक अज्ञात व्यक्ति ने मुझे मशीन पर लिखे एक फर्जी हेल्पलाइन नंबर पर कल करने को कहा। काल करने पर दूसरी तरफ से व्यक्ति ने खुद को बैंक कर्मचारी बताया और कहा कि आज बैंक की छुट्टी होने के कारण कोई नहीं आ पाएगा, शाम 6 बजे के बाद आपका कार्ड निकाल कर दे दिया जाएगा। इसके कुछ समय बाद ही, शाम 4:25 बजे मोबाइल पर मैसेज आया कि खाते से पैसे निकाल लिए गए हैं। मेरे खाते में कुल 15,692 थे, जिनमें से अब केवल 686 शेष बचे हैं।

केस 2-

नूतन श्रीवास्तव पत्नी रमेश चन्द्र श्रीवास्तव पता 587ए/152 गांधी नगर तेलीबाग लखनऊ में रहती हैं उन्होंने बताया कि वह बीते 10 जनवरी, शनिवार को सुबह करीब 10.49 पर बैंक ऑफ इंडिया ए टी एम पर गयी थी। तब उनका भी एटीएम मशीन में फंस गया था। जिसके बाद मशीन के पीछे लगे हेल्प लाइन नम्बर पर काल किया तो काल करने के बाद पीड़ित के खाते से से 6हजार 300 रुपए ,लगभग 12.17 बजे कट गये। इनका खाता यूनियन बैंक का है। पीड़ित का कहना है कि बैंक ऑफ इंडिया के ए टी एम बूथ पर कोई गार्ड नहीं है।और टप्पेबाज ए टी एम मशीन में गड़बड़ी कर महिलाओं और बुजुर्गों को शिकार बना रहे हैं। पीड़ितों ने साइबर सेल में सूचना देने के बाद पीजीआई कोतवाली पुलिस को तहरीर दी, पुलिस मुकदमा दर्ज कर जांच पड़ताल कर रही है।

क्रिकेट का महाकुंभ आठवें भोले बाबा क्रिकेट टूर्नामेंट का भव्य शुभारंभ

पूर्व मंत्री स्वाति सिंह डॉ अजय पांडेय सत्यम समेत विशिष्ट अतिथियों ने किया उद्घाटन बाबा बारुदी ने पहले मुकाबले में दर्ज की शानदार जीत.....

अमन लेखनी समाचार

निगोहां। गुरुवार को निगोहां के टोल प्लाजा के समीप खेल प्रेमियों के लिए उत्साह और जोश से भरा माहौल देखने को मिला, जब 8वें भोले बाबा क्रिकेट टूनार्मेंट का भव्य आगाज हुआ। टूनार्मेंट का उद्घाटन पूर्व स्वतंत्र प्रभार मंत्री स्वाति सिंह उत्तर प्रदेश राष्ट्रीय रियल एस्टेट विकास परिषद के उपाध्यक्ष डॉ.अजय पाण्डेय सत्यम एवं श्री राजपूत करणी सेना के प्रदेश अध्यक्ष दुर्गेश सिंह ह्यदीपूह्व ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया उद्घाटन के दौरान मैदान तालियों और नारों से गूंज उठा। उद्घाटन मुकाबला बाबा बारुदी और किंग इलेवन आमिर के बीच खेला गया। टॉस जीतकर किंग इलेवन ने पहले गेंदबाजी करने का निर्णय लिया बल्लेबाजी करने उतरी बाबा बारुदी की टीम ने आक्रामक प्रदर्शन करते हुए निर्धारित 15 ओवरों में 6 विकेट के नुकसान पर 183 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया लक्ष्य का पीछा करने उतरी किंग इलेवन आमिर की टीम दबाव में नजर आई और पूरी टीम 14.3 ओवर में 143 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। इस प्रकार बाबा बारुदी की टीम ने 39 रनों से शानदार जीत दर्ज की। मैच के हीरो रहे अरविंद, जिन्होंने मात्र 35 गेंदों में शतकीय पारी (100 रन) खेलकर दर्शकों को रोमांचित कर दिया। उनके इस विस्फोटक प्रदर्शन के लिए उन्हें मैन ऑफ द मैच चुना गया। इस मौके पर निगोहां प्रेस क्लब के संरक्षक मुकेश द्विवेदी लालपुर पूर्व प्रधान ज्ञानेंद्र बहादुर सिंह अधिवक्ता ऋषि द्विवेदी दीपू सिंह दिलीप मिश्रा मोइन खान परसपुर ठट्टा के पूर्व प्रधान नवनीत सिंह सहित अरुण सिंह मुरारी सिंह राठौर अमर सिंह रोहित तिवारी आशु नेता अखंड प्रताप सिंह शनि सैनी स्वप्निल पाण्डेय समेत अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे। टूनार्मेंट के आयोजक किसान नेता अनमोल तिवारी ने सभी अतिथियों का अंगवस्त्र भेंट कर एवं फूलमाला पहनाकर भव्य स्वागत-सम्मान किया उन्होंने बताया कि इस टूनार्मेंट जनपद लखनऊ रायबरेली सहित आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में दर्शक पहुंचे जिससे पूरा क्षेत्र खेलमय माहौल में नजर आया खास बात यह रही कि मुकाबले का लाइव प्रसारण भी किया जा रहा जिसे लाखों दर्शकों ने ऑनलाइन देखा आयोजकों के अनुसार आने वाले दिनों में होने वाले मुकाबले और भी रोमांचक जिससे निगोहां क्षेत्र में खेल प्रतिभाओं को नया मंच और पहचान मिलेगी।

सहायक पुलिस आयुक्त की अध्यक्षता में बैठक हुई आयोजित

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। सरोजनीनगर थाना क्षेत्र में कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ करने एवं अपराध नियंत्रण में व्यापारियों की सहभागिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से बुधवार को सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) कृष्णानगर रजनीश वर्मा की अध्यक्षता में स्कूटर इंडिया चौराहे के पास एक होटल में एक बैठक आयोजित की गई जिसमें सरोजनीनगर क्षेत्र के बड़ी संख्या में व्यापारी मौजूद रहे। बैठक के दौरान सहायक पुलिस आयुक्त ने व्यापारियों को सुरक्षा संबंधी विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने सभी व्यापारियों से अपने प्रतिष्ठानों पर सीसीटीवी कैमरे अनिवार्य रूप से लगाने तथा उन्हें चालू अवस्था में रखने का आग्रह किया, ताकि किसी भी आपराधिक घटना की स्थिति में साक्ष्य उपलब्ध हो सके। साथ ही प्रतिष्ठान के आसपास किसी भी संदिग्ध गतिविधि या अज्ञात व्यक्ति की सूचना तत्काल थाना या डायल 112 पर देने की अपील की। उन्होंने व्यापारियों को अपने यहां कार्यरत कर्मचारियों, मजदूरों एवं सुरक्षा कर्मियों का पुलिस सत्यापन अनिवार्य रूप से कराने के निर्देश दिए। रात्रि के समय दुकानों को बंद करते समय शटर, ताले और प्रकाश व्यवस्था पर विशेष ध्यान देने तथा अनावश्यक रूप से देर रात तक दुकानें खुली न रखने की सलाह दी। यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए दुकानों के सामने अतिक्रमण न करने और ग्राहकों को सड़क पर वाहन खड़ा न करने के लिए प्रेरित करने की बात कही। इसके अलावा सोशल मीडिया अथवा अन्य माध्यमों से फैलने वाली अफवाहों पर ध्यान न देने तथा किसी भी सूचना की पुष्टि पुलिस से करने की सलाह दी गई। बैठक में समय-समय पर इस प्रकार की संवाद बैठकें आयोजित करने पर भी सहमति बनी। बैठक के बाद पुलिस एवं व्यापारियों द्वारा पैदल गश्त कर क्षेत्र में सुरक्षा भावना को और मजबूत किया गया। सहायक पुलिस आयुक्त ने व्यापारियों को आश्वस्त किया कि पुलिस प्रशासन उनकी सुरक्षा, सम्मान और समस्याओं के समाधान के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। वहीं व्यापारियों ने पुलिस द्वारा उठाए जा रहे सुरक्षा उपायों की सराहना करते हुए पूर्ण सहयोग का भरोसा जताया। इस बैठक में स्थानीय पार्षद गीता देवी गुप्ता, उत्तर प्रदेश जनहित व्यापार मंडल प्रदेश अध्यक्ष ओम प्रकाश शर्मा, नादरगंज अमौसी जनहित व्यापार मंडल अध्यक्ष नागेंद्र सिंह, क्रांति व्यापार मंडल प्रदेश अध्यक्ष विजय सिंह यादव और गौरी आदर्श व्यापार मंडल के विशाल श्रीवास्तव सहित तमाम व्यापारी मौजूद रहे।

संक्षेप

टायर फटने से पलटा लोडर बाल बाल बचे चालक परिचालक

बांगरमऊ, उन्नाव। क्षेत्र के एक्सप्रेसवे मार्ग पर टायर फटने से लोडर अनियंत्रित होकर पलट गया गनीमत रही चालक परिचालक बाल बाल बच गए। चालक रिहान पुत्र मुशर्रफ निवासी शास्त्रीनगर सेक्टर 12 थाना नौचंदी जनपद मेरठ एक लोडर में कपड़े के बंडल लोडकर मेरठ से लखनऊ लेकर जा रहा था तभी गुरुवार को दोपहर करीब बांगरमऊ क्षेत्र में एक्सप्रेसवे मार्ग पर गांव भवानी खेड़ा के निकट लोडर का टायर फटने से वह अनियंत्रित होकर एक्सप्रेसवे मार्ग पर पलट गया इस हादसे में चालक सहित दो लोगो को मामूली चोट आई घटना के बाद यूपीडा टीम ने मौके पर रेस्क्यू कर आवागमन बहाल कराया।

मां भगवती का संगीतमय जागरण का किया गया आयोजन

फतेहपुर चौरासी, उन्नाव। नगरपंचायत फतेहपुर चौरासी के मोहल्ला गांधी नगर में बने शिव कृपा धाम के राम दरबार हनुमान गढ़ी मन्दिर परिसर में मां भगवती का संगीतमय जागरण का आयोजन किया गया जिसमें रात भर भक्त गण गायकों के देवी भजनों पर नाचते गाते हुए झूमते रहे। नगर निवासी पवन पाण्डेय उर्फ नातेदार द्वारा आयोजित कार्यक्रम में कानपुर की रवी नादान जागरण पार्टी के गायकों ने पूजन अर्चन के बाद भजनों का सिलसिला शुरू किया जो रातभर चलता रहा। भजन गायक हितेश मिश्रा ने सुन लो कन्हैया ये अर्जी हमारी, तारो न तारो मर्जी तुम्हारी, मानवी तिवारी की प्रस्तुति बड़े प्यारे हैं मेरे सरकार सांवरे दिल न लगे और शेर पे सवार होके आई शेरावाली, किशोरी कुछ ऐसा इंतजाम हो जाए, गायिका प्रिंसी के गीत काली कमली वाला मेरा यार है , एक बार वृंदावन जाकर तो देखो आदि भक्ति से सराबोर गीतों ने श्रोताओं को नाचने पर विवश कर दिया। कार्यक्रम में रूद्र इण्टर नेशनल ग्रुप ने सुदामा मिलन की मनमोहक झांकी प्रस्तुत की। आयोजक पवन पाण्डेय ने सुबह आरती के साथ प्रसाद वितरण कराया और जागरण में आए भक्तों का आभार व्यक्त किया।

बाइक से नीचे गिरकर महिला घायल

उन्नाव। आसीवन थाना क्षेत्र के लखनऊ बांगरमऊ मार्ग पर चलती बाइक से पीछे बैठी महिला नीचे गिर कर गंभीर रूप से घायल हो गयी जिसे इलाज के लिए मियागंज अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां डाक्टर ने उसकी हालत नाजुक होने पर जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

हसनगंज कोतवाली क्षेत्र के कस्बा हसनगंज निवासी रवीन्द्र बुधवार की देर रात मियागंज से पत्नी रोशनी देवी को लेकर जा रहा था इसी बीच सहजना जरगर गांव के पास सामने से आ रहे डम्पर से बचने के प्रयास में बाइक नीचे उतार दी जिस पर बाइक अनियंत्रित हो गयी जिससे पीछे बैठी पत्नी का संतुलन बिगड़ गया और वह नीचे गिर कर गंभीर रूप से घायल हो गयी जिसे मियागंज अस्पताल में भर्ती कराया जहां डाक्टर ने प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

लापता तीन बच्चों को पुलिस ने सकुशल किया बरामद एसपी ने टीम को प्रशस्ति पत्र देकर किया सम्मानित

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। नवाबगंज से दो दिन पूर्व लापता हुए बच्चों को पुलिस ने सकुशल बरामद करने के बाद गुरुवार को कप्तान जय प्रकाश सिंह ने अजगैन कोतवाली पर तीनों बच्चों को कपड़े व गिफ्ट परिजनों को कम्बल दिए व सीओ अरविन्द चौरसिया कोतवाली निरीक्षक सुरेश सिंह चौकी इंचार्ज मुकल दुबे सहित पुलिस टीम को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। कोतवाली निरीक्षक को अच्छे गुडवर्क के लिए दस हजार रुपये देकर पीठ थपथपाई। इस दौरान एएसपी प्रेम चन्द्र भी मौजूद रहे। मालूम हो 13 जनवरी की दोपहर अजगैन कोतवाली क्षेत्र के नवाबगंज कस्बे के वार्ड नंबरझ्10 गांधी नगर से संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हुए तीन मासूम बच्चों को पुलिस ने सकुशल बरामद कर लिया था। बच्चों के मिलते ही परिजनों और स्थानीय लोगों ने राहत की सांस ली थी।बताया गया कि बीते मंगलवार दोपहर से तीनों बच्चे लापता थे, जिससे क्षेत्र में हड़कंप मच गया था। परिजनों द्वारा काफी खोजबीन के बाद बुधवार को अजगैन कोतवाली में गुमशुदगी की सूचना दी गई थी। लापता बच्चों में अनूप (10) और निधि (10) पुत्र व पुत्री राकेश राजपूत, जो जुड़वा हैं, तथा भूमिका (8) पुत्री विश्राम निवासी गांधी नगर शामिल थे। अनूप और निधि नवाबगंज स्थित एचएलएसडी स्कूल में कक्षा एक के छात्र हैं।सूचना मिलते ही पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू की। चौकी प्रभारी मुकुल दुबे के अनुसार सीसीटीवी फुटेज खंगालने पर बच्चों की आखिरी लोकेशन सामने आई, जिसके आधार पर पुलिस ने तलाश तेज कर संभावित स्थानों और आसपास के क्षेत्रों में सघन अभियान चलाया था।और शुक्लागंज स्थित एक जानने वाले के यहां से तीनों बच्चों को सकुशल बरामद कर परिजनों को सौंप दिया था।

ग्राम प्रधान ने गरीब महिलाओं को वितरित की साड़िया

अमन लेखनी समाचार

सफीपुर, उन्नाव। विकास खण्ड के ग्राम पंचायत फतेहपुर में सामाजिक समरसता और सेवा भाव का संगम देखने को मिला। यहाँ की ग्राम प्रधान सुबोध कांति द्वारा कड़ाके की ठंड और त्योहार के दृष्टिगत गरीब व असहाय परिवारों की मदद के लिए हाथ बढ़ाए गए। मंगलवार को आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान ग्राम प्रधान ने दर्जनों जरूरतमंद महिलाओं को साड़ियां वितरित कीं। इससे पूर्व, ग्राम प्रधान व उपस्थित ग्रामीणों ने संविधान निमार्ता डॉ. भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। इस अवसर पर भव्य खिचड़ी भोज का भी आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने प्रसाद ग्रहण किया। प्रधान प्रतिनिधि राहुल ने इस मौके पर कहा कि गरीब और असहाय लोगों की सेवा करना ही सबसे बड़ा पुण्य है। उन्होंने संकल्प दोहराया कि पंचायत के विकास के साथ-साथ हर वर्ग के उत्थान के लिए कार्य जारी रहेंगे।कार्यक्रम के दौरान मुख्य रूप से कुंज बिहारी, देवचंद्र, देवराज सहित भारी संख्या में ग्रामीण और गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। ग्रामीणों ने प्रधान द्वारा किए गए इस कार्य की सराहना की।

मकर संक्रांति के दूसरे दिन भी गंगा घाटों पर उमड़ी श्रदालुओं की भीड़

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। मकर संक्रांति के दूसरे दिन गुरुवार को भी गंगा घाटों पर भारी भीड़ उमड़ी। हजारों श्रद्धालुओं ने अल सुबह से ही गंगा में आस्था की डुबकी लगाई और पुण्य लाभ अर्जित किया। ठंडे मौसम के बावजूद श्रद्धालुओं का उत्साह बरकरार रहा। पुरुषों, महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों सहित सभी आयु वर्ग के लोगों ने गंगा स्नान किया। स्नान के बाद श्रद्धालुओं ने खिचड़ी, तिल, गुड़, कंबल और वस्त्र जैसी वस्तुएं दान कर पुण्य अर्जित किया। कई परिवारों ने गंगा तट पर पूजा-अर्चना भी की। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए जिला प्रशासन और पुलिस ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए थे। प्रमुख गंगा घाटों पर बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया था। गोताखोरों की टीम और जल पुलिस को भी आपात स्थिति से निपटने के लिए अलर्ट पर रखा गया। गहरे पानी वाले स्थानों पर बैरिकेडिंग कर श्रद्धालुओं को सुरक्षित दायरे में स्नान करने के निर्देश दिए गए। घाटों पर साफ-सफाई, पेयजल और प्राथमिक चिकित्सा की व्यवस्था भी की गई थी। एंबुलेंस और मेडिकल टीमें तैनात थीं ताकि किसी श्रद्धालु की तबीयत बिगड़ने पर तत्काल उपचार मिल सके। प्रशासनिक अधिकारी लगातार घाटों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लेते रहे। गंगा घाटों की ओर जाने वाले मार्गों पर यातायात सुचारू रखने के लिए विशेष प्रबंध किए गए थे। यातायात पुलिस ने डायवर्जन लागू कर वाहनों को नियंत्रित किया। स्वयंसेवी संगठनों और स्थानीय लोगों ने भी श्रद्धालुओं की सहायता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। स्थानीय प्रशासन के अनुसार, इस वर्ष मकर संक्रांति पर श्रद्धालुओं की संख्या पिछले वर्षों की तुलना में अधिक दर्ज की गई है। दूसरे दिन भी श्रद्धालुओं का उत्साह बना रहा, जिससे गंगा तटों पर मेले जैसा माहौल नजर आया। फिलहाल, प्रशासन पूरी तरह सतर्क है और आने वाले दिनों में भी श्रद्धालुओं की संभावित भीड़ को देखते हुए सुरक्षा और व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए गए हैं। श्रद्धालुओं ने प्रशासन की व्यवस्थाओं की सराहना करते हुए शांतिपूर्ण ढंग से पर्व मनाया।

नवजात बच्ची का झाड़ियों में मिला शव

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। हसनगंज कोतवाली क्षेत्र में मोहान-अजगैन मार्ग पर बुधवार देर शाम एक नवजात बच्ची का शव मिला। नई सराय नाले के पास सड़क किनारे झाड़ियों में शव मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही ग्रामीणों की भीड़ मौके पर जमा हो गई। जानकारी के अनुसार, रास्ते से गुजर रहे कुछ राहगीरों ने झाड़ियों में पड़े नवजात के शव को देखा। पहले उन्हें कुछ समझ नहीं आया, लेकिन पास जाकर देखने पर नवजात बच्ची का शव देखकर उन्होंने तुरंत हसनगंज कोतवाली पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और क्षेत्र की घेराबंदी कर जांच शुरू की। पुलिस ने नवजात के शव को झाड़ियों से बाहर निकलवाया। पंचनामा भरने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया गया है। इस घटना को लेकर ग्रामीणों और राहगीरों में गहरा आक्रोश है। लोगों का मानना है कि सामाजिक बदनामी या किसी गुनाह को छिपाने के इरादे से नवजात बच्ची को जन्म लेते ही मार दिया गया और उसके शव को सड़क किनारे झाड़ियों में फेंक दिया गया। स्थानीय लोगों ने इसे अमानवीय कृत्य बताते हुए दोषियों को जल्द गिरफ्तार कर कड़ी सजा देने की मांग की है। मामले में हसनगंज कोतवाली प्रभारी शरद कुमार ने बताया कि सड़क किनारे झाड़ियों में नवजात बच्ची का शव बरामद हुआ है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है, जिसकी रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का पता चल सकेगा। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है और क्षेत्र की आशा व आंगनबाड़ी कार्यकताओं से भी पूछताछ कर रही है।

खिचड़ी भोज एवं कंबल वितरण का किया गया आयोजन

अमन लेखनी समाचार

सुमेरपुर, उन्नाव। बैशवारा नरेश 1857 क्रांति के महानायक अमर क्रान्तिकारी आजादी के महानायक अमर शहीद राजा राव राम बक्श सिंह की स्मृति मे आयोजित विराट भव्य खिचड़ी भोज एवम कंबल वितरण कार्यक्रम मे पहुंचे सुविख्यात समाजसेवी पुष्प फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष पुष्पेन्द्र प्रताप सिंह ने उपस्थित विशाल जनसैलाब को सम्बोधित करते पुष्पेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि मेरे जीवन की हर सांस बैशवारे व राष्ट्र के नाम है मेरी तमन्ना है कि मैं ऐसा कुछ करूँ अपने क्षेत्र देश के लिये जिससे कि आने वाली पीढ़ियां समाज मे बेहतरी व उत्थान के लिये मुझे याद करें आज राजा साहब की स्मृति मे आयोजित कार्यक्रम मैं यह आप सबसे वादा करता हूँ आप सभी का स्नेह आशीर्वाद मुझ पर बना रहे जितनी भी कोशिश होगी मैं जनपद का नाम बैशवारा करने का कार्य करूंगा क्योंकि बैशवारा कोई जाति नहीं एक सोंच एक विचारधारा है उसे हम सबको मिलाकर आगे बढ़ाना है,कार्यक्रम बैशवारा कल्याण समिति उन्नाव व राणा बेनी माधव समिति रायबरेली भी पहुंची पुष्पेन्द्र प्रताप सिंह के द्वारा राजा राव राम बक्श सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण भी किया गया, समिति के अध्यक्ष मुन्ना सिंह अवधूत ने चांदी का मुकुट, राजा साहब की प्रतिमा, तलवार आदि भेंट की,आयोजित भव्य कार्यक्रम मे पुष्पेन्द्र प्रताप सिंह के द्वारा लगभग 6 हजार से अधिक लोगों को कंबल वितरण किया गया व 10 हजार लोगों से अधिक खिचड़ी लोगों ने खिचड़ी भोज ग्रहण किया इस मौके पर मुख्य रूप से बैशवारा कल्याण समिति के अध्यक्ष मुन्ना सिंह अवधूत, हरिओम सिंह, कमल बहादुर सिंह,राणा बेनी माधव समिति के राघवेंद्र प्रताप सिंह व महामंत्री पुष्पेन्द्र सिंह ब्लॉक प्रमुख योगेश बाजपेयी, बैजनाथ सिंह,भोले सिंह प्रधान,पवन पासवान ज्ञान सिंह,ब्रजेन्द्र प्रताप सिंह,ज्ञान सिंह, छोटू ठाकुर, गोलू सिंह अखिलेश वैरागी, सगुन सिंह, पंकज सिंह,आर के सिंह मामाजी, बीरेंद्र फौजी,श्याम सिंह प्रधान प्रतिनिधि, दीपिका सिंह राना, कृष्णा लोधी, प्रियंका, विजेता, प्रिया सिंह आदि मौजूद रहे।

ऑटो हटाने को लेकर हुआ विवाद चार घायल

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। सलेमपुर करोवन मोहल्ले में गुरुवार को ऑटो हटाने को लेकर हुए विवाद में एक ही परिवार के चार लोग घायल हो गए। आरोप है कि कुछ लोगों ने लाठी-डंडों और धारदार हथियारों से हमला किया। घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उपचार के बाद उन्होंने कोतवाली थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। मारपीट में राकेश पाण्डेय, सिद्धार्थ पाण्डेय, विधि पाण्डेय और शिवम पाण्डेय घायल हुए हैं। उनके सिर, हाथ और शरीर के अन्य हिस्सों में चोटें आई हैं। डॉक्टरों के अनुसार, कुछ घायलों को सिर में गंभीर चोटें लगी हैं और उनका उपचार जारी है। पीड़ित प्रशांत पाण्डेय ने बताया कि वे अपने परिवार के साथ बुक डिपो की दुकान खोलने की तैयारी कर रहे थे। इसी दौरान मोहल्ले में खड़े एक ऑटो को हटाने को लेकर कहासुनी हो गई। आरोप है कि विवाद बढ़ने पर उदय चौरसिया, सत्यम चौरसिया, हिमांशु चौरसिया और अंकित चौरसिया अपने परिजनों के साथ लाठी-डंडे और कुल्हाड़ी लेकर मौके पर पहुंचे और हमला कर दिया। पीड़ित पक्ष ने बताया कि उनका आरोपियों से कोई पुराना विवाद नहीं था। पीड़ितों के अनुसार, हमले में परिवार के लोगों को बुरी तरह पीटा गया और जान से मारने की धमकी भी दी गई। पीड़ित पक्ष ने आरोप लगाया कि हमलावर दबंग प्रवृत्ति के हैं और मोहल्ले में अक्सर मारपीट करते रहते हैं, जिससे स्थानीय लोग भयभीत रहते हैं। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। घायलों को तत्काल जिला अस्पताल भेजा गया। उपचार के बाद पीड़ित पक्ष ने कोतवाली थाने में आरोपियों के खिलाफ नामजद तहरीर दी है। कोतवाली पुलिस ने बताया कि तहरीर के आधार पर मामले की जांच की जा रही है और साक्ष्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

पूजन सामग्री के लिए अर्पण कलश स्थापित

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। नगर पालिका परिषद ने धार्मिक पूजन सामग्री के सम्मानजनक निपटान के लिए एक नई पहल की है। शहर में तीन प्रमुख स्थानों पर 'अर्पण कलश' स्थापित किए गए हैं। यह कदम सार्वजनिक स्थलों पर पूजा के बाद बची सामग्री के बिखरे होने से फैलने वाली गंदगी और धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचने की समस्या को दूर करने के उद्देश्य से उठाया गया है। नगर पालिका अध्यक्ष कौमुदी पांडेय और अधिशासी अधिकारी मुकेश कुमार मिश्रा की पहल पर ये कलश लगाए गए हैं। इन्हें दुर्गा मंदिर के बाहर, नवीन पुल द्वार के पास और नमामि गंगे घाट के समीप स्थापित किया गया है। पालिकाध्यक्ष प्रतिनिधि संदीप पांडेय की उपस्थिति में इन कलशों की स्थापना की गई। पालिकाध्यक्ष कौमुदी पांडेय ने बताया कि सार्वजनिक स्थानों पर पूजन सामग्री के बिखरे होने से न केवल स्वच्छता प्रभावित हो रही थी, बल्कि धार्मिक वस्तुओं का अनादर भी हो रहा था। इस व्यवस्था का लक्ष्य श्रद्धालुओं को अपनी आस्था से जुड़ी सामग्री को सम्मानपूर्वक निर्धारित स्थान पर अर्पित करने का अवसर प्रदान करना है। उन्होंने नगरवासियों से अपील की है कि वे पूजा के बाद बची सामग्री को इधर-उधर फेंकने के बजाय 'अर्पण कलश' में ही डालें। नगर पालिका एक विशेष पूजन गाड़ी के माध्यम से इन कलशों से एकत्रित सामग्री को नियमित रूप से उठाएगी और विधि-विधान के अनुसार उनका भू-विसर्जन करेगी। इससे पर्यावरण और धार्मिक मयार्दा दोनों का संरक्षण सुनिश्चित होगा। नगर पालिका अधिकारियों के अनुसार, इस पहल से शहर की स्वच्छता व्यवस्था मजबूत होगी और धार्मिक स्थलों की गरिमा भी बनी रहेगी। यदि नागरिकों का अच्छा सहयोग मिलता है और आवश्यकता महसूस होती है, तो भविष्य में शहर के अन्य सार्वजनिक और धार्मिक स्थलों पर भी ऐसे 'अर्पण कलश' लगाए जाएंगे। नगरवासियों ने इस पहल का स्वागत करते हुए इसे आस्था और स्वच्छता के बीच एक संतुलित कदम

अनियंत्रित बाइक सवार युवक विद्युत पोल से टकराया एक की मौत दूसरा घायल

अमन लेखनी समाचार

सफीपुर, उन्नाव। कोतवाली क्षेत्र में दबौली-जमालनगर मार्ग पर बुधवार देर शाम एक सड़क हादसा हुआ। अनियंत्रित बाइक बिजली के खंभे से टकरा गई, जिससे उस पर सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। अस्पताल ले जाने पर एक युवक को मृत घोषित कर दिया गया, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल है। मृतक की पहचान हरदोई के मल्लावां थाना क्षेत्र के छिबरामऊ निवासी अखिलेश (25) पुत्र रामकिशोर के रूप में हुई है। घायल युवक कानपुर के बिल्हौर थाना क्षेत्र के गदनपुर निवासी कुंवर (30) पुत्र सोने लाल हैं। दोनों आपस में साढू थे और बुधवार को सफीपुर कोतवाली क्षेत्र के बोडेपुरवा स्थित अपनी ससुराल खिचड़ी का त्योहार मनाने आए थे। बताया गया कि बुधवार शाम करीब 7:30 बजे अखिलेश और कुंवर घूमने जाने की बात कहकर बाइक से निकले थे। दबौली-जमालनगर मार्ग पर सनहा गांव के पास उनकी बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे लगे बिजली के खंभे से टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों युवक बाइक से उछलकर सड़क पर गिर पड़े। राहगीरों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) सफीपुर पहुंचाया गया। डॉक्टरों ने जांच के बाद अखिलेश को मृत घोषित कर दिया। कुंवर की हालत गंभीर देखते हुए उसे प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया, जहां उसका इलाज जारी है। मृतक अखिलेश की पत्नी ज्ञानवती ने बताया कि उनका विवाह पिछले वर्ष दिसंबर में हुआ था। अखिलेश खेती-बाड़ी का काम करते थे। खिचड़ी के त्योहार पर उनकी सास सियादुलारी ने दोनों बहनों को उनके पतियों के साथ मायके बुलाया था। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। इस संबंध में कोतवाली प्रभारी एसएन त्रिपाठी ने बताया कि मृतक का शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है तथा दूसरे घायल का इलाज चल रहा है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

दुष्कर्म व अवैध धर्म परिवर्तन कराने वाले आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

अमन लेखनी समाचार

सफीपुर, उन्नाव। कोतवाली पुलिस ने गुरुवार को एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए दुष्कर्म और अवैध धर्म परिवर्तन कराने के आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उसे जेल भेज दिया है। बीते बुधवार (14 जनवरी) को सफीपुर कोतवाली में एक युवती की तहरीर पर सनसनीखेज मामला दर्ज हुआ था। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध दुष्कर्म (BNS 64/1), मारपीट, जान से मारने की धमकी और उत्तर प्रदेश विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम 2021 की गंभीर धाराओं के तहत मुकदमा पंजीकृत किया था। मामला दर्ज होने के बाद से ही पुलिस की टीमें आरोपी की तलाश में दबिश दे रही थीं। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत, थानाध्यक्ष सुब्रत नारायण के नेतृत्व में पुलिस टीम क्षेत्र में गश्त पर थी। इसी दौरान मुखबिर से सटीक सूचना मिली कि आरोपी कहीं भागने की फिराक में है। पुलिस ने तत्काल मियागंज रोड स्थित राजकीय बालिका इंटर कॉलेज (GGIC) के पास घेराबंदी की और अभियुक्त आशी उर्फ रिहान पुत्र सलीम (26 वर्ष), निवासी मोहल्ला मीरबाजार को दबोच लिया। गिरफ्तार करने वाली टीम में थानाध्यक्ष के साथ उपनिरीक्षक संजीव कुमार तोमर, सिपाही राघवेंद्र गुर्जर, निपुणमान और जितेंद्र नादर शामिल रहे। पुलिस ने आरोपी को माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। थाना प्रभारी ने बताया कि महिलाओं के विरुद्ध अपराध करने वालों और कानून हाथ में लेने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

मकर संक्रांति के पर्व पर विशाल खिचड़ी वितरण का किया गया आयोजन

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। शुक्लागंज में मकर संक्रांति का पर्व गुरुवार को श्रद्धालुओं ने पूरे श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया है। इस अवसर पर शुक्लागंज क्षेत्र में जगह-जगह खिचड़ी वितरण कार्यक्रम आयोजित किए गए। समाजसेवियों, धार्मिक संगठनों और स्थानीय लोगों ने खिचड़ी के भंडारे लगाए, जिनमें भारी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। सुबह से ही मंदिरों और प्रमुख चौराहों पर श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। लोगों ने मकर संक्रांति के शुभ अवसर पर दान-पुण्य कर पुण्य लाभ अर्जित किया। वही शुक्लागंज के सभासद विशाल त्रिपाठी ऊर्फ बिल्लू पंडा ने भी विशाल खिचड़ी भंडारे का आयोजन कराया जिसमे भारी संख्या में श्रद्धालुओं के अलावा राहगीरों, जरूरतमंदों और बच्चों ने भी प्रसाद ग्रहण किया। वही ठंड को देखते हुए सभासद द्वारा गरीब असहाय लोगों को कंबल वितरण किया गया इस दौरान साफ-सफाई और व्यवस्था का विशेष ध्यान रखा, जिससे कार्यक्रम शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुए और कोई अव्यवस्था नहीं हुई।सभासद विशाल त्रिपाठी ने बताया कि मकर संक्रांति पर खिचड़ी दान करने की विशेष धार्मिक मान्यता है। यह पर्व आपसी भाईचारे, सेवा और सहयोग का संदेश देता है। यह खिचड़ी वितरण हम सभी बाबा आनंदेश्वर एवं गंगा मैया के आशीर्वाद से पिछले कई वर्षो करते चले आ रहे है माता रानी का आशीर्वाद बना रहा तो सदैव ऐसे ही करते रहेंगे। पूरे दिन शुक्लागंज में पर्व का उल्लास छाया रहा। लोगों ने एक-दूसरे को मकर संक्रांति की शुभकामनाएं दीं और धार्मिक आस्था के साथ इस पर्व को शांतिपूर्ण ढंग से मनाया। जिसमे विशाल त्रिपाठी उर्फ बिल्लू पंडा, कन्हैया त्रिपाठी, नीलू बाबा, विमल पांडे, महेंद्र गुप्ता, कल्लू गुरु, शंकर राठौड़, सलिल शर्मा, निखिल शर्मा, राज मिश्रा, वैभव त्रिपाठी, उमेश शुक्ला, वीरू मिश्रा पुत्तीलाल, मोनू अवस्थी, आदि लोग मौजूद रहे।

घने कोहरे के चलते मार्गों पर धीमी गति से चल रहे वाहन

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। लगातार दूसरे दिन घना कोहरा और सर्द हवाएं जारी रहीं, जिससे ठंड में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई। गुरुवार सुबह से ही आसमान में घने कोहरे के कारण दृश्यता काफी कम हो गई। मौसम विभाग के अनुसार, जिले का न्यूनतम तापमान 7 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 17 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। तापमान में इस गिरावट से सामान्य जनजीवन प्रभावित हुआ। सुबह के समय कोहरा इतना घना था कि सड़कों पर वाहनों की आवाजाही धीमी रही। हाईवे और मुख्य मार्गों पर वाहन चालकों को हेडलाइट जलाकर धीमी गति से चलना पड़ा। कई स्थानों पर दृश्यता 20 मीटर से भी कम रही, जिससे दुर्घटनाओं की आशंका बनी रही। पुलिस और यातायात विभाग की टीमें सतर्क रहीं और लोगों से सावधानी बरतने की अपील की गई। बढ़ती ठंड का असर रेलवे यातायात पर भी स्पष्ट रूप से दिखाई दिया। कोहरे के कारण कई ट्रेनें अपने निर्धारित समय से देरी से पहुंचीं। लखनऊ-कानपुर रेलखंड पर चलने वाली यात्री और एक्सप्रेस ट्रेनों की गति धीमी कर दी गई। ट्रेनों के विलंब से चलने के कारण यात्रियों को स्टेशनों पर घंटों इंतजार करना पड़ा, खासकर सुबह और देर रात की ट्रेनों पर कोहरे का अधिक प्रभाव देखा गया। ठंड और कोहरे के चलते जिले में जनजीवन प्रभावित रहा। सुबह के समय बाजारों में भीड़ कम दिखी और लोग केवल आवश्यक कार्यों के लिए ही घरों से बाहर निकले। दफ्तर जाने वाले कर्मचारियों को भी परेशानी का सामना करना पड़ा। ठंड से बचाव के लिए लोग अलाव का सहारा लेते दिखे; शहर और ग्रामीण इलाकों में जगह-जगह अलाव जलाए गए। चिकित्सकों ने इस मौसम में विशेष रूप से बुजुर्गों, बच्चों और पहले से बीमार लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है। ठंड से बचाव के लिए गर्म कपड़े पहनने, गर्म भोजन लेने और अनावश्यक रूप से सुबह-शाम बाहर निकलने से बचने की सलाह दी गई है। मौसम विभाग के पूवार्नुमान के अनुसार, आगामी कुछ दिनों तक ठंड और कोहरे का यह सिलसिला जारी रह सकता है। सुबह और रात के समय घना कोहरा छाए रहने की संभावना है, जबकि दिन में धूप निकलने से कुछ राहत मिल सकती है।

महिला ने अपने ससुरालीजनो पर दर्ज कराया दहेज उत्पीड़न का मुकदमा

अमन लेखनी समाचार

सुमेरपुर, उन्नाव। थाना बारासगवर अन्तर्गत विवाहिता ने अपने पति व ससुरालीजनो पर दहेज उत्पीड़न व मारपीट का आरोप लगाया है जिसमे पुलिस ने पति समेत छः लोगो के ऊपर मुकदमा दर्ज कर लिया है। थाना क्षेत्र की ही निवासिनी अतिया कौसर पुत्री इसरार अहमद ने पुलिस को तहरीर देते हुए बताया कि वह वर्तमान में थाना गुरबकसगंज जनपद रायबरेली उत्तर प्रदेश में अपने निजी मकान में रह रही है। उसका निकाह दिनांक 14 माह पूर्व अनवर अली पुत्र चांद मौहम्मद निवासी ऊंचगांव थाना बरासगवर जनपद उन्नाव के साथ हुआ था। शादी के कुछ ही दिनों उपरांत पति अनवर अली सास-शमरून निशा ससुर- चांद बाबू ननद-तबस्सुम निशा ननद का पति रहमत, देवर-अशरफ आदि लोग दहेज में थार कार व प्लाट खरीदने हेतु 5 लाख नगद मांग उत्पीड़न करने लगे। विरोध करने पर गन्दी गन्दी गालिया व जिंदा जला देने की धमकी दी जा रही है । थाना प्रभारी धर्मेंद्र नाथ मिश्रा ने बताया तहरीर के आधार पर पति समेत छः लोगो पर प्रताड़ना, दहेज उत्पीड़न सहित गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आवश्यक कार्यवाही की जा रही है।

पूर्व मुख्यमंत्री मायावती का धूमधाम से मनाया गया जन्मदिन

अमन लेखनी समाचार

मौरावां, उन्नाव। पूर्व मुख्यमंत्री सुश्री मायावती का जन्मदिन लादखेडा.अहेसा में उनके मानने वालों ने धूमधाम से मनाया कार्यक्रम की शुरूआत उनके चित्र पर माल्यार्पण कर पुष्प अर्पित करते उनके दीघार्यु की कामना किया मिष्ठान वितरण किया गया।कार्यक्रम आयोजक दीपक कुमार गौतम ने बताया कि बहन जी का शुशाशन लोग याद कर रहे हैं उनके शासनकाल को याद कर गुंडे माफिया रिश्वत खोर अधिकारी थर थर कांपते हैं। कार्यक्रम में बतौर अतिथि जिला पंचायत प्रत्याशी रामबाबू लोधी ने बहन मायावती के चित्र पर माल्यार्पण कर पुष्प अर्पित करते हुए उनके शासनकाल पर विस्तार से प्रकाश डाला प्रधान प्रतिनिधि रविशंकर रावत ने भी सम्बोधित किया इस अवसर पर रामचंद्र मदलाली रावत अर्जुन लोधी,रमन सिंह, सुरेन्द्र रावत,किशोर लोधी, राधेलाल लोधी,डा छोटू, गुड्डू लोधी, महेश पासी, प्रकाश लोधी, मास्टर सर्वेश रावत आदि काफी लोग मौजूद रहे।

सम्पादकीय

भारत-अमेरिका संबंधों को सुधार पाएंगे गोर?

भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर ने सोमवार को नई दिल्ली में कार्यभार संभाल लिया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पिछले साल गोर की नियुक्ति की घोषणा की थी। भारत-अमेरिका संबंध पिछले एक साल में अब तक के सबसे निचले स्तर पर हैं। अमेरिकी वाणिज्य मंत्री हावर्ड लुटनिक की हालिया टिप्पणी से ऐसा संदेश गया, जैसे भारत-अमेरिका व्यापार समझौता पूरी तरह पटरी से उतर गया है, क्योंकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्रंप को फोन नहीं किया। जबकि पिछले साल दोनों नेताओं के बीच आठ बार बातचीत हुई थी। भारत पर इस समय दुनिया में सर्वाधिक टैरिफ लागू है। लगातार वार्ता होने के बावजूद दोनों देश अब तक किसी समझौते पर नहीं पहुंच सके हैं। समझा जाता है कि गोर के आने के बाद दोनों देशों के संबंध एक बार फिर पटरी पर लौट सकते हैं। गोर की टैरिफ पर समझौते को लेकर दोनों देशों के बीच चल रही वार्ता पर यह टिप्पणी खास तौर पर ध्यान देने योग्य है। गोर ने कहा, 'सच्चे दोस्त असहमत हो सकते हैं, लेकिन अंत में हमेशा अपने मतभेद दूर कर लेते हैं।' राष्ट्रपति ट्रंप की हाल की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ बातचीत को याद करते हुए गोर ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति अक्सर अपनी भारत यात्रा और प्रधानमंत्री मोदी के साथ अपनी व्यक्तिगत समझ का जिक्र करते हैं। गोर ने कहा, आशा है कि राष्ट्रपति जल्द ही भारत आएंगे, उम्मीद है अगले एक या दो वर्षों में। दोनों देशों के संबंधों पर गोर ने आगे कहा, 'भारत से अधिक महत्वपूर्ण कोई साझेदार नहीं है। आने वाले महीनों और वर्षों में भारत में राजदूत के रूप में मेरा लक्ष्य एक अत्यंत महत्वाकांक्षी एजेंडा आगे बढ़ाना है। हम यह एक सच्चे रणनीतिक साझेदार के रूप में करेंगे, जहां दोनों देश अपनी-अपनी ताकत, सम्मान और नेतृत्व लेकर आगे आएंगे।' गोर का यह रुख दोनों देशों के रिश्तों पर जमी बर्फ को पिघलाने का काम कर सकता है। हालांकि ट्रंप का एक साल का कार्यकाल भारत के लिए किसी भी दृष्टि से अच्छा नहीं रहा। टैरिफ को अगर छोड़ भी दें तो भी ट्रंप ने वह हर काम किया, जिससे भारत के हितों पर प्रतिकूल असर पड़ता हो। एचाबी वीजा से लेकर रेमिटेंस पर टैक्स बढ़ाना, अवैध भारतीयों को हथकड़ी लगाकर वापस भेजना, अमेरिका जाने के इच्छुक भारतीयों के लिए वीजा में देरी आदि ऐसे कई काम हुए हैं, जिसने आम भारतीय के दिल में भी अमेरिका के प्रति सम्मान को कम किया है। गोर अभी अपने कार्यकाल की शुरुआत कर रहे हैं, लेकिन उनके लिए भारतीयों के मन में अमेरिका का सम्मान स्थापित करना भी बड़ी चुनौती होगा। पाकिस्तान के परोक्ष शासक आसिम मुनीर को ट्रंप ने जिस तरह से गले लगाया है, वह किसी भारतीय को पसंद नहीं आया। इसलिए गोर की भारत में राह बहुत आसान होगी, यह कह पाना मुश्किल है। उन्होंने खुद स्वीकार किया कि यह 'आसान काम नहीं' है। जब वह कहते हैं कि व्यापार हमारे रिश्ते का महत्वपूर्ण हिस्सा है, लेकिन हम सुरक्षा, आतंकवादरोधी प्रयास, ऊर्जा, प्रौद्योगिकी, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों में भी मिलकर काम करते रहेंगे तो साफ हो जाता है कि अमेरिका की प्राथमिकता क्या है? गोर भारत में अमेरिकी राजदूत के साथ ही दक्षिण एवं मध्य एशिया के विशेष दूत भी हैं।

आर्थिकी

अश्विनी महाजन

जीडीपी वृद्धि से नहीं रुकेगी रुपए की गिरावट

पिछली तिमाही में भारत की जीडीपी ग्रोथ 8 .2 प्रतिशत तक पहुँच गई है। तेज़ आर्थिक ग्रोथ से आम तौर पर किसी देश की करेंसी मज़बूत होनी चाहिए, लेकिन भारत अक्सर एक विरोधाभास का अनुभव करता है, जहां जीडीपी ग्रोथ ज़्यादा होने पर भी उसकी करेंसी काफ़ी कम हो जाती है। इस विरोधाभास को समझने की ज़रूरत है, क्योंकि विनिमय दर में उतार-चढ़ाव जीडीपी ग्रोथ से तय नहीं होता है, बल्कि कई तत्वों से तय होता है, जिनका असर विदेशी मुद्रा की मांग और पूर्ति पर पड़ता है। वास्तव में, हाई ग्रोथ वास्तविक आर्थिक विस्तार को दर्शाती है, जबकि रुपये का मूल्य सापेक्ष कीमतों, पूंजी प्रवाह और वैश्विक वित्तीय परिस्थितियों को प्रतिबिंबित करता है।

आज़ादी के बाद से, भारतीय रुपये की अमेरिकी डॉलर के मुकाबले धीरे-धीरे कमज़ोर होने की प्रवृत्ति रही है। 2024 में 3.30 रुपये प्रति अमेरिकी डॉलर से गिरता हुआ 2025 के मध्य तक 83.4 रुपये और दिसंबर 2025 तक लगभग 90 रुपये प्रति अमेरिकी डॉलर हो गया। रुपये की कमज़ोरी की रफ़्तार दशकों में अलग-अलग रही है, जो घरेलू पॉलिसी और अंतरराष्ट्रीय आर्थिक हालात दोनों को दिखाती है। शुरुआती सालों (1947–1966) में, ब्रिटिश पाउंड से जुड़े स्थिर विनिमय डर के तहत रुपया लगभग 4.4% वार्षिक की दर से गिरा। 1966 और 1976 के बीच, 1966 के अवमूल्यन और कड़े नियमन के बाद अवमूल्यन सालाना 1.8% तक धीमा हो गया।

1976-1986 के बीच तेल के झटकों और आर्थिक दबाव की वजह से हर साल 3.5% की थोड़ी ज़्यादा गिरावट देखी गई, जबकि 1986-1996 में सबसे ज़्यादा 10.9% सालाना गिरावट देखी गई, जो भुगतान शेष संकट और बाज़ार निर्धारित विनिमय दर की वजह से हुई। उदारीकरण के बाद, 1996 के बाद से, रुपये की गिरावट में कमी आई। 1996-2004 के दौरान हर साल 3.0%, 2004-2014 में हर साल 2.9%, और 2014-2024 तक हर साल 3.3%। कुल मिलाकर, जबकि गिरावट संरचनात्मक है, 1990 के दशक के बाद नीति सुधारों और आर्थिक स्थिरता ने इस प्रवृत्ति को स्थायित्व प्रदान किया। हालांकि, पिछले एक साल में रुपये में 4.7 प्रतिशत की ज़्यादा तेज़ी से गिरावट आई है, यह एक अल्पकालिक घटना लगती है। यह एक आम धारणा है कि एक मजबूत अर्थव्यवस्था का मतलब है कि उस मुद्रा की ताकत भी मजबूत होगी। वर्तमान समय में यह धारणा ग़लत साबित हो रही है। हम देखते हैं कि पिछले लगभग एक दशक में भारत की अर्थव्यवस्था अन्य बड़ी अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में तेज़ गति से बढ़ रही है और पिछले लगभग पांच वर्षों से इसे दुनिया की सबसे तेज़ी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था होने का गौरव प्राप्त है। भारतीय अर्थव्यवस्था का आकार (जीडीपी) 2014 में 2.07 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर से बढ़कर 2025 में 4.18 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया है। इस दौरान प्रति व्यक्ति आय भी 1554 अमेरिकी डॉलर से बढ़कर 2878 अमेरिकी डॉलर हो गई है। अगर हम वर्तमान मूल्यों पर जीडीपी देखें, तो यह 2014-15 में 106.6 लाख करोड़ रुपये से तीन गुना से भी अधिक बढ़कर 2024-25 में 331.03 लाख करोड़ रुपये हो गई है। दिलचस्प बात यह है कि पिछले दो सालों में, रुपये-डॉलर विनिमय दर में उतार-चढ़ाव एक जैसा नहीं रहा है। पिछली तिमाही में, भारत की जीडीपी ग्रोथ 8.2 प्रतिशत तक पहुंच गई है, जिसे संघर्षों और युद्धों के कारण भूराजनीतिक तनाव और अमरीका के राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा शुरू किए गए अभूतपूर्व टैरिफ युद्ध के कारण अस्त-व्यस्त वैश्विक अर्थव्यवस्था के बीच काफी अच्छा माना जाता है। तेज आर्थिक ग्रोथ से आम तौर पर किसी देश की करेंसी मज़बूत होनी चाहिए, लेकिन भारत अक्सर एक विरोधाभास का अनुभव करता है, जहां जीडीपी ग्रोथ ज़्यादा होने पर भी उसकी करेंसी काफ़ी कम हो जाती है। इस विरोधाभास को समझने की ज़रूरत है, क्योंकि विनिमय दर में उतार-चढ़ाव जीडीपी ग्रोथ से तय नहीं होता है, बल्कि कई तत्वों से तय होता है, जिनका असर

विदेशी मुद्रा की मांग और पूर्ति पर पड़ता है। पहला, विनिमय दर सिर्फ़ जीडीपी ग्रोथ के बजाय पूंजीगत प्रवाह से ज़्यादा चलती है। मज़बूत ग्रोथ के बावजूद, अगर विदेशी निवेशक वैश्विक अनिश्चितता, अपने देश/देशों में बढ़ती ब्याज़ दरों, या रिस्क से बचने की वजह से पूंजी निकालते हैं, तो रुपया कमज़ोर हो जाता है। भारत में ठीक यही हुआ है; 2025 में ही, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफपीआई) ने 15 दिसंबर, 2025 तक भारतीय स्टॉक मार्केट से 18.4 बिलियन अमरीकी डॉलर निकाले, भारतीय अर्थव्यवस्था में किसी कमज़ोरी की वजह से नहीं, बल्कि अपने ही कारणों से। फिर से, हम देखते हैं कि एफपीआई की भारी निकासी के बावजूद, भारतीय स्टॉक मार्केट अपने ग्रोथ के रास्ते पर चलते रहे हैं। निकासी के लगातार दबाव का विदेशी मुद्रा की पूर्ति पर बुरा असर पड़ा है और इसके कुल असर ने रुपये की गिरावट में अहम भूमिका निभाई है। दूसरा, मज़बूत होने के बजाय, ज़्यादा जीडीपी ग्रोथ, रुपये की गिरावट का कारण भी बन सकती है। भारत में ज़्यादा ग्रोथ अक्सर आयात को बढ़ाती है, खासकर कच्चे तेल, इलेक्ट्रॉनिक्स और पूंजीगत सामान के लिए। बढ़ते आयात से डॉलर की मांग बढ़ती है और रुपये पर दबाव पड़ता है। हम देखते हैं कि इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोबाइल, मशीनरी और कई दूसरे क्षेत्रों की मैन्युफैक्चरिंग के लिए कलपुर्जों और कच्चे माल का आयात ज़रूरी हो जाता है, जिससे विदेशी मुद्रा की माँग बढ़ती है। इसके अलावा, बढ़ी हुई मैन्युफैक्चरिंग निर्यात से ज़्यादा देश में ही उपभोग हो जाती है। गौरतलब है कि भारत के वस्तु व्यापार में घाटा 2023-24 में 240 बिलियन अमेरिकी डॉलर से बढ़कर 2024-25 में 282.2 बिलियन अमरीकी डॉलर हो गया। इससे भी बड़ी बात यह है कि इस घाटे में से 85.1 बिलियन अमेरिकी डॉलर और 99.2 बिलियन यूएस डॉलर सिर्फ़ चीन से थे। यह प्रवृत्ति 2025-26 में भी जारी रहेगी, जहाँ अप्रैल से सितंबर 2025 के पहले छह महीनों में, वस्तु व्यापार में घाटा 59.5 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुँच गया है। तीसरा, डॉलर के दबदबे और दुनिया भर में मॉनेटरी सख्ती से भी रुपया कमजोर हो रहा है, जो भारतीय अर्थव्यवस्था के दायरे से बाहर है। अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा सख्ती के समय, ज़्यादातर करेंसी के मुकाबले डॉलर मजबूत होता है। ऐसे समय में, रुपये में गिरावट दुनिया भर में डॉलर की मजबूती को दिखाती है, घरेलू कमजोरी को नहीं। चौथी बात, महंगाई से करेंसी की वैल्यू में गिरावट आती है। भारत के मामले में, अतीत में अधिक महंगाई रुपये के कमज़ोर होने का एक बड़ा कारण रही है। कम महंगाई न केवल हमारे निर्यात की प्रतिस्पर्धात्मकता को बेहतर बनाती है, बल्कि आयात पर भी दबाव कम करती है। इस तरह यह व्यापार शेष और भुगतान शेष को नियंत्रण में रखने तथा घरेलू करेंसी को स्थिर बनाए रखने में मदद कर सकती है।

पांचवीं बात, भारत की अधिकांश ग्रोथ निर्यात के बजाय घरेलू खपत और सार्वजनिक निवेश से संचालित होती है। जब ग्रोथ घरेलू मांग से आती है, तो निर्यात प्रतिस्पर्धात्मकता में समान अनुपात में वृद्धि हुए बिना यह अपने आप करेंसी की मजबूती में नहीं बदलती। छठी बात, कई बार सरकार स्वयं निर्यात की प्रतिस्पर्धात्मकता बनाए रखने के लिए रुपये की कीमत कम होने देती है या उसे प्रोत्साहित करती है। इसलिए, कभी-कभी रुपये की गिरावट एक नीति होती है, न कि किसी आर्थिक विफलता का संकेत। वास्तव में, हाई ग्रोथ वास्तविक आर्थिक विस्तार को दर्शाती है, जबकि रुपये का मूल्य सापेक्ष कीमतों, पूंजी प्रवाह और वैश्विक वित्तीय परिस्थितियों को प्रतिबिंबित करता है। दोनों का एक साथ होना कोई विरोधाभास नहीं है, बल्कि संरचनात्मक रूप से आयात-निर्भर अर्थव्यवस्था की एक विशेषता है।

लोक संस्कृति

बाल मुकुन्द ओझा

लोक संस्कृति और समृद्धि का पर्व है लोहड़ी

देश की बहुरंगी लोकसंस्कृति का महत्वपूर्ण त्योहार लोहड़ी मकर संक्रान्ति के एक दिन पहले मनाया जाता है। इस साल लोहड़ी पर्व 13 जनवरी को मनाया जाएगा। लोहड़ी का पर्व फसल से जुड़ा है। यह पर्व नई फसल की बुआई और पुरानी फसल की कटाई से संबंधित है। विशेष रूप से पंजाब और हरियाणा सहित उत्तर भारत में यह त्योहार परंपरागत हंसी-खुशी, उमंग-उत्साह के साथ मनाया जाता है। प्रवासी भारतवासी विदेशों में भी अपने रंगीले त्योहार की खुशियां गीत, संगीत और नृत्य के साथ बांटते है। लोहड़ी का त्योहार हर साल 13 जनवरी को मनाया जाता है। ज्योतिष विज्ञान के अनुसार, यह त्योहार सूर्य की उत्तरी गोलार्ध की यात्रा का प्रतीक है। मुख्यतः पंजाब और हरियाणा सहित उत्तर भारत के इस लोकप्रिय फसल उत्सव में अच्छी फसल के लिए आभार व्यक्त करने और ईश्वर से सुख समृद्धि के लिए प्रार्थना करने के लिए पवित्र अलाव जलाया जाता है। लोहड़ी मनाने के पीछे भी एक कहानी है जिसके नायक दुल्ला भट्टी हैं। बताया जाता है कि सांदल बार इलाके के जागीरदार ने एक ब्राह्मण की दो बेटियों को उठा लिया था। यह इलाका अब पाकिस्तान के मुल्तान शहर के पास है। दुल्ला मुगलों के खिलाफ तब गुरिल्ला लड़ाई कर रहे थे। कहानी के मुताबिक दुल्ला भट्टी ने दोनों लड़कियों को छुड़ाया और खुद गरीब ब्राह्मण की जगह उनका बाप बना। लड़कियों के सिर के सालू (पल्लू) को बेटियों की इज्जत माना जाता था, जिसे उसने रखवाया। तब किसी गरीब के हक में और

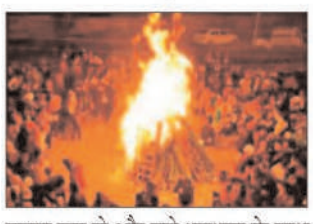

वह भी लड़कियों के हक में खड़े होना बड़ी बात थी। हर त्योहार की तरह यह भी दोस्तों, परिवार और रिश्तेदारों के साथ मिलकर मनाया जाता है। उपले और लकड़ी की मदद से बोनफायर जलाया जाता है। पंजाब में लोहड़ी का त्योहार प्रमुख रूप से और बड़े धूमधाम के साथ मनाया जाता है। ऐसी मान्यता है कि इस दिन से दिन छोटा और रात काफी बड़ी होती है। फसल कटाई के मौके पर मनाए जाने वाले इस त्योहार को बोनफायर जलाकर सेलिब्रेट किया जाता है। वहीं लोग इसके चारों तरफ घूमकर नाचते हैं और आग में प्रसाद डालते हैं। पंजाब के अलावा हरियाणा, दिल्ली, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश आदि राज्यों में इसकी धूम होती है। पारिवारिक समूह के साथ लोहड़ी पूजन करने के बाद उसमें तिल, गुड़, रेवड़ी एवं मूंगफली का भोग लगाया जाता है। ढोल की थाप के साथ गिद्दा और भाँगड़ा नृत्य इस अवसर पर विशेष आकर्षण का केंद्र होते हैं। पंजाबी समाज में इस पर्व की तैयारी कई दिनों पहले ही शुरू हो जाती है। इसका संबंध मन्नत से जोड़ा गया है अर्थात जिस घर में नई बहू आई होती है या घर में संतान का जन्म हुआ होता है तो उस परिवार की ओर से खुशी बाँटते हुए लोहड़ी मनाई जाती है। सगे-संबंधी और रिश्तेदार उन्हें आज के दिन विशेष सौगात के साथ बधाइयाँ भी देते हैं। लोहड़ी से 10-12 दिन पहले ही बच्चे 'लोहड़ी' के लोकगीत गाकर दाने, लकड़ी और उपले इकट्ठे करते हैं। इस सामग्री से चौराहे या मुहल्ले के किसी खुले स्थान पर आग जलाई जाती है। रेवड़ी और मूंगफली अग्नि की भेंट किए जाते हैं तथा ये ही चीजें प्रसाद के रूप में सभी लोगों को बाँटी जाती हैं। घर लौटते समय 'लोहड़ी में से दो चार कोयले प्रसाद के रूप में, घर पर लाने की प्रथा भी है। लोग अग्नि के चारों ओर चक्कर काटते हुए, नाचते-गाते हैं व आग मे रेवड़ी, मूंगफली, खील, मक्की के दानों की आहुति देते हैं। आग के चारों ओर बैठकर लोग आग सेंकते हैं व रेवड़ी, खील, गज्जक, मक्का खाने का आनंद लेते हैं। जिस घर में नई शादी हुई हो या बच्चा हुआ हो उन्हें विशेष तौर पर बधाई दी जाती है। पहले बेटा होने पर त्योहार मनाया जाता था, मगर अब कन्या होने पर दूने जोश और उत्साह से कन्या लोहिड़ी का पर्व मनाया जाता है।

दर्शन

श्रीकृष्ण का क्रिया योग

संकलित

योगदा सत्संग सोसाइटी के संस्थापक और 'योगी कथामृत' के लेखक श्री श्री परमहंस योगानंद की श्रीमद्भगवद्गीता पर व्याख्या 'ईश्वर-अर्जुन संवाद' के अनुसार, कृष्ण शब्द की अनेक व्युत्पत्ति में हैं। इनमें 'श्याम' सर्वाधिक प्रचलित है, जो उनके रंग-रूप की ओर संकेत करता है। उन्हें चित्रों में प्रायः गाढ़े नीले रंग का दिखाया जाता है, जो देवत्व का प्रतीक है। नीला रंग दिव्य नेत्र में (भ्रूमध्य के बीच) दिखने वाले नीले प्रकाश का भी प्रतीक है, जो योग में चेतना की कूटस्थ चैतन्य अवस्था को दर्शाता है। मतलब कृष्ण का रंग आध्यात्मिकता का भी प्रतीक है और एक गूढ़ अर्थ की ओर संकेत करता है। योगानंद जी के अनुसार, इंद्रिय जनित लिप्स ग्रस्त संसार दिव्य प्रेम की शुद्धता को नहीं समझ पाता। शाब्दिक अर्थों से परे गोपियों संग कृष्ण लीलाओं का प्रतीकात्मक अर्थ, ब्रह्म और सृष्टि के उस रास से है, जो ईश्वरीय लीला को संसार में व्यक्त करता है। कृष्ण की वंशी की मधुर तान भक्तों को ध्यान जनित समाधि के मंडप में आने को पुकारती हैं, ताकि वह आनंददायक ईश्वरीय प्रेम का पान कर सकें। कृष्ण के जीवन का दर्शन हमें भौतिक जीवन के दायित्वों के निर्वहन और उन्हीं के बीच ईश्वर का सानिध्य पाने के प्रयासों के मध्य सामंजस्य साधना सिखाता है। कृष्ण सिखाते हैं कि परिवेश कुछ भी हो, ईश्वर को वहीं ले आओ, जहां उसने तुम्हें रखा है। कृष्ण ने अपने राजसी दायित्व निभाने हेतु दुष्ट शासकों के विरुद्ध कई अभियान किए, जिनमें कौरव-पांडवों के बीच हुए महाभारत युद्ध में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

प्रेरणा

बहुत सारे काम के बदले एक काम को बेहतर करें

संकलित

पुराने समय में भारद्वाज मुनि थे। वे देवगुरु बृहस्पति के पुत्र थे। भारद्वाज बहुत सारा ज्ञान हासिल करना चाहते थे। उनकी सोच ये थी कि उन्हें संसार की सारी बातों का ज्ञान हो जाए। इसके लिए वे लगातार अध्ययन करते रहते थे। एक दिन बृहस्पति ने अपने पुत्र भारद्वाज से कहा कि पूरे संसार का ज्ञान वेदों में है। अगर तुम वेद पढ़ लोगे तो समझ लो कि तुमने पूरा ज्ञान हासिल कर लिया है। पिता की बात मानकर भारद्वाज वेद पढ़ने लगे। भारद्वाज मुनि की संकल्प शक्ति और पढ़ाई की एकाग्रता देखकर देवराज इंद्र प्रसन्न हो गए और वे भारद्वाज के सामने प्रकट हुए। इंद्र ने कहा कि मैं तुम्हारी लगन देखकर बहुत प्रसन्न हूं। तुम मुझसे कोई भी वर मांग सकते हो। भारद्वाज ने इंद्र से कहा कि संसार में ज्ञान बहुत सारा है, लेकिन मेरी उम्र बहुत कम है। कृपया करके मेरी उम्र सौ साल बढ़ा दीजिए। इंद्र ने भारद्वाज की उम्र सौ वर्ष और बढ़ा दी। भारद्वाज मुनि को ज्ञान हासिल करते-करते सौ वर्ष भी बीत गए। इसके बाद देवराज इंद्र ने उनकी उम्र सौ साल और बढ़ा दी। अगले सौ साल और बीत गए, लेकिन भारद्वाज को पूरा ज्ञान नहीं मिल सका। जब अगले 100 भी बीत गए गए, तब इंद्र भारद्वाज के सामने प्रकट हुए और बोले कि भारद्वाज सामने तीन पहाड़ हैं। क्या हम इन पहाड़ों से एक मुट्ठी मिट्टी लेकर इन पहाड़ों की व्याख्या कर सकते हैं? ये संभव नहीं है। ठीक इसी तरह संसार का ज्ञान है। संसार का ज्ञान अथाह है। किसी एक व्यक्ति के लिए पूरा ज्ञान हासिल करना संभव नहीं है।

अंतर्मन

आज की पाती

बच्चों को सोशल मीडिया से दूर रखें

सोशल मीडिया के लगातार उपयोग ने बच्चों में चिंता, अवसाद, नींद की कमी, साइबर बुलिंग, पढ़ाई में गिरावट, आत्मविश्वास में कमी, हिंसक या भ्रामक सामग्री का संपर्क जैसी समस्याएं तेजी से बढ़ाई हैं। राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग सहित कई संस्थाओं ने बार-बार चेतावनी दी है कि सोशल मीडिया कंपनियां नाबालिगों को प्लेटफॉर्म से दूर रखने में विफल रही हैं। इस बढ़ती चिंता के बीच दुनिया के दूसरे कोने से एक बेहद साहसिक और ऐतिहासिक निर्णय सामने आया, ऑस्ट्रेलिया ने 16 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर सख्त प्रतिबंध लागू कर दिया। फेसबुक, इंस्टाग्राम, यूट्यूब, स्नैपचैट, टिकटॉक जैसे सभी प्लेटफॉर्म अब 16 वर्ष से कम आयु के बच्चों को अकाउंट बनाने की अनुमति नहीं देंगे। भारत में भी ऐसा ही होना चाहिए। - *मोहन जोशी, राजनांदगांव*

ट्रेंड

समाज के प्रति जिम्मेदारी

जेएनयू की डिग्री केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि समाज के प्रति जिम्मेदारी है। मेरा विश्वास है कि यहां की समावेशिता, सामाजिक न्याय और जिम्मेदारी की परंपरा आगे बढ़ाते हुए छात्र विकसित भारत के लक्ष्य की सिद्धि में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएँगे।
- **धर्मेंद्र प्रधान, केंद्रीय शिक्षा मंत्री**

सड़क सुरक्षा माह

31 जनवरी तक हम प्रदेश भर में 'सड़क सुरक्षा माह' आयोजित कर रहे हैं। यह हमारे परिवारों और भविष्य की रक्षा का संकल्प है। प्रदेश की सड़कें सभी के लिए सुगम-सुरक्षित हों, इसके लिए पुलिस तो नियमों को कड़ाई से लागू करेगी ही, परंतु सभी का सहयोग भी अपेक्षित है।
- **योगी आदित्यनाथ, सीएम, उप्र**

सबसे सुव्यवस्थित राज्य

अगर किसी को ऋणों पर आत्मनिरीक्षण करना चाहिए तो वह कांग्रेस पार्टी है, जिसकी कर्नाटक सरकार ने ऋण लेने में नया रिकॉर्ड बनाया है। असम भारत का सबसे सुव्यवस्थित और सबसे तेजी से विकासशील राज्य है और इस तथ्य की पुष्टि आरबीआई ने भी की है।
- **हिमंता बिस्वा सरमा, सीएम, असम**

कानून का डर जरूरी

मेरठ के सरधना क्षेत्र में ही कश्यप समाज के युवक को जलाकर मार देने की अति क्रूर व शर्मनाक घटना की जितनी भर्त्सना की जाए, वह कम है। ऐसे आपराधिक तत्वों को कानून का डर होना जरूरी।
- **मायावती, पूर्व सीएम, उप्र**

करंट अफेयर

भारतवंशी कुलकर्णी आरएएस के स्वर्ण पदक से सम्मानित

भारतवंशी खगोलशास्त्री प्रोफेसर श्रीनिवास कुलकर्णी को खगोलशास्त्र में उनकी महत्वपूर्ण खोजों के लिए लंदन स्थित 'रॉयल एस्ट्रोनॉमिकल सोसाइटी' (आरएएस) द्वारा प्रतिष्ठित स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया। महाराष्ट्र में जन्मे कुलकर्णी कैलिफ़ोर्निया इंस्टिट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी (कैलटेक) में खगोलशास्त्र और ग्रह विज्ञान के प्रोफेसर हैं, जहां उन्होंने 'ब्राउन ड्वार्फ़' और दूरस्थ गामा किरणों के विस्फोट सहित खगोलीय पिंडों की एक विस्तृत श्रृंखला की खोज की है। पिछले सप्ताह उन्हें मिले आरएएस स्वर्ण पदक प्रशस्ति पत्र में 'खगोल भौतिकी में उनके निरंतर, नवोन्मेषी और अभूतपूर्व योगदान' को मान्यता दी गई है।

ऑफ बीट

बच्चों में पढ़ने की रुचि बढ़ाने साझा पठन-पाठन जरूरी

ब्रिटेन में बच्चों और युवाओं के बीच किताबें पढ़ने की रुचि लगातार घट रही है। एक सर्वेक्षण में यह सामने आया है कि आनंद के लिए किताबें पढ़ने वाले बच्चों का अनुपात पिछले दो दशकों में सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया है। इस स्थिति को देखते हुए ब्रिटेन सरकार, नेशनल लिटरेसी ट्रस्ट और अन्य संगठनों ने वर्ष 2026 को 'राष्ट्रीय पठन वर्ष' घोषित किया है, ताकि लोगों को पढ़ने के लिए फिर से प्रेरित किया जा सके। अभियान का उद्देश्य बच्चों और परिवारों को उनकी मौजूदा रुचियों के अनुरूप पढ़ने से जोड़ना है।

संक्षेप

यातायात माह में नुक्कड़ नाटक से जागरूकता

गौरीगंज में सड़क सुरक्षा के प्रति किया गया जागरूक, हादसों में आएगी कमी

अमेठी जिला , जनपद मुख्यालय गौरीगंज में सड़क सुरक्षा माह के 13वें दिन एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान एआरटीओ अमेठी और पीटीओ अमेठी के संयुक्त तत्वावधान में नुक्कड़ नाटक के माध्यम से आमजन को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया नुक्कड़ नाटक के जरिए लोगों को यातायात नियमों के पालन के महत्व को समझाया गया। इसमें वाहन चलाते समय हेलमेट और सीट बेल्ट का अनिवार्य प्रयोग, निर्धारित गति सीमा का पालन, तथा मोबाइल फोन का उपयोग न करने जैसी सावधानियों पर जोर दिया गया। अधिकारियों ने बताया कि यदि वाहन चालक इन महत्वपूर्ण सावधानियों का पालन करें, तो सड़क दुर्घटनाओं में काफी हद तक कमी लाई जा सकती है। यह कार्यक्रम सड़क हादसों को रोकने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था। इस जागरूकता कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित रहे। उन्होंने सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक रहने का संकल्प लिया। इस अवसर पर एआरटीओ महेंद्र बाबू पांडेय सहित आरटीओ विभाग के अन्य अधिकारी और कर्मचारी भी मौजूद थे।

कोहरे से राहत

शीतलहर जारी, न्यूनतम तापमान 12 डिग्री सेल्सियस

अमेठी , घने कोहरे से राहत मिली है, हालांकि शीतलहर का प्रभाव अभी भी बना हुआ है। जिले में मौसम पूरी तरह साफ है और रोजाना तेज धूप निकल रही है। सुबह का तापमान 12 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है, जिसके दोपहर तक 21 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की संभावना है। कोहरे से निजात मिलने के कारण सड़क हादसों का खतरा काफी कम हो गया है। सड़कों पर वाहन अब तेज गति से चल पा रहे हैं, जिससे यातायात सुचारु हो गया है। पिछले कुछ दिनों से अमेठी में कड़ाके की ठंड पड़ रही थी, जब पारा 7 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया था। उस दौरान घने कोहरे के कारण जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ था और वाहनों की रफ्तार भी धीमी पड़ गई थी।

गैंगस्टर पर पुलिस ने की बड़ी कार्रवाई

इन्हौना में मादक पदार्थों से अर्जित की गई संपत्ति हुई जब्त

अमेठी , पुलिस ने गैंगस्टर मोहम्मद वकील की 55 लाख रुपये की संपत्ति जब्त की है। यह कार्रवाई इन्हौना थाना क्षेत्र में 13 जनवरी 2026 को की गई। जब्त की गई संपत्ति में तीन प्लॉट शामिल हैं, जिन्हें मोहम्मद वकील ने चोरी और मादक पदार्थों की तस्करी से अर्जित किया था। पुलिस अधीक्षक अमेठी श्रीमती अपर्णा रजत कौशिक के निर्देश पर, अपर पुलिस अधीक्षक श्री ज्ञानेन्द्र कुमार सिंह के पर्यवेक्षण और क्षेत्राधिकारी तिलोई श्री दिनेश कुमार मिश्रा के नेतृत्व में यह कार्रवाई हुई। मोहम्मद वकील पुत्र शरीफ, निवासी वार्ड कुरैशी, मकान नंबर 123, थाना हैदरगढ़, जनपद बाराबंकी के खिलाफ मु0अ0सं0 32/25 धारा 23(1) यूपी गैंगस्टर एक्ट के तहत मामला दर्ज है।

यह संपत्ति उसने अपने परिजनों के नाम पर बनाई थी। मोहम्मद वकील एक शातिर अपराधी है

नेपाल जाने वाले यात्रियों के लिए राहत, लिया गया नया नोटिफिकेशन वापस

अमन लेखनी समाचार

मोहम्मद कौसर

रुपईडीहा, बहराइच। नेपाल-भारत सीमा के जमुनहा बॉर्डर से दो दिन पूर्व नया नोटिफिकेशन जारी किया गया है, लेकिन न तो इसका कोई प्रचार-प्रसार किया गया और न ही सीमा क्षेत्र में किसी प्रकार की सार्वजनिक सूचना, होर्डिंग या पोस्टर लगाए गए हैं। सीमा पर तैनात कर्मियों द्वारा भी गाड़ी इंट्री के समय यात्रियों को नई व्यवस्था के बारे में कोई जानकारी नहीं दी जा रही है, जिससे भारतीय नागरिकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। पहले तक भारतीय वाहनों को भंसार कराने के बाद नेपालगंज स्थित यातायात व्यवस्था कार्यालय में शुल्क जमा कर रूट परमिट लेना होता था। यह जानकारी सीमा क्षेत्र के स्थानीय लोगों को तो रहती थी, लेकिन दूर-दूर से आने वाले भारतीय नागरिकों को इस नियम की जानकारी प्रायः नहीं होती थी। अब नए नोटिफिकेशन के अनुसार भंसार के साथ-साथ गाड़ी इंट्री के समय भी रूट परमिट अनिवार्य कर दिया गया है, जिसकी सूचना आम यात्रियों तक पहुंच ही नहीं पाई है। सबसे बड़ी समस्या यह है कि जमुनहा बॉर्डर पर रूट परमिट बनवाने की कोई व्यवस्था ही नहीं है। परमिट बनवाने के लिए यात्रियों को नेपालगंज के एकांत क्षेत्र में स्थित यातायात व्यवस्था कार्यालय तक जाना पड़ता है, जिसे पहली बार आने वाले भारतीय पर्यटक ढूंढ भी नहीं पाते। रास्ता न मिलने के कारण अधिकांश यात्री परमिट नहीं बनवा पाते और जैसे ही वे शहर में प्रवेश करते हैं, नेपालगंज ट्रैफिक पुलिस नियम उल्लंघन का आरोप लगाकर उन पर भारी जुमार्ना लगा देती है। भारतीय पर्यटकों का आरोप है कि पर्यटन बढ़ाने के नाम पर नेपालगंज में समय-समय पर बड़े कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, लेकिन भारतीय पर्यटकों के आने पर उन्हें सुविधाएं देने के बजाय नियमों की आड़ में परेशान किया जा रहा है। एक तरफ पर्यटन को बढ़ावा देने की बातें होती हैं, दूसरी तरफ बिना सूचना दिए नियम लागू कर पर्यटकों से चालान वसूला जा रहा है। पर्यटकों और भारतीय वाहन चालकों की मांग है कि बॉर्डर पर स्पष्ट होर्डिंग, पोस्टर और नोटिस लगाए जाएं, इंट्री पॉइंट पर ही रूट परमिट की व्यवस्था की जाए, पहली बार आने वाले यात्रियों को नियमों की पूरी जानकारी दी जाए और बिना सूचना दिए अचानक चालान करने की कार्रवाई रोकी जाए। लोगों का कहना है कि यदि प्रशासन ने इस मुद्दे पर शीघ्र ध्यान नहीं दिया तो इससे न केवल भारतझनेपाल संबंधों पर व्यावहारिक प्रभाव पड़ेगा, बल्कि नेपालगंज आने वाले पर्यटकों की संख्या पर भी नकारात्मक असर पड़ेगा।

आपसी समन्वय को मजबूत बनाता है सहभोजः ब्लॉक प्रमुख

मकर संक्रांति पर लें नशा न करने का संकल्प

अमन लेखनी समाचार

रुपईडीहा, बहराइच। जनपद बहराइच के विकासखंड नवाबगंज अंतर्गत ग्राम पंचायत कलवारी में मां राजेश्वरी देवी चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा एस पी सिंह के आवास पर आयोजित खिचड़ी सहभोज में बतौर मुख्य अतिथि ब्लॉकप्रमुख नवाबगंज जयप्रकाश सिंह ने कहा कि आपसी समन्वय को मजबूत बनाने के उद्देश्य से ही ऐसे आयोजन किए जाते हैं। हम सभी को ऐसे आयोजन में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेना चाहिए और आपसी संबंधों को महत्व देना चाहिए तभी समाज में बदलाव आएगा। इसी क्रम में प्रभारी निरीक्षक रूपईडीहा रमेश सिंह रावत ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने अंदर सदगुन का विकास करना होगा और नशा एवं व्यसन से दूर रहना होगा तभी शिक्षित और स्वच्छ समाज की स्थापना हो सकती है। चौकी प्रभारी बाबागंज ने सभी लोगों से पुलिस का सहयोग करने की बात कही। पीएसी के कमांडर सुभाष ने कहा कि ऐसे आयोजन में सभी को हिस्सेदारी निभानी चाहिए और लोगों को एक जागरूक नागरिक बनकर देश के प्रति अपनी जिम्मेदारी तय करनी होगी। अंत में ट्रस्ट के उपाध्यक्ष दुर्गेश वर्मा ने सभी को धन्यवाद दिया। कार्यक्रम में अशोक पाठक, अंबिका तिवारी, छेदा खां, जुलूस, दस्तगीर, राज तिवारी, केशव जी, विजय सिंह, विशेष, छब्बन, छोटकउ, अभिनव सिंह, विकास, संतोष सिंह, महेश सहित सैकड़ों संभ्रांत जन मौजूद रहे।

वरिष्ठ अधिवक्ता विनोद सिंह चौहान का इंतकाल, कानूनी बिरादरी में मातम

अमन लेखनी समाचार

कैसरगंज, बहराइच। कैसरगंज बार एसोसिएशन के तीन बार सदर रह चुके वरिष्ठ अधिवक्ता एडवोकेट विनोद सिंह चौहान का 72 साल की उम्र में लंबी बीमारी के बाद इंतकाल हो गया। उनके इंतकाल की खबर मिलते ही कैसरगंज समेत पूरे कानूनी और समाजी हल्कों में गम और मातम का माहौल छा गया। एडवोकेट चौहान अपनी सादगी, मजबूत कानूनी समझ और वकीलों के हकूक के लिए बुलंद आवाज के तौर पर पहचाने जाते थे। वे तीन बार बार एसोसिएशन कैसरगंज के सदर चुने गए, जो उनके कयादत और मकबूलियत का सुबूत है। उनके दौर-ए-सदारत में बार की वकार, इंतजाम और वकीलों की सहूलियतों के लिए कई अहम कदम उठाए गए। उनके इंतकाल पर वकीलों, समाजी तंजीमों और अजीम शख्सियतों ने गहरे रंज-ओ-गम का इजहार करते हुए उन्हें खिराज-ए-अकीदत पेश की। बार एसोसिएशन परिसर में ताज़ियत सभा का एहतमाम किया गया, दो मिनट का सन्नाटा इख्तियार किया गया और उनकी खिदमात को याद किया गया।

भारतीय किसान यूनियन नें जिलाधिकारी को सौंपा ज्ञापन

अमन लेखनी समाचार

बाबागंज, बहराइच। बहराइच जनपद के भारतीय किसान यूनियन (म0टि0) के पदाधिकारियों ने जिलाधिकारी बहराइच को संबोधित ज्ञापन जिला गन्ना अधिकारी को सौंपा। ज्ञापन में सिंभावली शुगर मिल चिलवरिया यूनिट द्वारा गन्ना किसानों के पैसों का भुगतान न करने तथा उनके आई आर पी द्वारा किसानों के पैसों से 95 लाख रुपए की फिक्स डिपॉजिट करवा लेने का आरोप लगाते हुए साक्ष्य प्रस्तुत किए। भाकियू पदाधिकारियों ने इस पर आक्रोश व्यक्त करते हुए बकाया भुगतान तत्काल करवाए जाने की मांग की। साथ ही चीनी मिल को सुचारू रूप से चलवाने का अनुरोध किया। ज्ञापन के दौरान यूनियन जिला अध्यक्ष दिनेश कुमार ने भुगतान न होने की स्थिति में सिंभावली शुगर मिल के आई आर पी के खिलाफ बैंक शाखाओं में किसानों के साथ अनिश्चित कालीन धरना प्रदर्शन की चेतावनी दी। इस अवसर पर जनपदीय पदाधिकारी एवम सम्मानित किसान उपस्थित रहे।

नगर पंचायत रुपईडीहा व्यापार प्रतिनिधि मंडल के चुनाव की सरगर्मी तेज

पोस्टर बैनर से पटा बाजार, प्रत्येक व्यापारी से मिल रहे प्रत्याशी

अमन लेखनी समाचार / मोहम्मद कौसर

रुपईडीहा बहराइच। आगामी 18 जनवरी को उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल रुपईडीहा इकाई का चुनाव सम्पन्न होगा। एक चुनाव समिति के निर्देशन में बाजार के 8 सौ 36 मतदाता गुप्त मतदान करेंगे। अध्यक्ष हेतु 1 शैलेश जयसवाल 2 - योगेंद्र शर्मा , महामंत्री हेतु 1 -शाहिद हाशमी, 2- संतोष कुमार अग्रवाल कोषाध्यक्ष हेतु 1 -गुलाम वारिस 2- सोनू कौशल ने नामांकन किया है। इसी प्रकार कार्यकारिणी के सदस्य 11 चुने जाएंगे। इस हेतु 22 व्यापारियों ने नामांकन किया है। बाजार के बीच स्थित सिंह मार्केट में गुप्त मतदान होगा। इस संबंध में जानकारी देते हुए मंडल के पूर्व महामंत्री संजय बंसल ने बताया कि उपजिलाधिकारी नानपारा मोनालिसा जौहरी सहित स्थानीय थाने को सूचित कर दिया गया है। बंसल ने यह भी बताया कि 18 जनवरी की सुबह 8 बजे से 3 बजे तक मतदान व मतगणना 4 बजे से उसी दिन की जाएगी। इस अवसर पर संघ के बहराइच के पदाधिकारी भी आ रहे हैं।

अयोध्या कमिश्नर-आईजी ने सुल्तानपुर का किया दौरा

कानून-व्यवस्था, विकास कार्यों और माघ मेला सुरक्षा की समीक्षा की

अमन लेखनी समाचार

सुलतानपुर , अयोध्या मंडल के कमिश्नर राजेश कुमार और आईजी प्रवीण कुमार ने सुल्तानपुर का दौरा किया। इस दौरान दोनों अधिकारियों ने जिले में कानून-व्यवस्था और विकास कार्यों की गहन समीक्षा की तथा आवश्यक निर्देश दिए। कमिश्नर राजेश कुमार ने बताया कि पुरानी योजनाओं को अब नए सिरे से और अधिक विस्तार के साथ लागू किया जा रहा है। उन्होंने विशेष रूप से 'दीनदयाल उपाध्याय' योजना का जिक्र करते हुए कृषि और बुनियादी ढांचे के विकास पर जोर दिया। कमिश्नर ने कहा कि नई योजनाओं में ऐसे प्रावधान किए गए हैं जिससे लोगों की जीविका में सुधार हो और आर्थिक गतिविधियों में कोई बाधा न आए। आईजी प्रवीण कुमार ने जानकारी दी कि वर्तमान में माघ मेला चल रहा है, जिसके मद्देनजर प्रयागराज से बड़ी संख्या में श्रद्धालु आते हैं। इसे ध्यान में रखते हुए सड़क सुरक्षा और भविष्य में आने वाली कानून-व्यवस्था की चुनौतियों को लेकर एक व्यापक समीक्षा की गई है। आईजी ने बताया कि उनका मुख्य फोकस त्वरित अभियोजन पर है। चाहे वे सिविल मामले हों या फौजदारी के, सभी में प्रभावी ढंग से कार्रवाई कैसे हो।

मिला 2500 करोड़ का निवेश प्रस्ताव

ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी में आए प्रपोजल, वेदांता फैक्ट, विक्टर पॉलीमर बेवरेज करेंगी इंवेस्ट

अमन लेखनी समाचार

अमेठी , उद्योगपतियों के लिए एक पसंदीदा स्थान बनता जा रहा है। बेहतर इन्फ्रास्ट्रक्चर और कनेक्टिविटी के कारण निवेशक यहां उद्योग स्थापित करने में रुचि दिखा रहे हैं। हाल ही में, ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी 5.0 के तहत जिले को 2500 करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। शासन द्वारा 5.0 के लिए अमेठी को 3500 करोड़ रुपए का लक्ष्य दिया गया था। प्राप्त प्रस्तावों में हेचरी सहित वेदांता फैक्ट, विक्टर पॉलीमर बेवरेज जैसी कई बड़ी कंपनियां शामिल हैं। अमेठी की भौगोलिक स्थिति इसे आकर्षक बनाती है; यह प्रदेश की राजधानी लखनऊ से लगभग 140 किलोमीटर और प्रयागराज से अयोध्या की दूरी 100 किलोमीटर है। जिले से पूर्वांचल एक्सप्रेसवे भी गुजरता है, जो इसकी कनेक्टिविटी को और मजबूत करता है। उपायुक्त जिला उद्योग, दिनेश चौरसिया ने बताया कि ऋइउ 5.0 के लिए जिले का माहौल अनुकूल है। उन्होंने पुष्टि की कि 3500 करोड़ के लक्ष्य के मुकाबले 2500 करोड़ के प्रस्ताव मिल चुके हैं, जो विभिन्न क्षेत्रों से संबंधित हैं। चौरसिया ने यह भी बताया कि शेष 1000 करोड़ रुपए के प्रस्ताव जल्द ही प्राप्त कर लिए जाएंगे। फरवरी में प्रधानमंत्री के हाथों लखनऊ में इन परियोजनाओं का शुभारंभ किया जाएगा, जिसके लिए जिला स्तर पर भी कार्यक्रम आयोजित होगा। जगदीशपुर जिले का एक प्रमुख औद्योगिक केंद्र रहा है, जहां पहले से ही कई बड़ी कंपनियां संचालित हैं। पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर यूपीडा के माध्यम से एक बिजनेस कॉरिडोर भी विकसित किया जा रहा है, जिससे नए निवेश प्रस्ताव आकर्षित होंगे।

होटल की आड़ में चल रहा अंतरराज्यीय सेक्स रैकेट पकड़ा

बन्नादेवी पुलिस ने देर रात छापा मारकर 2 होटल संचालक समेत 15 लोग गिरफ्तार किए, ब्लैकमेलिंग के सुराग भी मिले

अमन लेखनी समाचार

अलीगढ़, होटल की आड़ में चल रहे अंतरराज्यीय सेक्स रैकेट का पुलिस ने खुलासा किया है। थाना बन्नादेवी पुलिस टीम ने देर रात चौहान कॉम्प्लेक्स स्थित स्काइवे होटल और मैराकी होटल पर एक साथ छापा मारकर 15 लोगों को आपत्तिजनक हालत में गिरफ्तार किया। इनमें 7 युवतियां शामिल हैं, जो दिल्ली, अलीगढ़ और झारखंड की रहने वाली बताई जा रही हैं। पुलिस लाइन में मंगलवार को एसपी सिटी मृगांग शेखर पाठक ने पूरे घटनाक्रम का खुलासा किया। उन्होंने बताया कि बताया कि स्काइवे होटल का संचालन रविंद्र सिंह आनंद निवासी काशीराम आवास, गुरुरामदास नगर और मैराकी होटल का संचालन शुभम शर्मा निवासी हरिपर्ल होटल के पीछे सारसौल द्वारा किया जा रहा था। दोनों होटल संचालक इस देह व्यापार रैकेट के मुख्य सूत्रधार हैं।

आपत्तिजनक सामग्री, नकदी और डिजिटल सबूत बरामद

छापे के दौरान पुलिस ने 58,070 रुपए नकद, 17 मोबाइल फोन, दो आगंतुक रजिस्टर, पांच एटीएम कार्ड, एक क्यूआर कोड स्कैनर, एक स्वैप मशीन, 35 विजिटिंग कार्ड, तीन प्रेस आईडी कार्ड, आधार कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, एक कार (वरना) और एक मोटरसाइकिल समेत भारी मात्रा में आपत्तिजनक सामग्री बरामद की है। इसके साथ ही शराब और बीयर की कई कैन भी मौके से मिली हैं।

सीडी में आपत्तिजनक वीडियो, ब्लैकमेलिंग की आशंका

पुलिस को दोनों होटलों से कई सीडी भी मिली हैं, जिनमें आपत्तिजनक वीडियो फुटेज होने की बात सामने आई है। आशंका जताई जा रही है कि ग्राहकों के वीडियो चोरी-छिपे बनाए जाते थे और बाद में उन्हें ब्लैकमेल किया जाता था। इस एंगल पर पुलिस की विशेष टीमें जांच में जुटी हैं।

फर्जी आधार कार्ड से किशोरी को बनाया बालिग

पूछताछ के दौरान पुलिस को एक लड़की ने बताया कि उसकी उम्र 17 साल है, लेकिन रविंद्र ने दबाव डालकर फर्जी आधार कार्ड बनवाया।

फर्जी आधार कार्ड के आधार पर उसकी उम्र 19 साल दिखाकर देह व्यापार कराया गया।

राह चलते छिन जाता था मोबाइल

शाहजहांपुर में स्कूटी सवार राहगीरों को बनाते थे निशाना, 2 गिरफ्तार; 5 फोन बरामद

अमन लेखनी समाचार

शाहजहांपुर , मोबाइल छीनने की बढ़ती घटनाओं पर पुलिस ने कार्रवाई की है। रोजा थाना पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिनके पास से पांच छीने हुए मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। ये आरोपी स्कूटी पर सवार होकर राह चलते लोगों से मोबाइल छीनकर फरार हो जाते थे। पुलिस ने यह कार्रवाई 24 घंटे पहले हुई एक घटना के बाद की। रोजा थाना क्षेत्र के जमूही गांव निवासी सुरजीत सिंह बुधवार को मोबाइल पर बात करते हुए जा रहे थे, तभी स्कूटी सवार युवकों ने उनका फोन छीन लिया। पीड़ित की शिकायत पर एफआईआर दर्ज की गई और सीओ सदर ने गैंग का खुलासा करने के निर्देश दिए। मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर रोजा पुलिस ने अटसलिया अंडरपास के पास घेराबंदी की। जब स्कूटी सवार आरोपी वहां से गुजरे और पुलिस को देखकर भागने की कोशिश की, तो उनकी स्कूटी फिसल गई। पुलिस ने मौके पर ही अजमल (हयातपुरा) और फैजान (बाबूजई) नामक दोनों आरोपियों को दबोच लिया। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे छीने हुए मोबाइल बेचकर अपना खर्च चलाते थे और अपने शौक पूरे करते थे। वे उन लोगों को निशाना बनाते थे जो सड़क पर चलते हुए मोबाइल पर बात कर रहे होते थे।

अंतू पुलिस ने चोरी के फरार आरोपी को पकड़ा

किशुनगंज-तारनपुर मार्ग से गिरफ्तारी, चोरी के चावल-सरसों बरामद

अमन लेखनी समाचार

प्रतापगढ़ , अंतू थाना क्षेत्र की पुलिस ने चोरी के एक फरार आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पुलिस ने आरोपी चंद्रशेखर ओझा उर्फ डिप्टी को किशुनगंज-तारनपुर मार्ग के पास से पकड़ा है। उसके पास से चोरी किया गया चावल और सरसों भी बरामद की गई है। आरोपी पर चोरी समेत तीन मुकदमे दर्ज पुलिस के अनुसार चंद्रशेखर ओझा उर्फ डिप्टी पर चोरी, मारपीट और विस्फोटक अधिनियम के तहत कुल तीन मुकदमे दर्ज हैं। वह लंबे समय से पुलिस की गिरफ्त से बाहर चल रहा था। यह गिरफ्तारी दो दिन पहले अंतू थाना क्षेत्र के जोगीपुर गांव में हुई चोरी के मामले में की गई है। आरोपी ने अपने कुछ साथियों के साथ एक घर में घुसकर करीब 70 किलोग्राम सरसों और 60 किलोग्राम चावल चोरी कर लिया था। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने चंद्रशेखर ओझा और उसके अज्ञात साथियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया था। पूछताछ में नशे की लत का किया खुलासा पुलिस पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह नशे का आदी है और उसी के चलते उसने जोगीपुर गांव में घर में घुसकर चोरी की थी। उसने स्वीकार किया कि चोरी किया गया एक बोरी सरसों और एक बोरी चावल ले जाने के लिए उसने ई-रिक्शा का इस्तेमाल किया। आरोपी ने बताया कि चोरी का सरसों और चावल वह एक दुकान पर ले गया था, लेकिन दुकानदार ने अनाज खरीदने से इनकार कर दिया और उसके स्रोत के बारे में सवाल पूछने लगा। इससे घबराकर आरोपी अनाज वहीं छोड़कर भाग गया।

एडीजी प्रयागराज ने प्रतापगढ़ में सुरक्षा व्यवस्था जांची

माघ मेला और मकर संक्रांति की तैयारियों का लिया जायजा

अमन लेखनी समाचार

प्रयागराज , जोन के एडीजी ज्योति नारायण ने प्रतापगढ़ का दौरा किया और माघ मेला तथा मकर संक्रांति पर्व की तैयारियों के मद्देनजर सुरक्षा व्यवस्था का गहन निरीक्षण किया। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ की संभावना को देखते हुए पुलिस प्रशासन के साथ-साथ उच्चाधिकारी भी पूरी तरह अलर्ट मोड पर हैं। एडीजी ज्योति नारायण ने सबसे पहले भूपियामऊ चौराहे का दौरा किया। उन्होंने यहां पुलिस पिकेट, ट्रैफिक डायवर्जन और बैरिकेडिंग व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने मौके पर मौजूद अधिकारियों को निर्देश दिए कि यातायात व्यवस्था किसी भी हालत में बाधित न हो और श्रद्धालुओं को सुगम आवागमन की सुविधा मिले। इसके बाद एडीजी मदाफरपुर पहुंचे, जहां उन्होंने दुकानदारों से संवाद कर जमीनी हकीकत जानी। दुकानदारों से बातचीत के दौरान उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर फीडबैक लिया और भरोसा दिलाया कि माघ मेला और मकर संक्रांति पर्व के दौरान पुलिस पूरी मुस्तैदी के साथ तैनात रहेगी। निरीक्षण के अगले चरण में एडीजी ज्योति नारायण पुलिस लाइन पहुंचे। यहां पुलिस सभागार में उन्होंने जिले के आला अफसरों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि पर्व के दौरान चाक-चौबंद सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाए और किसी भी श्रद्धालु को कोई असुविधा न हो, इसके लिए हर स्तर पर निगरानी रखी जाए। एडीजी ने बताया कि प्रतापगढ़ में कुल 12 पार्किंग स्थल चिन्हित किए गए हैं, जिससे माघ मेला क्षेत्र में भीड़ नियंत्रण में मदद मिलेगी। इसके अलावा प्रमुख चौराहों पर अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की जा रही है। ट्रैफिक कंट्रोल, सुरक्षा निगरानी और भीड़ प्रबंधन के लिए विशेष टीमें गठित की गई हैं।

संक्षेप

65 असहायों को मिले कंबल

सांसद और डीएम ने किए वितरित

बागपत , शीतलहर के मद्देनजर निराश्रित और असहाय व्यक्तियों को राहत पहुंचाने के लिए प्रशासन लगातार प्रयास कर रहा है। इसी क्रम में, आज कलेक्ट्रेट सभागार में मुख्यमंत्री राहत एवं आपदा सहायता योजना के तहत कंबल वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया।इसमें सांसद डॉ. राजकुमार सागवान और जिलाधिकारी अस्मिता लाल ने 65 पात्र लाभार्थियों को कंबल वितरित किए। इस अवसर पर सांसद डॉ. राजकुमार सागवान ने बताया कि शीतलहर के दौरान जरूरतमंदों को तुरंत राहत देना सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री राहत एवं आपदा सहायता योजना के तहत असहाय, निराश्रित और गरीब लोगों को लगातार सहायता दी जा रही है, ताकि कोई भी व्यक्ति ठंड से परेशान न हो। सांसद ने बुजुर्गों के सम्मान और संरक्षण पर भी जोर दिया। जिलाधिकारी अस्मिता लाल ने बताया कि जनपद को शासन से अब तक कुल 5439 कंबल प्राप्त हुए हैं। इनमें से 2857 कंबल शीतलहर से प्रभावित असहाय और निराश्रित व्यक्तियों को वितरित किए जा चुके हैं। शेष कंबलों का वितरण भी चिन्हित पात्र लाभार्थियों को जल्द सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि कोई भी पात्र व्यक्ति सहायता से वंचित न रहे। जिलाधिकारी के नेतृत्व में, जनपद के प्रमुख चौराहों और तिराहों पर शीतलहर से बचाव के लिए अलाव भी जलाए जा रहे हैं। इसका उद्देश्य राहगीरों और खुले में रहने वाले लोगों को ठंड से राहत पहुंचाना है। प्रशासन ने अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है कि कोई भी व्यक्ति बाहर न सोए और सभी को सर्दी से बचाव की सुविधा मिले। सांसद ने यह भी दोहराया कि सरकारी जनकल्याणकारी योजनाओं से कोई भी पात्र व्यक्ति वंचित नहीं रहना चाहिए और प्रत्येक जरूरतमंद तक उनका लाभ पहुंचना चाहिए। इस कार्यक्रम में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व विनीत कुमार उपाध्याय, अपर जिलाधिकारी न्यायिक शिवनारायण, डिप्टी कलेक्टर ज्योति शर्मा सहित अन्य अधिकारी, कर्मचारी और लाभार्थी उपस्थित रहे।

राशन डीलर पर अवैध बिक्री का आरोप

ग्रामीण ने डीएम से की जांच और लाइसेंस रद्द करने की मांग

बागपत , बड़ौत तहसील क्षेत्र के महावतपुर गांव निवासी उत्तम वीर ने जिलाधिकारी कार्यालय में शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने गांव के सरकारी राशन डीलर अजय पाल पर लंबे समय से सरकारी राशन की अवैध बिक्री का गंभीर आरोप लगाया है। उत्तम वीर के अनुसार, राशन डीलर सरकारी राशन की चोरी कर उसे बाजार में बेच रहा है। इस कारण पात्र गरीब और जरूरतमंद कार्डधारकों को पूरा राशन नहीं मिल पा रहा है। शिकायतकर्ता ने बताया कि राशन वितरण के दौरान घटतौली की जाती है। कुछ कार्डधारकों के नाम पर राशन का उठान तो दिखाया जाता है, लेकिन उन्हें वास्तव में अनाज नहीं दिया जाता। उत्तम वीर का आरोप है कि डीलर सरकारी नियमों की खुलेआम अनदेखी कर मनमानी कर रहा है।

पेट्रोलियम पाइपलाइनों को छती पहुंचाने पर होगी कार्यवाही: राजीव कुमार सिंह

अमन लेखनी समाचार

मथुरा। पुलिस अधीक्षक नगर, मथुरा राजीव कुमार सिंह ने मथुरा इंडियनऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड, उत्तरी क्षेत्र पाइपलाइन्स, मथुरा क्षेत्राधिकार के अंतर्गत ग्राम सेरसा में ग्रामीणों के साथ पुलिस प्रशासन के साथ संवेदनशील आरओडब्ल्यू क्षेत्र में ग्राम जागरूकता कार्यक्रम शामिल हुए। कार्यक्रम को संबोधन में एसपी सिटी मथुरा राजीव सिंह ने ग्रामीणों से आरओडब्ल्यू क्षेत्र में निर्धारित डूज एवं डोंट्स का सख्ती से पालन करने का आग्रह किया तथा किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधियों में संलिप्त न होने की चेतावनी दी। उन्होंने स्पष्ट किया कि पेट्रोलियम पाइपलाइनों को क्षति पहुँचाने का प्रयास करने वालों के विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। यहां मथुरा इंडियनऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड, उत्तरी क्षेत्र पाइपलाइन्स, मथुरा के क्षेत्राधिकार अंतर्गत ग्राम सेरसा में राइट ऑफ वे (फडह) के सर्वाधिक संवेदनशील हिस्से में पुलिस प्रशासन के सहयोग से एक ग्राम जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।इस कार्यक्रम का उद्देश्य पेट्रोलियम पाइपलाइनों की सरकी जो कि एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय संपत्ति हैं, की सुरक्षा एवं संरक्षा हेतु स्थानीय ग्रामीणों में जागरूकता बढ़ाना तथा आपसी समन्वय को सुदृढ़ करना था। कार्यक्रम के अंतर्गत पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने हेतु ग्रामीणों को 150 पौधों का वितरण किया गया। इसके साथ ही, आरओडब्ल्यू क्षेत्र में सुरक्षा संबंधी जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से डूज एवं डोंट्स की जानकारी वाले विशेष रूप से डिजाइन किए गए कैलेंडर भी ग्रामीणों में वितरित किए गए।कार्यक्रम के दौरान ग्राम सेरसा के लोगों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया तथा पाइपलाइनों की सुरक्षा एवं संरक्षा सुनिश्चित करने हेतु पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन दिया। क्षेत्राधिकारी रिफाइनरी अनिल कुमार ने भी पाइपलाइनों की सुरक्षा एवं संरक्षा के महत्व पर बल देते हुए ग्रामीणों से पूर्ण सहयोग की अपील की। उपमहाप्रबंधक एवं स्टेशन इंचार्ज बी.पी. पोद्दार ने ग्रामीणों से ग्राम सेरसा को सदैव के लिए पिल्फरेज मुक्त पंचायत बनाने का आह्वान किया तथा राष्ट्रहित में पाइपलाइन की सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपील की। उन्होंने इंडियनऑयल की विदुषी सीएसआर योजना के बारे में भी जानकारी दी, जिसके अंतर्गत ग्राम के मेधावी बच्चों को प्रोत्साहन एवं सहायता प्रदान की जाती है। कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक नगर, मथुरा राजीव कुमार सिंह, क्षेत्राधिकारी रिफाइनरी अनिल कुमार, थाना प्रभारी फरह छोटे लाल, उपमहाप्रबंधक एवं स्टेशन इंचार्ज बी.पी. पोद्दार, वरिष्ठ प्रबंधक पुष्पराज पटेल तथा प्रबंधक विपिन यादव उपस्थित रहे।

सेना दिवस पर निकाली जन जागरूकता रैली

अमन लेखनी समाचार

मथुरा। सेना दिवस के अवसर पर किशोरी रमन स्नातकोत्तर महाविद्यालय, मथुरा में 11 उ.प्र. वाहिनी एनसीसी, मथुरा के कमान अधिकारी कर्नल अजय कुमार के निर्देशन में एनसीसी कैडेटों ने एक भव्य जन-जागरूकता रैली एवं नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. (डॉ.) प्रवीण कुमार अग्रवाल ने कहा कि सेना दिवस शौर्य व बलिदान का प्रतीक है साथ ही एनसीसी कैडेट्स से अनुशासन और राष्ट्रसेवा अपनाने का आह्वान किया। जन-जागरूकता रैली महाविद्यालय परिसर से प्रारंभ होकर भैंस बहोरा कैलाश नगर, पंजाबी पेच, डैम्पियर नगर होते हुए राजकीय संग्रहालय तक पहुँची। रैली के दौरान एनसीसी कैडेट्स ने देशभक्ति के नारों के माध्यम से आम जनमानस में राष्ट्रप्रेम की भावना जागृत की। डैम्पियर नगर चौराहे पर आयोजित नुक्कड़ नाटक के माध्यम से कैडेट्स ने भारतीय सेना की वीर गाथाओं, त्याग एवं बलिदान को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया, जिससे उपस्थित नागरिकों में सैनिकों के प्रति सम्मान एवं कर्तव्यबोध की भावना उत्पन्न हुई। पूरे कार्यक्रम का संचालन एनसीसी प्रभारी लेफ्टिनेंट कपिल कौशिक द्वारा किया गया। इस अवसर पर बीएचएम लखविंदर सिंह एवं हवलदार बी.एन. थापा ने भी कैडेट्स का उत्साहवर्धन किया। राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ अशोक कुमार कौशिक एवं डॉ नवीन अग्रवाल, महेश कुमार, प्रवेश कुमार, एसयूओ मनीष, एसयूओ मोहिनी चतुर्वेदी, सार्जेंट रामनिवास, सीएसएम शिवम चौधरी, सार्जेंट अनुराग चौधरी, कैडेट नीरज, कैडेट आकांक्षा गौतम, कैडेट डोली बघेल आदि का सहयोग रहा।

भागवत पीठ आश्रम में धूमधाम से मनाया गया मकर संक्रांति पर्व

अमन लेखनी समाचार

वृन्दावन।रुक्मिणी विहार रोड़ (निकट केशव धाम) स्थित भागवत पीठ आश्रम में सत्य सनातन सेवार्थ संस्थान चैरिटेबल ट्रस्ट,वृन्दावन के तत्वावधान में मकर संक्रांति का पावन पर्व अत्यन्त श्रद्धा एवं धूमधाम के साथ सम्पन्न मनाया गया। इस अवसर पर आचार्य/भागवत पीठाधीश्वर वैष्णवाचार्य मारुति नंदनाचार्य वागीश महाराज ने कहा कि मकर संक्रांति भारतीय वैदिक संस्कृति एवं सनातन धर्म का विशेष पर्व है। भगवान सूर्य देव जब मकर राशि में प्रवेश करते हैं, तो मकर संक्रांति का पर्व मनाया जाता है।साथ ही सूर्य की स्थित दक्षिणायण से निकलकर उत्तरायण हो जाती है।इस अवसर पर अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश उमेश सिरोही, पूर्व पालिकाध्यक्ष पण्डित मुकेश गौतम, प्रख्यात साहित्यकार ₹यूपी रत्न₹ डॉ. गोपाल चतुर्वेदी, प्रमुख भाजपा नेता पण्डित योगेश द्विवेदी, महोत्सव के मनोरथी श्रीमती ज्योति-दिनेश केसरवानी, श्रीमती हनीशा-दिव्यांश केसरवानी (सी.ए.), आचार्य नेत्रपाल शास्त्री, प्रख्यात भजन गायक पण्डित बनवारी महाराज, पूर्व पार्षद पण्डित विजय मिश्र, भागवताचार्य विपिन बापू महाराज, श्रीराम कथा मर्मज्ञ पण्डित अशोक व्यास, आचार्य सुरेशचन्द्र शास्त्री, डॉ. रामदत्त मिश्र, वरिष्ठ पत्रकार योगेश शर्मा, पण्डित राजेश कृष्ण शास्त्री, डॉ. राधाकांत शर्मा के अलावा विभिन्न क्षेत्रों के तमाम गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। महोत्सव में पधारे सभी आगंतुक अतिथियों का स्वागत युवराज श्रीधराचार्य महाराज द्वारा पटुका ओढ़ा कर किया गया।महोत्सव का समापन स्वरुचिपूर्ण भोज (दाल,बाटी, चूरमा) के साथ हुआ।

विश्व वैष्णव सेवा संघ एवं राष्ट्रीय ब्राह्मण सेवा संघ द्वारा मनाया गया मकर संक्रांति महोत्सव

अमन लेखनी समाचार

वृन्दावन। गोधुलीपुरम स्थित श्रीहरिदास धाम में राष्ट्रीय ब्राह्मण सेवा संघ एवं विश्व वैष्णव सेवा संघ के संयुक्त तत्वावधान में मकर संक्रांति के उपलक्ष में खिचड़ी महोत्सव का आयोजन किया गया। जिसके अंतर्गत वृहद स्तर पर खिचड़ी प्रसाद बनाकर संतो, भक्तों व ब्रजवासियों में वितरित की गई। इस अवसर पर आयोजित सन्त-विद्वत संगोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए पंडित चंद्रलाल शर्मा ने कहा कि खिचड़ी महोत्सव समरसता का प्रतीक है और सामाजिक सौहार्द बढ़ाने वाला है। राष्ट्रीय ब्राह्मण सेवा संघ हर वर्ष खिचड़ी महोत्सव का आयोजन करता रहा है। आचार्य आनंद बल्लभ गोस्वामी ने कहा कि इस बार विश्व वैष्णव सेवा संघ एवं राष्ट्रीय ब्राह्मण सेवा संघ संयुक्त रूप से खिचड़ी महोत्सव का आयोजन कर रहा है।इस बार जरूरतमंदों के लिए सैकड़ो कंबल, गद्दे, स्वेटर, टोपे एवं मोजे आदि की व्यवस्था की गई। इसके अतिरिक्त सबके लिए खिचड़ी तथा खीर की सेवा भी की गई। पण्डित आर. एन. द्विवेदी उर्फ राजू भैया एवं आचार्य ब्रह्मदेव द्विवेदी ने कहा के नर नारायण की सेवा करना साक्षात ईश्वर की सेवा है। इस बार संयुक्त रूप से किया गया प्रयास निश्चित रूप से मानवता की सेवा में सहायक रहेगा। इस अवसर पर महानगर अध्यक्ष गोविंद नारायण, मीडिया प्रभारी नीरज गौड़, अविनाश शर्मा, हरीश शर्मा एवं चिंतन गोस्वामी अल्का माहेश्वरी, अभिनव, गोपाल खंडेलवाल, बाबूलाल खंडेलवाल, सावित्री देवी करनानी, मालती खंडेलवाल, आशा, गीता, रेणु खंडेलवाल, दिनेश राजकरोसिया, मंजू निधि, अनीता लोहिया, जगदीश गुप्ता, सुनील चांडक, बाबूलाल खंडेलवाल, वामन वामने, दशरथ भीसीकर (नागपुर), संध्या खंडेलवाल, अशोक खंडेलवाल (खूंटेटा) आदि के अलावा विभिन्न क्षेत्रों के तमाम गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

पुलिस मुठभेड़ में साइबर अपराधी गिरफ्तार

अमन लेखनी समाचार

मथुरा। थाना गोवर्धन पुलिस और एसओजी की 25000 रुपये इनामिया शातिर सायबर अपराधी के साथ मुठभेड़ में गाठोली जमुनाबता बाईपास पर डींग से मथुरा की ओर जाने वाले रास्ते पर हुई जिसमें घायल अभियुक्त से 01 तमंचा, 02 जिंदा कारतूस, 02 खोखा कारतूस व एक स्प्लेंडर मोटरसाइकिल बरामद किया अभियुक्त मो0 साद उर्फ काला पुत्र साहुन निवासी देवसेरस थाना गोवर्धन देश के विभिन्न राज्यों में फर्जी नंबरों से लोगो को कॉल करता था साइबर फ्रॉड के जरिए वित्तीय नुकसान पहुंचाता था साइबर अपराधी जंगल में बैठकर फर्जी सिम से कॉल कर कभी किसी के परिचित बन, कभी फेक अधिकारी बन लोगो से पैसे फर्जी तरीके से खुलवाए गए विभिन्न खातों में डलवाता था इस दौरान थाना प्रभारी सहित थाना गोवर्धन पुलिस की पूरी टीम मौजूद रही।

नवविवाहिता ने पति पर लगाये गंभीर आरोप

नौहझील की युवती का भवनपुरा निवासी युवक से हुआ था विवाह

आरोपी पति और ससुरालियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

अमन लेखनी समाचार

मथुरा/नौहझील से गोवर्धन के भवनपुरा ब्याही एक नवविवाहिता ने अपने पुलिसकर्मी पति पर अप्राकृतिक कृत्य करने के गंभीर आरोप लगाए हैं। पीड़िता ने पति और ससुरालीजनों पर मानसिक व शारीरिक उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए एफआईआर दर्ज कराई है। मिली जानकारी के अनुसार नौहझील के गांव भरियाका की रहने वाली पीड़िता की शादी नवंबर 2024 में लखनऊ में तैनात पुलिसकर्मी राम नारायण सिंह निवासी भवनपुरा के साथ हुई थी। विवाह के तुंरत बाद ही पति का व्यवहार बदल गया। विवाहिता के अनुसार जब वह विदा होकर पहली बार अपनी ससुराल भवनपुरा आयी तो पति ने उससे कहा कि मैं किसी और लड़की के साथ बतौर पति-पत्नी रह रहा हूं। मुझसे पत्नी के रूप में कोई उम्मीद मत रखना, जब पांच दिन बाद वह अपने मायके गयी तो पूरी घटना अपनी मां को बतायी। इसके बाद उसके पिता कुछ लोगों को साथ लेकर उसके ससुराल गये और ससुरालीजनों को पूरी घटना से अवगत कराया। जिस पर ससुरालीजनों ने रामनारायण को समझाने की बात कही। इसके बाद परिजनों ने विवाहिता को उसकी ससुराल भेज दिया। 8-9 महीने तक वह ससुराल आती जाती रही लेकिन उसके पति ने विवाह के बाद उसे पत्नी के रूप में नहीं अपनाया। प्रार्थिया का आरोप है कि उसके पति ने उसके साथ पति-पत्नी के रूप में संबंध तो नहीं बनाये, बल्कि जबरन कई बार उसके साथ अप्राकृतिक कृत्य किया और उसे धमकाया। इसके बाद उसने ससुरालीजनों को पूरी घटना बतायी जिस पर उसके पति रामनारायण सिंह, ससुर वेदराम, सास माय देवी, ननद ज्वाला देवी, ननदोई उमाशंकर ने उसके साथ बुरी तरह मारपीट क्रते हुये उसे कमरे में बंद कर भूखा- प्यासा रखा और दहेज की मांग की। विवाहिता का आरोप है कि ननदोई ने बंद कमरे में उसे अकेला देखकर उसके साथ जबरदस्ती करने का प्रयास किया। किसी तरह घटना की सूचना विवाहिता के परिजनों को लगी तो वह गांव के लोगों को लेकर बेटी की ससुराल पहुंचे। यहां कमरे में बंद नवविवाहिता को बाहर निकालकर अपने घर ले आये। नवविवाहिता का आरोप है कि उसके पति के किसी दूसरी युवती से अवैध संबंध हैं, जिसकी वजह से वह उसे अपनाने को तैयार नहीं है। इस संबंध में पुलिस का कहना है कि महिला की शिकायत प्राप्त हुई है। पूरे मामले की जांच की जा रही है और तथ्यों के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

व्यापारी की हत्या की सुपारी लेने वाले दो शूटर गिरफ्तार

अमन लेखनी समाचार

गोवर्धन/मथुरा। गोवर्धन के चर्चित व्यापारी नेता गणेश पहलवान की हत्या के लिए 2 लाख रुपये की सुपारी लेने वाले शूटरों को थाना गोवर्धन पुलिस और स्वाट टीम ने संयुक्त कार्रवाई में पुलिस मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों के कब्जे से दो तमंचे, कारतूस और वारदात में प्रयुक्त मोटरसाइकिल बरामद की गई है। इस कार्यवाही से गोवर्धन क्षेत्र में हड़कंप मच गया है।

पुलिस के अनुसार मुठभेड़ 13 जनवरी की देर रात जतीपुरा से कच्चे ई-रिक्शा मार्ग की ओर गोवर्धन आते समय हुई । पकड़े गए अभियुक्तों की पहचान समसुद्दीन उर्फ भोला (22) और नीरज (20) निवासी अगरियाला थाना शेरगढ़, मथुरा के रूप में हुई है। दोनों आरोपी हत्या के प्रयास के मुकदमे में वांछित चल रहे थे। कड़ी पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि व्यापारी नेता गणेश पहलवान और एक स्थानीय दुकानदार के बीच चल रही रंजिश के चलते नारायण उर्फ आरव के माध्यम से हत्या की सुपारी दी गई थी। सौदे की रकम 2 लाख रुपये तय हुई थी जिसमें से अग्रिम 5-5 हजार रुपये शूटरों को दिए गए थे। बीती 4-5 जनवरी 2026 की रात आरोपियों ने गोवर्धन के दानघाटी क्षेत्र में गणेश पहलवान की पहचान कर मानसी गंगा रोड से घर की ओर जाते समय उन पर फायरिंग की। हालांकि शोर मचने पर व्यापारी नेता बाल-बाल बच गए और आरोपी मौके से फरार हो गए। सुपारी की रकम पूरी न मिलने और लगातार दबाव के चलते आरोपी 13 जनवरी को दोबारा हत्या की नीयत से पहुंचे तभी पुलिस ने उन्हें घेर लिया।पुलिस के अनुसार खुद को घिरा देख आरोपियों ने फायरिंग की जिसके जवाब में पुलिस ने भी कार्रवाई की और दोनों शूटरों को काबू कर लिया।पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मामले में अन्य साजिशकताओं की तलाश जारी है और सुपारी देकर हत्या कराने वालों के खिलाफ भी कड़ी कार्रवाई की जाएगी। गोवर्धन क्षेत्र में शांति व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा।

मकर संक्रांति पर्व में आयोजित हुआ खिचड़ी भोज

उत्तम उद्योग व्यापार मंडल के पदाधिकारियों ने निभाई सहभागिता

अमन लेखनी समाचार

फतेहपुर। मकर संक्रांति पर्व को लेकर संपूर्ण जनपद में जगह-जगह खिचड़ी भोज आयोजित किए गए जनपद के बिंदकी तहसील अंतर्गत खजुहा कस्बे में उत्तम उद्योग व्यापार मंडल के जिला अध्यक्ष मनोज साहू प्रदेश उपाध्यक्ष निमित द्विवेदी आदि पदाधिकारियों की उपस्थिति में खिचड़ी भोज आयोजित किया गया कार्यक्रम में मौजूद पदाधिकारी जिला कोषाध्यक्ष संदीपश्रीवास्तव महामंत्री जयकिशन उपाध्यक्ष सलामत अली आदि सभी पदाधिकारियों ने स्टॉल लगाकर कस्बे वासियों समेत हजारों क्षेत्र वासियों को खिचड़ी वितरित करते हुए पावन पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं दी संस्था के प्रदेश अध्यक्ष ने आम जनमानस को महापर्व की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि खिचड़ी का पर्व सामाजिक समरसता और सौहार्द का प्रतीक है यह पौराणिक कथाओं आपातकालीन भोजन तथा सांस्कृतिक प्रतीक के रूप में जाना जाता है मुगल काल से लेकर आधुनिक युग तक अमीर गरीब सभी स्तर के लोग इस दिन एक ही भोजन करके आपसी समर सता बढ़ाते हैं इस मौके पर अन्य पदाधिकारी अनिल महाजन सुमित आशीष राजा हर्षित समेत हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने महाप्रसाद ग्रहण किया

नोएडा में कारोबारी से 36 लाख का फ्रॉड

आईपीओ में निवेश का झांसा देकर रुपए जमा कराए, वापस मांगने पर दी धमकी

अमन लेखनी समाचार

नोएडा ,कारोबारी से 36 लाख की ठगी का मामला सामने आया है। उसे मुनाफे का झांसा देकर निवेश कराया गया। बाद में पैसे वापस मांगने पर धमकी दी गई।पीड़ित ने मामले की शिकायत साइबर क्राइम थाने की पुलिस से की है। पुलिस मामले की जांच कर केस दर्ज करने की बात कह रही है। कारोबारी ने पुलिस को दिए शिकायती पत्र में बताया- वह ग्रेटर नोएडा के कासना का रहने वाला है उसकी प्लास्टिक के पार्ट बनाने की फैक्ट्री है। ट्रेडिंग के नाम पर उनसे बीते साल नवंबर में संपर्क किया गया। सोशल मीडिया के माध्यम से ठग ने शिकायतकर्ता से संपर्क किया और बताया कि स्टॉक मार्केट और विभिन्न आईपीओ में निवेश कर प्रतिमाह लाखों रुपए मुनाफा घर बैठे कमाया जा सकता है। कई दिन तक बातचीत करने के बाद ठग ने शिकायतकर्ता से भी निवेश करने के लिए कहा। इसके लिए उन्हें एक वॉट्सऐप ग्रुप में जोड़ लिया गया। इसमें कई अन्य लोग पहले से ही जुड़े हुए थे। ग्रुप में निवेश संबंधी प्रशिक्षण एक व्यक्ति द्वारा रोजाना दिया जाता था। उसके बताए अनुसार ग्रुप के लोग निवेश कर मुनाफा कमा रहे थे। इसका स्क्रीनशॉट भी उन लोगों द्वारा ग्रुप पर साझा किया जा रहा था। हिचकिचाते हुए पीड़ित ने पहली बार में कम रकम निवेश की। इसपर उसे मुनाफा हुआ और मुनाफा समेत रकम निकालने की अनुमति भी दी गई। पीड़ित को लगा की वह सही जगह पर निवेश कर रहा है और कम समय में अमीर बन सकता है। ऐसे में उसने अपनी सारी जमा पूंजी निवेश कर दी। रकम जब कम पड़ी तो मुनाफे के चक्कर में पीड़ित ने अपना घर भी बेच दिया।

टैक्स जमा करने को कहा गया

नवंबर में पीड़ित ने करीब तीन लाख, दिसंबर में करीब साढ़े आठ लाख और जनवरी 2026 में 25 लाख रुपए निवेश किए। अचानक से पीड़ित को रकम की आवश्यकता पड़ गई। उन्होंने मुनाफे समेत रकम निकालनी चाही तो ठगों ने विभिन्न करों का हवाला देते हुए और रकम ट्रांसफर करने के लिए कहा। पीड़ित के मना करने पर ठगों ने निवेश की हुई रकम भी वापस न मिलने की धमकी दी। पीड़ित ने पुलिस को उन खातों की भी लिखित जानकारी दी है,जिनका ठगी में इस्तेमाल हुआ। सबसे ज्यादा 15 लाख की रकम पीड़ित ने नौ जनवरी को ट्रांसफर की।

नोएडा में 15 लाख का माल कबाड़ी को बेचा

कंपनी से तैयार माल लेकर डिलीवरी नहीं की, शिकायत के बाद पुलिस ने पकड़ा

अमन लेखनी समाचार

नोएडा , थाना सेक्टर-63 पुलिस ने एक फरार आरोपी को गिरफ्तार किया है। ये कंपनी से तैयार माल ऑर्डर देने वाले स्थान पर न ले जाकर कबाड़ी को बेचता था। इसकी निशानदेही पर 15 लाख रुपए के तैयार धागे ओर थ्रेड कटर बरामद किया गया है। एडीसीपी सेंट्रल संतोष कुमार ने बताया कि आरोपी का नाम धीरज सक्सेना है। इसे पुश्ता मोड़ के पास न्यू उस्मानपुर के पास से गिरफ्तार किया गया। धीरज नोएडा के सेक्टर-63 में धागे बनाने वाली कंपनी में काम करता था। ये धागा अन्य कंपनियों की ओर से दिए गए ऑर्डर पर बनता है। धागा जूते की सिलाई में काम आता है।

4 जनवरी को कंपनी से ले गया माल

कंपनी का मालिक का विश्वास पात्र होने की वजह से माल की डिलीवरी करने धीरज ही जाता है। लालच आने के कारण 4 जनवरी को कंपनी से तैयार माल लिया गया और 300 पेटी गायब कर दी। शक होने पर मालिक ने पुलिस से शिकायत की। पुलिस ने आरोपी को पकड़ा। पूछताछ में बताया कि माल का एक हिस्सा दिल्ली में कबाड़ी को बेच दिया। बाकी मॉल इससे बरामद किया गया। इसके पास से 16 बोरे अलग-अलग आर्टिकल नंबरों के धागे, 116 पेटियां आर्टिकल नंबरो के धागे, 3236 बॉक्स आर्टिकल नंबरों के धागे, 03 पारदर्शी पिन्नी पैकेट रंगीन धागे व 06 पेटियां थ्रेड कटर बरामद किए गए हैं।

मकर संक्रांति के अवसर पर रूपईडीहा में खिचड़ी भोज आयोजित, धूमधाम से मनाया गया त्यौहार

अमन लेखनी समाचार

रूपईडीहा, बहराइच।मकर संक्रांति के पावन पर्व पर सीमावर्ती कस्बा रुपईडीहा में श्रद्धा, आस्था और सामाजिक सौहार्द का अनूठा दृश्य देखने को मिला। पर्व के अवसर पर कस्बे के विभिन्न स्थानों पर खिचड़ी भोज कार्यक्रमों का आयोजन कर लोगों ने उत्साहपूर्वक त्यौहार मनाया। इसी क्रम में संकट मोचन हनुमान मंदिर परिसर में भव्य खिचड़ी भोज का आयोजन किया गया। मंदिर के महंत हनुमान दास रामायणी के सान्निध्य में आयोजित इस कार्यक्रम में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। मंदिर में विधि-विधान से पूजा-अर्चना के उपरांत श्रद्धालुओं के बीच खिचड़ी प्रसाद का वितरण किया गया, जिसमें सैकड़ों लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। खिचड़ी भोज कार्यक्रम में स्थानीय नागरिकों, श्रद्धालुओं एवं दूर-दराज से आए भक्तों ने बढ़-चढ़कर सहभागिता की। आयोजन के दौरान मंदिर परिसर भक्तिमय माहौल से सराबोर रहा और जयकारों से वातावरण गूंज उठा। आयोजकों द्वारा स्वच्छता और व्यवस्था का विशेष ध्यान रखा गया, जिससे श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा नहीं हुई। मौके पर मौजूद श्रद्धालुओं ने बताया कि मकर संक्रांति पर खिचड़ी दान और प्रसाद वितरण का विशेष धार्मिक महत्व है। इस प्रकार के आयोजनों से आपसी भाईचारे और सामाजिक एकता को मजबूती मिलती है। कार्यक्रम के समापन पर महंत हनुमान दास रामायणी ने सभी श्रद्धालुओं के सुख, शांति और समृद्धि की कामना की। उल्लेखनीय है कि मकर संक्रांति के अवसर पर रुपईडीहा कस्बे में जगह-जगह धार्मिक एवं सामाजिक कार्यक्रमों का आयोजन हुआ, जिससे पूरा क्षेत्र पर्व की खुशियों में सराबोर नजर आया।

धर्मांतरण को लेकर हिंदू संगठनों में उबाल

मुस्लिम युवक ने हिंदू युवती की अश्लील वीडियो किए थे वायरल

अमन लेखनी समाचार

भरुआ, सुमेरपुर। लव जिहाद को मामले को लेकर बजरंग दल, आरएसएस सहित हिंदू संगठनों ने हाईवे जमकर जोरदार प्रदर्शन किया और थाने का घेराव किया। संगठनों की मांग है कि आरोपी युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तार किया जाए कस्बे में एक मुस्लिम युवक द्वारा हिन्दू युवती के अश्लील वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल करने पर हिंदू संगठनों में उबाल आ गया है। इसको लेकर सोशल मीडिया पर लगातार मुहिम छेड़ दी गई ह। गुरुवार को बजरंग दल, आरएसएस सहित हिंदू संगठनों के सैकड़ो कार्यकर्ता आरोपी मुस्लिम युवक को खिलाफ कार्यवाही करने को लेकर थाने को घेर लिया। मौके पर पहुंचे सीओ सदर से नोंकझोंक के बाद लोगों ने हाईवे पर जाम कर दिया और बाजार बंद करा दिया गया। बताया जा रहा है कि युवती के पिता के द्वारा आरोपी युवक के खिलाफ तहरीर दी जा रही है और उसके खिलाफ मुस्लिम धर्मांतरण करने को लेकर रिपोर्ट दर्ज करने की मांग की जा रही है।

सुबह 10 बजे थानाध्यक्ष अनूप सिंह ने भारी पुलिस बल के साथ आरोपी के आवास पर छापा मारा और आरोपी के पिता को हिरासत में लेकर उच्चाधिकारियों को अवगत कराया।

करीब 11:00 बजे थानाध्यक्ष ने पीड़िता घर पुलिस बल भेजकर तहरीर मंगाई परंतु वह नहीं आये।

करीब 12:00 बजे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, बजरंग दल, गौरक्षा संघ, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, व्यापार मंडल के पदाधिकारी कार्यकर्ता बाजार बंद कराते हुए सैकड़ो की तादाद में थाने पहुंचे और कार्यवाही की मांग की।

थाने पहुंचने के चंद मिनट के बाद हिंदूवादी संगठनों ने थाने के कार्यालय में घुसने की कोशिश की। इस पर थानाध्यक्ष अनूप सिंह भड़क उठे और आरएसएस, व्यापार मंडल के पदाधिकारी को धमकाने लगे।

थानाध्यक्ष के इस रवैये से हिंदूवादी संगठन के कार्यकर्ता भड़क गए और थाने में सामने प्रशासन मुदार्बाद के नारे लगाते हुए जाम लगा दिया।

करीब 1:00 बजे सीओ सदर राजेश कमल थाने पहुंचे। थाने गेट पर उनकी गाड़ी को हिंदूवादी संगठनों के पदाधिकारियो ने घेर लिया। गाड़ी से उतरते ही उनके साथ धक्का-मुक्की भी की गई।

थाने में यह बवाल चल ही रहा था इसी बीच करीब 1:30 बजे दो दर्जन से ज्यादा हिंदूवादी संगठन के कार्यकर्ता आरोपी के घर जा धमके और आवास पर जमकर तोड़फोड़ की।

दोपहर करीब 2:00 बजे घटना की सूचना पाकर सदर विधायक डॉ मनोज कुमार प्रजापति, महामंडलेश्वर ज्योतिमार्नंद महाराज, चेयरमैन धीरेन्द्र शिवहरे के साथ थाने पहुंचे और कार्यकताओं को समझाने का प्रयास किया लेकिन कार्यकर्ता कठोर कार्यवाही की मांग पर अड़े रहे।

करीब 2:30 बजे पुलिस ने मुकदमा दर्ज करके एफ आई? आर की कॉपी उपलब्ध कराई।

एफ आई आर की कापी लेकर सदर विधायक ने कार्यकताओं को समझाने का प्रयास किया लेकिन बात नहीं बनी हिंदूवादी संगठन के कार्यकर्ता आरोपियों के घर पर बुलडोजर चलाने की मांग पड़े रहे।

हाईवे पर जाम लगने से दोनों तरफ सैकड़ो वाहनों के साथ यात्री बसें फंसी रही। इससे यात्रियों को मुसीबतों का सामना करना पड़ा

राममंदिर की दूसरी वर्ष गांठ पर कंवल वितरण का कार्यक्रम आयोजित किया

अमन लेखनी समाचार

खड़ेही लोधन (हमीरपुर) इमिलिया गांव के एक गेस्ट हाउस में राम मंदिर की दूसरी वर्षगांठ पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विधायक ने क्षेत्र के विभिन्न गांवों से आए गरीब व असहाय1100 सौ को कंबल वितरित किए।आयोजक ने अतिथियों को भगवान राम की तस्वीर और अंग भेंट कर सम्मानित किया। मुस्करा विकास क्षेत्र के इमिलिया गांव निवासी और मन्नूलाल कोरी के विधिक सलाहकार आशीष शुक्ला के तत्वाधान में आयोजित कार्यक्रम की शुरूआत राठ विधायक मनीषा अनुरागी, अखिल भारतीय ब्राह्मण एकता परिषद जिलाअध्यक्ष दीपा तिवारी ने मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्वलित व पुष्पांजलि करके की।इसके बाद आयोजित कार्यक्रम गांव हुसैना,तगारी, इमिलिया,न्यूरिया ,टीहर, केमोखर,मसगांव,उमरी, भरखरी से आए हुए ग्यारह सौ लोगों को कम्बल वितरित किऐ।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रुप मे आयी राठ विधायक मनीषा अनुरागी ने कार्यक्रमक सराहना करते हुए कहां की ऐसे कार्यक्रम से निर्बल व असहाय वर्ग की मदद करना पुण्य का काम है यदि व्यक्ति की क्षमता है तो इसे अनवरत प्रतिवर्ष चालू रखना चाहिए कार्यक्रम आयोजक आशीष शुक्ला ने मुख्य अतिथियों को भगवान राम जी का चित्र और अंग वस्त्र भेंट कर सम्मानित इस मौके पर अखिल भारतीय ब्राह्मण एकता परिषद की महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष दीपा तिवारी,यूटा के प्रदेश संरक्षक रमाकांत शुक्ला,ब्लॉक प्रमुख मुस्करा वीरनारायण मुन्ना दादी, जिला पंचायत सदस्य करन सिंह राजपूत,शैलेन्द्र तिवारी, दिग्विजय पाठक, शक्ति चौरसिया,बालजी पांडेय, मदन मोहन राजपूत विधायक प्रतिनिधि भरत अनुरागी,कन्हैया दीक्षित, गणेश लाला,विनोद कुमार त्रिपाठी,बच्चा प्रधान मौजूद रहे।

सर्वोदय सेवा संस्थान द्वारा साझा संग्रह में पुस्तक का लोकार्पण किया गया

अमन लेखनी समाचार

हमीरपुर। प्रगति मैदान में आयोजित विश्व पुस्तक मेला में लेखक मंच के भव्य कार्यक्रम में हमीरपुर की संस्था सर्वोदय साहित्य सेवा संस्थान हमीरपुर की पुस्तक सर्वोदय साझा संग्रह का लोकार्पण किया गया यह कार्यक्रम सर्वोदय साहित्य संस्थान हमीरपुर के प्रबंधक कमल किशोर कमलकी मौजूदगी में भारत और विश्व के जाने माने साहित्यकार गरिमामयी उपस्थिति ने चार चांद लगा दिए।उक्त पुस्तक का प्रकाशन दिल्ली के स्वतंत्र प्रकाशन ने किया।प्रकाशक सुशील स्वतंत्र ने पुस्तक के सफल संपादन के लिए प्रबंधक कमल किशोर सहित साझा संग्रह में शामिल सभी रचनाकारों को हार्दिक बधाई प्रेषित की।सर्वोदय साझा संग्रह के सफल लोकार्पण की सूचना पाकर संस्था के अध्यक्ष जगदीश चंद्र जोशी,कोषाध्यक्ष पंकज अनुराग, उपाध्यक्ष कंचन गुप्ता एवं रणविजय चक्रवर्ती,संरक्षक देवीदीन अविनाशी,सदस्य देवनारायण सोनी,संदीप कुमार,रामराज एवं उप प्रबंधक देशराज रचनाकार सहित जनपद वासियों में खुशी की लहर दौड़ गई।यह पुस्तक शिक्षक एवं कवि कमल किशोर के संपादकत्व में संस्था द्वारा प्रकाशित पहली पुस्तक है।

बभनपुर में जय पंडित बाबा दंगल प्रतियोगिता में अर्जुन गोरखपुर बने केसरी किताब

अमन लेखनी समाचार

नसीराबाद रायबरेली/जय पंडित बाबा दंगल प्रतियोगिता में अर्जुन गोरखपुर ने दंगल केसरी की फाईनल किताब जीतकर एक लाख पुरुस्कार हासिल कर लिया यह दंगल प्रतिवर्ष की तरह इस बार भी संस्था शिवपति देवी शिव दर्शन पांडेय सेवा समिति के संस्थापक अखिलेश आर पांडेय एवं अध्यक्ष शिप्रा ए पांडेय एवं मुख्य अतिथि अखिलेश राम विशाल पांडेय द्वारा किया गया मकर संक्रांति 14 जनवरी से स्थान पर महां कुंभ का मेला शुभारंभ है और 15 जनवरी को महां दंगल प्रतियोगिता में भाग लेने वाले पहलवान काशीबनारस रायबरेली आजमगढ़ दिल्ली जम्मू-कश्मीर गोरखपुर इलाहाबाद प्रतापगढ़ जौनपुर सीतापुर लखनऊ कानपुर सुल्तानपुर महोबा आदि गैर जनपदों से आए पहलवान मोहम्मद हूसैन प्रतापगढ़ मोहम्मद फैजल असुरा के बीच बराबर की टक्कर दिलदार प्रतापगढ़ और कुलदीप असुरा के बीच जिसमें कुलदीप ने जीत हासिल की अर्पित आधार का पुरवा और हसनैन मऊ के बीच जिसमें हसनैन ने बाजी मारी राजन प्रतापगढ़ और अभिषेक गड़वारा प्रतापगढ़ के बीच जिसमें राजन जीते सहरूख डीह मोहम्मद हुसैन प्रतापगढ़ जिसमें सहरुख जीते कुलदीप के बीच जिसमें अनुराग जीते सचिन प्रतापगढ़ बिनीत गड़वारा के बीच जिसमें बिनीत जीते धर्मराज बघेल सलमान प्रतापगढ़ के बीच जिसमें सलमान ने जीते दिल्ली से आए पहलवान समसाद 10 हजार ईनाम के साथ सनी पहलवान हरियाणा के बीच जिसमें समसाद ने जीत हासिल की बाबा विश्वनाथ बनारस नगरी रेलवे में नौकरी के पद अर्जुन के साथ उत्तरप्रदेश केसरी 18 मेडल जीत चुके पहलवान अनुज दिल्ली के बीच जिसमें 81सौ रूपए का ईनाम जिसमें अर्जुन ने जीत हासिल की जम्मू कश्मीर के साथ बलवान दिल्ली के बीच जिसमें दोनों बराबर रहे इसी तरह करीब दो दर्जन से अधिक पहलवानों ने कुश्ती में भाग लिया फाइनल कुश्ती में शेरू जम्मू कश्मीर से अर्जुन गोरखपुर के बीच फाइनल मुकाबले में अर्जुन गोरखपुर बाजी मारकर एक लाख का ईनाम हासिल किया दंगल में संस्था सहपरिवार टीम समेत प्रधान भूपेन्द्र विक्रम सिंह संतशरण द्विवेदी, धीरेन्द्र वर्मा, गिरजेंद्र सिंह राहुल सिह एडवोकेट हिमांशु धर सिंह मनोज कुमार आदि मौजूद रहे रेफरी की भूमिका सिददीक और रामू ने की तो वहीं संचालन की जिम्मेवारी रामखेलावन और राजेश सिंह आदि ने निभाई

संस्था के साथ इन लोगों ने कुश्ती में दिया पुरूस्कार

नसीराबाद रायबरेली/दंगल फाइनल कुश्ती विजेता को संस्था के साथ इन लोगों ने दिया पुरुस्कार जैसे संस्था शिव पति देसी शिव दर्शन पांडेय सेवा समिति द्वारा 40 हजार तो भाजपा विधायक अशोक कुमार ने 20 हजार छतोह प्रमुख बिशाल सिंह 11 हजार धर्मराज पासवान 21 हजार भीम सेन 2 हजार गढ़ा प्रधान 21 सौ राहुल द्विवेदी 1 हजार राहुल तेवारी 11 सौ कुल 1 दिया गया वहीं हारने वाले को भी कुछ पुरुस्कार देकर सम्मानित किया गया

दंगल में इस बार भी महिला पहलवानों ने लिया भाग

नसीराबाद रायबरेली/इस मेला दंगल प्रतियोगिता में पिछली बार की तरह इस बार भी महिला महिला पहलवानों ने बढ़-चढ़कर कर भाग लिया कोमल सिंह डीह कल्पना सिंह टेकारी जिसमें कल्पना ने बाजी मारी वहीं रूची सिंह और हिमांशी सिहं दोनों बराबर रही पायल यादव और कोमल डीह के बीच मुकाबले में दोनों बराबर इसी तरह की महिला पहलवानों की जोड़ी कुश्तिया रही

मेले में हुड़दंग मस्त रही पुलिस और हो गई चोरी

नसीराबाद पुलिस/नसीराबाद पुलिस एक ओर दंगल का लुप्त ले रही थी तो दूसरी ओर मेला देखने आई महिला का पर्श मोबाइल नगदी सहित चोरी हो गई यह उस समय हुआ जब मेले में हुड़दंग मच गई जिससे मेले में पुलिस व्यवस्था की पोल खुल गई बताते हैं बाहर से आई फोर्स तो नहीं रोक सकी हुड़दंग और चोरियां कविता निवासिनी नसीरपुर अपने परिवार के लोगों के साथ बभनपुर मेला देखने गई थी।

चार घंटे तक हिंदूवादी संगठनों की गिरफ्त में रहा थाना और हाइवे

अमन लेखनी समाचार

भरुआ, सुमेरपुर। गुरुवार को कस्बे का थाना और हाईवे 4 घंटे तक हिंदूवादी संगठनों की गिरफ्त मे रहा। पुलिस बचाव की मुद्रा में नजर आई और असहाय दिखी। इस दौरान हिंदूवादी संगठनों ने भगवा ध्वज लहराते हुए जमकर नारेबाजी की कस्बे के एक युवक की घिनौनी हरकत से कस्बे में तनाव व्याप्त हो गया। थानाध्यक्ष के थोड़े से तेवर तीखे कर लेने से मामला उलटा हो गया और पुलिस को बैक फुट में आना पड़ा। आक्रोश बढ़ने से हिंदूवादी संगठनों ने थाना सहित हाईवे में कब्जा जमा लिया और कार्यवाही की मांग पर अड़ गए। हिंदूवादी संगठनों को आकर्षित रूप देखकर पुलिस बैकफुट में आ गई और इनके प्रदर्शन के सामने असहाय दिखी। चार घंटे बाद सदर विधायक आदि के समझाने पर कार्यकर्ता माने और हाईवे सहित थाने से कब्जा हटाकर वापस घरों को लौट गए। यह घटना कस्बा में चर्चा का विषय बनी रही और पूरा बाजार बंद रहा।

राजकीय महिला महाविद्यालय सभागार में कलाकारों की जनपद स्तरीय प्रतियोगिताओं का आयोजन

अमन लेखनी समाचार

हमीरपुर। तहसील हमीरपुर, राठ, मौदहा, सरीला के कलाकारों द्वारा प्रतिभाग किया गया,एकल गायन, समूह गायन,एकल लोकगायन, नृत्य आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, लोक गाय जिलाधिकारी घनश्याम मीना ने सभी विजेताओं को पुरूस्कृत किया, इस अवसर पर उन्होंने कहा कि बुंदेलखंड की लोकसंस्कृति का झलक संस्कृति उत्सव में देखने को मिली है, ऐसे आयोजन से नवीन पीढ़ी को अवसर मिलता है। आभार पर्यटन सूचना अधिकारी डा चित्रगुप्त ने किया। उन्होंने बताया कि जनपद स्तर पर चयनित प्रतिभागियों को दिनांक 17-19 जनवरी को मण्डल पर आयोजित मण्डलीय प्रतियोगिता में भाग लेने का अवसर मिलेगा विजेताओं में तहसील हमीरपुर में सुगम संगीत एकल में , पूर्वी तिवारी प्रथम स्थान पर , श्रेया सोनकर द्वितीय स्थान पर, निर्मल बौद्ध तृतीय स्थान पर रहे तहसील राठ में लोकगायन एकल में, खूबचन्द्र प्रथम पर, सरस्वती द्वितीय स्थान पर , प्राची तृतीय स्थान पर रही। तहसील राठ में शास्त्रीय वादन एकल में, अंश सोनी प्रथम स्थान पर , हर्ष पांचाल द्वितीय स्थान पर , ऋषिराज राजपूत तृतीय स्थान पर रहे तहसील मौदहा में लोकगायन एकल में, हर्षिता प्रथम स्थान पर, शानू निषाद द्वितीय स्थान पर, रामा देवी तृतीय स्थान पर रही । तहसील मौदहा में सुगम संगीत एकल में, स्तुति प्रथम स्थान पर, लक्ष्मी द्वितीय स्थान पर, ऋषभ शुक्ला तृतीय स्थान पर रहे। तहसील मौदहा में लोकनृत्य समूह में अनामिका, आर्या ग्रुप प्रथम स्थान पर, अवनी गुप्ता ग्रुप द्वितीय स्थान पर, श्रेया तृतीय स्थान पर रही हमीरपुर में लोकगायन एकल में, हर्षिता प्रथम स्थान पर, खूबचन्द्र द्वितीय स्थान पर, सरस्वती तृतीय स्थान पर रही सुगम संगीत एकल में, स्तुति प्रथम स्थान पर, पूर्वी तिवारी द्वितीय स्थान पर, श्रेया सोनकर तृतीय स्थान पर रही।

धर्म परिवर्तन से मना करने पर युवक ने युवती के वायरल किया अश्लील वीडियो

हिंदूवादी संगठनों में पैदा हुआ आक्रोश

अमन लेखनी समाचार/ उमेश दीक्षित

भरुआ, सुमेरपुर। धर्म छिपाकर प्रेम जाल में फसाने के बाद धर्म परिवर्तन का दबाव बनाने युवती के इंकार कर देने से खफा युवक ने नाबालिग के अश्लील वीडियो सोशल मीडिया में बीती रात वायरल कर दिए। इससे हिंदूवादी संगठनों में आक्रोश पनप गया और उन्होंने लव जिहाद का आरोप लगाकर युवती के पिता को साथ लेकर थाने में जमकर हंगामा काटा और आरोपियों के खिलाफ कार्यवाही की मांग करते हुए थाने के सामने हाईवे में जाम लगा दिया। कस्बे में कमलेश तिराहा में रहने वाले एक युवक ने दूसरे समुदाय की नाबालिग युवती को अपना धर्म छिपाकर प्रेम जाल में फसांया और अश्लील वीडियो बना लिये। इसके बाद युवती पर धर्म परिवर्तन का दबाव बनाया। युवती के मना करने पर युवक ने बुधवार को देर शाम युवती के अश्लील वीडियो सोशल मीडिया में वायरल कर दिए। वीडियो वायरल होते ही हिंदूवादी संगठनों में आक्रोश पनप उठा और सुबह से ही पिडिता के घर पर हिंदूवादी संगठनों के नेताओं, कार्यकताओं की भीड़ उमड़ पड़ी। हिंदूवादी संगठन पीड़िता के पिता को साथ लेकर थाने पहुंचे और हंगामा करते हुए कठोर कार्यवाही की मांग की। साथ ही बाजार बंद कराकर थाने के सामने हाईवे जाम कर दिया। पुलिस ने पीडिता के पिता की तहरीर पर कस्बा निवासी मौलाना खान एवं उसके पुत्र अबान खान के खिलाफ धर्म परिवर्तन का दबाव बनाने, दुष्कर्म करने आदि की गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है

इंस्टाग्राम के जरिए युवती से 43 हजार की ठगी, एसीपी से लगाई गुहार

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। सोशल मीडिया के जरिए ठगी का शिकार हुई युवती को न्याय न मिलने पर अब मामला उच्चाधिकारियों तक पहुंच गया है। रहीमाबाद थाना क्षेत्र के ग्राम चंदीखेड़ा निवासी सुभाषिनी ने बृहस्पतिवार को एसीपी मलिहाबाद को तहरीर पत्र देकर कार्रवाई की मांग की है।

पीड़िता के अनुसार बीते 12 दिसंबर 2025 को उनके मोबाइल फोन पर एक अज्ञात इंस्टाग्राम अकाउंट से कॉल आया। कॉल करने वाले ने खुद को बैंक कर्मचारी बताते हुए झांसे में लिया और अलग-अलग नंबरों से संपर्क कर ओटीपी हासिल कर लिया। इसके बाद आरोपियों ने उनके बैंक खाते से तीन बार में कुल 43 हजार रुपये निकाल लिए।

ठगी की जानकारी होने पर पीड़िता ने रहीमाबाद थाने में शिकायत की। आरोप है कि पुलिस ने मदद करने के बजाय मामले को टालते हुए थाने से भगा दिया और कहा कि पैसे भूल जाओ। पीड़िता का यह भी आरोप है कि पुलिस द्वारा न तो मुकदमा दर्ज किया गया और न ही किसी प्रकार की जांच की गई।

पीड़िता ने अपने प्रार्थना पत्र में बताया कि ठगी के बाद वह लगातार न्याय के लिए मलिहाबाद और रहीमाबाद थाने के चक्कर काट रही है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। थक हारकर उसने गुरुवार को एसीपी मलिहाबाद को शिकायती पत्र देकर दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की है। मामला सामने आने के बाद क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है।

इस संबंध में एसीपी मलिहाबाद सुजीत कुमार दुबे ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

जियो पेट्रोल पंप पर भव्य खिचड़ी भोज पूर्व प्रधान अजय सिंह रहे मुख्य अतिथि

अमन लेखनी समाचार

निगोहां। निगोहा क्षेत्र के लालपुर के पास स्थित जियो कंपनी की तुलसा फिलिंग सेंटर पर मकर संक्रांति के पावन अवसर पर पारंपरिक खिचड़ी भोज का भव्य एवं श्रद्धापूर्ण आयोजन किया गया कार्यक्रम का सफल आयोजन फिलिंग सेंटर के ऑनर अरुण सिंह तोमर एवं मैनेजर विजय सिंह की अगुवाई में संपन्न हुआ कार्यक्रम में पूर्व ग्राम प्रधान अजय सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे उनके साथ क्षेत्र के प्रमुख साथी निगोहां प्रेस क्लब संरक्षक मुकेश द्विवेदी, मोइन खान, गुड्डू सिंह, वीरेंद्र सिंह, रिशू सिंह, अतुल तिवारी, प्रशांत त्रिवेदी, आरिफ मांशूरी, फहीम, सौरभ सिंह सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे। आयोजकों द्वारा मुख्य अतिथि एवं अतिथियों का गर्मजोशी से स्वागत-सम्मान किया गया।खिचड़ी भोज में बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीणों, राहगीरों एवं कर्मचारियों ने सहभागिता की। आयोजन स्थल पर आपसी भाईचारा, सामाजिक सौहार्द और धार्मिक आस्था का माहौल देखने को मिला। मुख्य अतिथि अजय सिंह ने कहा कि ऐसे आयोजन सामाजिक एकता को मजबूत करते और हमारी सांस्कृतिक परंपराओं को आगे बढ़ाने का कार्य करते आयोजक अरुण सिंह तोमर ने बताया कि मकर संक्रांति के पावन पर्व पर खिचड़ी भोज का आयोजन सामाजिक समरसता के उद्देश्य से किया गया ताकि सभी लोग एक साथ बैठकर पर्व की खुशियां साझा कर सकें कार्यक्रम शांतिपूर्ण एवं सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

आशीर्वाद सिंह कुशवाहा को रेलवे द्वारा उत्कृष्ट कार्य करने के लिए विशिष्ट सेवा पुरस्कार से किया गया सम्मानित

अमन लेखनी समाचार

नई दिल्ली। लखनऊ के चारबाग स्थित रेल कारखाने के सीनियर सेक्शन इंजीनियर आशीर्वाद सिंह कुशवाहा को भारतीय रेल में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए भारत सरकार द्वारा विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार से सम्मानित किया गया , यह पुरस्कार नई दिल्ली स्थित भारतीय रेल म्यूजियम में प्रदान किया गया । यह पुरस्कार रेलवे में कार्यरत लाखों कर्मचारियों में से उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रदान किया जाता है, इस वर्ष रेलवे विभाग के लाखों कर्मचारियों एवं अधिकारियों में से कुल 90 लोगों को पुरस्कार प्रदान किया गया है । इन 90 लोगों में से आशीर्वाद सिंह कुशवाहा का वरीयता क्रम 23 वें नंबर पर था ।

दक्षिणमुखी हनुमान मंदिर में भागवत कथा का शुभारंभ

मुख्य अतिथि डॉ. संदीप सरावगी ने दिया सनातन का संदेश

अमन लेखनी समाचार

झाँसी। नगरा क्षेत्र के आजादपुरा स्थित श्री दक्षिणमुखी हनुमान मंदिर (नहर के पास) में 15 से 22 जनवरी 2026 तक आयोजित होने वाली श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ भक्तिभाव, वैदिक मंत्रोच्चार और मंगल आरती के साथ हुआ। कथा स्थल पर जैसे ही शंखनाद हुआ, वैसे ही वातावरण में सनातन संस्कृति की सुगंध फैल गई और श्रद्धालुओं के मन में भक्ति का दीप प्रज्वलित हो उठा। इस पावन आयोजन में कथा व्यास आचार्य पं. पुष्पेंद्र दुबे जी महाराज ने भागवत महात्म्य का रसपूर्ण वर्णन करते हुए कहा कि श्रीमद्भागवत केवल ग्रंथ नहीं, बल्कि जीवन का दिव्य दर्शन है, जो मनुष्य को धर्म, सदाचार और

मानवता की राह पर आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। कार्यक्रम के मुख्य यजमान शिल्पी रविन्द्र साहू रहीं, जिनके श्रद्धाभाव और सेवा-समर्पण से यह आयोजन जन-जन के लिए आध्यात्मिक संजीवनी बन रहा है। कथा का कुशल संचालन पं. सियारामशरण चतुर्वेदी द्वारा किया जा रहा है, जिनकी वाणी और व्यवस्था ने आयोजन को अनुशासित व सुव्यवस्थित स्वरूप प्रदान किया। कथा के शुभ अवसर पर संघर्ष सेवा समिति के संस्थापक एवं समाजसेवी डॉ. संदीप सरावगी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि सनातन धर्म केवल पूजा-पद्धति नहीं, बल्कि जीवन जीने की शुद्ध और शाश्वत शैली है। डॉ. सरावगी ने श्रीमद्भगवद्गीता का उल्लेख करते हुए कहा गीता हमें कर्म की मर्यादा सिखाती है। जब व्यक्ति अपने धर्म और कर्तव्य को समझकर निष्काम भाव से कर्म करता है, तभी समाज में संतुलन, शांति और समृद्धि आती है। आज के समय में गीता का संदेश पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक है, क्योंकि यह मनुष्य को अहंकार से हटाकर सेवा, सत्य और संयम की ओर ले जाता है। उन्होंने आगे कहा कि भागवत कथा का मूल उद्देश्य केवल कथा श्रवण नहीं, बल्कि जीवन को संस्कारों से जोड़ना है। जब घर-घर में श्रीमद्भागवत की ध्वनि गूंजती है, तब केवल मंदिर नहीं, पूरा समाज पवित्र हो उठता है। युवाओं को चाहिए कि वे सनातन मूल्यों को अपनाकर नशा, हिंसा और भ्रम से दूर रहें तथा शिक्षा, सेवा और सदाचार को जीवन का आधार बनाएं। कथा के प्रथम दिवस की आरती में श्रद्धा का अद्भुत संगम देखने को मिला। आरती में झाँसी सदर विधायक पं. रवि शर्मा, वरिष्ठ भाजपा नेता जगदीश साहू, जिला महामंत्री भाजपा अमित साहू, जिलाध्यक्ष साहू समाज सचिन साहू, भाजपा मंडल अध्यक्ष निर्मल कुशवाहा सहित अनेक गणमान्य अतिथियों ने सहभागिता की। इसके साथ ही नगर के विभिन्न सभासद एवं सामाजिक प्रतिनिधि भरत सेन, नरेंद्र नामदेव, आशीष चौकसे, हरिओम मिश्रा, संदीप साहू (नगरा), मनोज साहू, आशीष मिश्रा, हर्ष राय, हरीश सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। वहीं संघर्ष सेवा समिति की ओर से कुसुम साहू, अनुज ठाकुर, संदीप नामदेव आदि कार्यकर्ता भी आयोजन में सक्रिय रूप से उपस्थित रहे और व्यवस्थाओं में सहयोग प्रदान किया।

खेत की रखवाली करते समय सांप के काटने से किसान की मौत

अमन लेखनी समाचार

गरौठा, झाँसी। थाना क्षेत्र के ग्राम बरारु निवासी किसान परमलाल पुत्र बदलू की बुधवार देर शाम खेत पर रखवाली करते समय सर्पदंश से मृत्यु हो गई। घटना से पूरे गांव में शोक की लहर है। बरारु निवासी सीताराम रोज की तरह खेत की रखवाली के लिए गए थे। खेत की रखवाली करते समय उस सांप ने काट लिया। जानकारी होने पर परिजन आनन-फानन में उन्हें मेडिकल कॉलेज झाँसी लेकर पहुँचे जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।परिवार की आर्थिक स्थिति बहुत कमजोर है।किसान की मौत से परिवार पर दुख का पहाड़ टूट पड़ा है। घटना से परिवार में शोक की लहर है जिससे परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया था। ग्रामीणों का कहना है कि

परमलाल मेहनती व सरल स्वभाव के व्यक्ति थे और अपनी खेती-बाड़ी से परिवार का पालन-पोषण करते थे। उनकी आकस्मिक मृत्यु से परिवार के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है।

अमन लेखनी
(हिन्दी दैनिक)

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती अखिलेश सिंह द्वारा अवध एक्सप्रेस प्रकाशन, 434, सिविल लाइन, जेल रोड, उन्नाव, उत्तर प्रदेश से मुद्रित और ग्राम व पोस्ट-बनी, थाना- बन्थरा, लखनऊ-226401 (उ.प्र.) से प्रकाशित।

सम्पादक–
श्रीमती अखिलेश सिंह

समाचार सम्पादक –
रुद्र प्रताप सिंह

समाचार से संबंधित सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र लखनऊ होगा।

मो. - 9838159555, 9935457982

E-mail address
amanlekhaninews@gmail.com

डॉक्टर्स सजेशन

डॉ. आर. पी. सिंह सीनियर फिजिशियन, एनसीआर

जब अकसर सताए पेट में गैस की समस्या

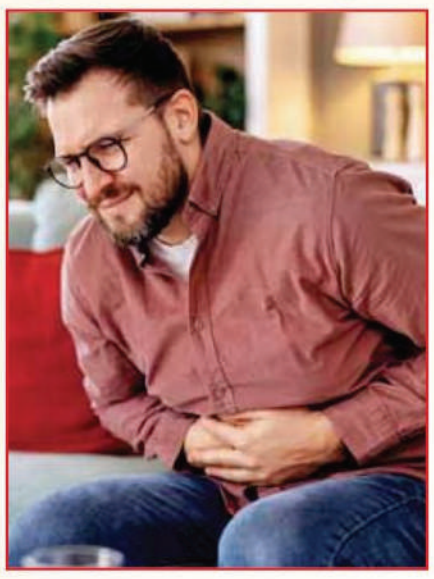

मेरी उम्र 38 वर्ष है। पिछले काफी महीनों से मुझे गैस प्रॉब्लम हो रही है। कभी कभार तो चक्कर और वॉमिट भी होने लगता है। इससे छुटकारा पाने के लिए मुझे क्या करना चाहिए?

-नरेश, भोपाल

आपकी समस्या सुनकर ऐसा लग रहा है कि आपकी पाचन क्रिया प्रभावित है। इसके लिए आप अपनी खान-पान और लाइफस्टाइल में बदलाव करें। अधिक ऑयली, तला-भुना खाना बिल्कुल ना खाएं। दोपहर के खाने में सलाद जरूर खाएं। रात का खाना बिल्कुल हल्का करें और सोने से 3 घंटे पहले खाना खा लें। दूध रात में बिल्कुल ना लें। इस तरह बदलाव करने से आपको आराम मिलेगा।

मेरी उम्र 34 वर्ष है। सर्दी के मौसम में मेरे बाल ज्यादा झड़ने लगते हैं। बालों में डेंड्रफ भी हो रही है। कृपया बताएं कि इस समस्या से निजात पाने के लिए मुझे क्या करना चाहिए?

-अंकुश, रायपुर

सर्दियों के मौसम में बाल झड़ने की समस्या ज्यादा होती है, इसकी कई वजहें हैं। पहला डेंड्रफ अधिक होता है, लोग रोज तेज गर्म पानी से नहाते हैं, इसके साथ ही बाल ज्यादातर ढंक कर रखते हैं, इसलिए स्कैल्प को सनलाइट नहीं मिल पाती है। कोशिश करें कि नहाने के बाद थोड़ी देर धूप में बैठें। साथ ही ज्यादा गर्म पानी से ना नहाएं। पानी नॉर्मल होना चाहिए। तरह-तरह के शैंपू के इस्तेमाल से भी बचें।

मेरी उम्र 46 वर्ष है। पिछले कुछ महीनों से मुझे बार-बार सर्दी-जुकाम की प्रॉब्लम हो रही है। दवाई लेने पर ठीक हो जाती है, कुछ दिनों बाद फिर से यही प्रॉब्लम शुरू हो जाती है। कृपया मेरी इस समस्या का कोई स्थाई समाधान बताने का कष्ट करें।

-गौतम, बिलासपुर

आजकल बड़े शहरों में होने वाले प्रदूषण की वजह से इस तरह की समस्या लोगों में देखने को ज्यादा मिल रही हैं। इससे बचने के लिए आप कोशिश करें कि घर से बाहर मास्क लगाकर ही निकलें और रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए विटामिन सी यानी खट्टे फल अधिक खाएं। कोशिश करें कि फ्रिज में रखी ठंडी डिशेज और ड्रिंक न खाएं-पिएं। दही ताजा ही खाएं। इस तरह बदलाव करने से राहत मिलेगी।

मेरी उम्र 64 वर्ष है। मैं अकसर अपने यूरीन प्रेशर पर कंट्रोल नहीं कर पाता हूं। इसकी क्या वजह हो सकती है? कृपया इसके समाधान का कोई उपाय बताएं।

-राकेश, रोहतक

बढ़ती उम्र में लोगों को प्रोस्टेट की समस्या देखी जाती है, आपकी समस्या सुनकर भी यही लग रहा है। हालांकि आजकल तो कम उम्र के लोगों में भी यह समस्या हो रही है। आपको एक बार यूरोलॉजिस्ट से संपर्क कर लेना चाहिए। अगर ज्यादा प्रॉब्लम हो रही है और ऑपरेट करने लायक होगा तो डॉक्टर जांच करने के बाद आपको सजेस्ट करेंगे। आपको कुछ एहतियात बरतने होंगे, जिनके बारे में डॉक्टर बताएंगे। बगैर जांच किए कोई भी दवा ना खाएं।

मेरी उम्र 51 वर्ष है। जब कभी भी मैं ज्यादा चलता हूं या वॉक कर लेता हूं तो मेरे पैरों में सूजन हो जाती है। फिर अपने आप ठीक भी हो जाती है। कृपया बताएं कि ऐसा क्यों होता है?

-रामप्रकाश, बलौदा बाजार

आपको शुगर की समस्या तो नहीं है और अगर है तो आपने शुगर जांच कराना चाहिए। कई बार शुगर बढ़ने की वजह से भी सूजन आ जाती है। हालांकि कई बार मांसपेशियों की वजह से ऐसी समस्या देखी जाती है। फिलहाल आप कोशिश करें कि कम से कम टहलें और एक बार डॉक्टर से संपर्क कर जांच करा लें। उसके बाद ही ट्रीटमेंट हो पाएगा। *

प्रस्तुति: रिचा पांडे

अवेयरनेस

डॉ. माजिद अलीम

इन दिनों उत्तर और मध्य भारत के अधिकांश राज्यों में कड़ाके की ठंड हो रही है। ऐसे में हार्ट और बीपी पेशेंट्स को पूरी सावधानी बरतनी चाहिए। जरा सी लापरवाही आपके हार्ट पर भारी पड़ सकती है, जो बहुत रिस्की हो सकता है। ऐसे में यह जानना जरूरी है कि किस तरह आप अपने हार्ट की प्रॉपर केयर कर सकते हैं? इस बारे में यहां डिटेल में बता रहे हैं।

ठिठुरती सर्दी के दिनों में हार्ट की करें प्रॉपर केयर

जनवरी महीने की ठंड में आमतौर पर लोग सर्दी-खांसी, फीवर से ग्रस्त होते रहते हैं। लेकिन यही ठिठुरन भरी सर्दी हमारे हृदय पर भी भारी पड़ सकती है, यह हममें से ज्यादातर लोग नहीं जानते हैं। दरअसल, सर्दियों में, खासकर दिसंबर मध्य से लेकर फरवरी की शुरुआत के बीच हार्ट अटैक और दिल से जुड़ी आपात स्थितियों के मामले भारत में सबसे ज्यादा दर्ज होते हैं। लेकिन विंडबना यह है कि ज्यादातर लोग इसे मौसम का मामूली असर मानकर नजरअंदाज कर देते हैं। जबकि हकीकत यह है कि ठंड शरीर के भीतर ऐसी कई प्रतिक्रियाएं शुरू कर देती है, जो हृदय के लिए बेहद खतरनाक साबित हो सकती हैं।

ठंड का हार्ट पर असर

ठंड लगते ही शरीर अपनी गर्मी बचाने के लिए रक्त नलिकाओं को सिकोड़ने लगता है, इससे अचानक रक्तचाप बढ़ जाता है। दिल को उसी मात्रा में खून पंप करने के लिए तब ज्यादा जोर लगाना पड़ता है। जिन लोगों को पहले से ही हाई ब्लडप्रेशर, शुगर या दिल की बीमारी हो, उन्हें ठंड के मौसम में कोई भी खतरा मोल नहीं लेना चाहिए, क्योंकि जरा-सी लापरवाही ऐसे लोगों के लिए बहुत खतरनाक हो सकती है। कई मामलों में दिल की धमनियों में पहले से ही जमी चर्बी ठंड के कारण सिकुड़न और दबाव से टूट सकती है, जिससे अचानक हार्ट अटैक का खतरा पैदा हो जाता है।

सुबह का समय सबसे रिस्की

जनवरी के महीने में खासतौर पर दिल के दौरे के मामले सबसे ज्यादा आते हैं और ये ज्यादातर दौरे सुबह के समय ही दर्ज होते हैं। इसका सबसे बड़ा कारण है कम तापमान। नींद से अचानक उठना और ठंडे फर्श पर पैर रखना तथा वैसी ही स्थिति में शारीरिक गतिविधियां शुरू कर देना रिस्क बढ़ा देता है। जनवरी का महीना खासतौर पर उन लोगों के लिए बेहद खतरनाक होता है, जो सुबह 5-6 बजे जगते हैं और मॉर्निंग वॉक के लिए चल पड़ते हैं। ऐसे लोगों को पता नहीं होता कि वे अनजाने में कितना बड़ा रिस्क ले रहे हैं। दरअसल, ठंड में शरीर की धमनियां पहले से ही संकुचित होती हैं और अचानक तेज चलना या कसरत करने पर दिल पर अतिरिक्त दबाव डालती हैं। इसलिए सर्दी के दिनों में सुबह की सैर टाल देनी चाहिए या फिर ऐसी जगह पर करनी चाहिए, जो चारो तरफ से बंद हो।

बुजुर्गों के लिए ज्यादा खतरा

ठंड का असर उम्र के साथ और गहरा होता जाता है। बुजुर्गों में शरीर के तापमान को नियंत्रित करने की क्षमता कम हो जाती है। कई बार उन्हें ठंड का एहसास देर से होता है। इसलिए बुजुर्ग व्यक्तियों के लिए ठंड की ठिठुरन बहुत खतरनाक होती है। लेकिन इस उम्र के लोग उसे पहचान नहीं पाते। सीने में दबाव महसूस करना, सांस का रह-रहकर फूलना, असहज बेचैनी होना, इसे ठंड की वजह मानकर नहीं चलना चाहिए। ऐसी लापरवाही जानलेवा साबित हो सकती है।

ब्लड सर्कुलेशन की समस्या

ठंड में चूंकि लोग कम पानी पीते हैं, इस कारण खून गाढ़ा हो जाता है। गाढ़े खून में थक्का बनने की आशंका बढ़ जाती है। यही थक्का या ब्लड क्लॉट वास्तव में हमारे दिल या दिमाग की किसी नली में अगर फंस जाता है, तो हार्ट अटैक या स्ट्रोक हो सकता है। इसके अलावा ठंड में प्रदूषण और कोहरे का असर सांस की नलियों पर पड़ता है, जिससे ऑक्सीजन की आपूर्ति प्रभावित होती है और उसका सीधा दबाव दिल पर पड़ता है। इसलिए सर्दियों में हार्ट अटैक बाकी सभी मौसमों के मुकाबले ज्यादा होते हैं। यही नहीं सर्दियों में हार्ट अटैक कई बार बड़े छुपे किस्म के होते हैं यानी पता ही नहीं चलता कि यह हार्ट अटैक के लक्षण हैं या किसी और समस्या के।

तब न बरतें लापरवाही

ठिठुरती सर्दी के इस मौसम में अगर सीने में तेज दर्द की बजाय भारीपन महसूस हो, जलन होने लगे, सांस लेने में परेशानी हो और बाएं हाथ या जबड़े में अचानक दर्द महसूस हो तथा पसीना आ जाए तो यह नहीं मानना चाहिए कि यह ठंड का असर है बल्कि तुरंत मानना चाहिए कि हार्ट अटैक के लक्षण हैं और तुरंत डॉक्टरी सहायता लेनी चाहिए।

इन बातों पर करें अमल

सर्दी के इस मौसम में भी आपका हृदय अच्छे से काम करे, हार्ट अटैक का रिस्क कम हो जाए इसके लिए कुछ बातों पर अमल करें।

- सूरज निकलने से पहले सुबह घर से बाहर खुले मैदान में वॉकिंग करने यानी टहलने से बचें। अगर जाएं तो तब ही जाएं जब धूप अच्छी तरह निकल आए।
- गर्म कपड़े ठीक से पहनें, खासकर छाती और कानों को लगातार ढंके रहें।
- जब सर्दी ज्यादा हो और प्यास बिल्कुल न लग रही हो, तब भी पानी पीते रहें। भले बहुत कम पिएं, लेकिन रह-रहकर पानी पिएं।
- ठिठुरती सर्दी के दिनों में ज्यादा एक्सरसाइज कभी न करें, बस हल्के से वार्मअप कर लें।
- अपने बीपी और शुगर की नियमित जांच करें।
- अगर आपको सीने में अचानक तेज दर्द महसूस हो, चाहे उसकी कोई वजह हो, तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।
- अकेले रहने वाले बुजुर्गों को अपनी हार्ट केयर पूरी सावधानी से करनी चाहिए। *

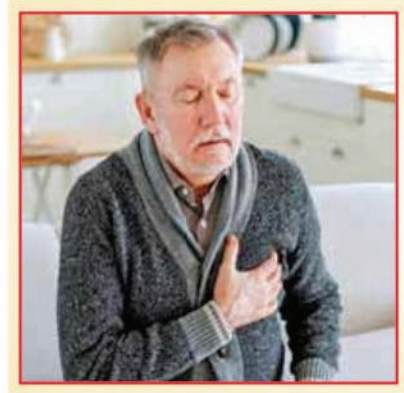

क्या कहते हैं हृदय संबंधी रोगों के आंकड़े

आंकड़े बताते हैं कि अपने देश में हर साल विभिन्न रोगों से जितनी मौतें होती हैं, उनमें से अकेले हृदय रोगों से 30 से 32 फीसदी लोगों की मौत होती हैं। कहने का मतलब कैंसर, श्वसन रोग, टीबी या संक्रमण आदि किसी भी बीमारी से कहीं ज्यादा लोग हार्ट अटैक और कार्डियक अरेस्ट से दम तोड़ते हैं। माना जाता है कि लगभग 62 लाख लोग हर साल हृदय रोगों से अपनी जान गंवाते हैं। इसका मतलब यह है कि हर दिन लगभग 17 हजार लोग हृदय रोग से दम तोड़ते हैं यानी हर घंटे 707 और हर मिनट में करीब 12 लोग हृदय रोगों के कारण खत्म हो जाते हैं। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि भारत में हृदय रोग कितनी गंभीर समस्या है। शहरी क्षेत्रों में हृदय रोग की दर 10 से 12 फीसदी है, तो गांवों में अभी भी 4 से 5 फीसदी है। हालांकि पहले हृदय रोग को शहरों की बीमारी ही माना जाता था, लेकिन अब ऐसा नहीं है। देश के 25 फीसदी से ज्यादा वयस्कों को 18 साल के बाद ही हाई ब्लड प्रेशर की शिकायत हो रही है। भारतीयों को पश्चिमी देशों के लोगों की तुलना में दस साल पहले अगर हार्ट अटैक आ रहा है तो उसकी वजह यही है कि देश के युवाओं को बड़े पैमाने पर हाइपर टेंशन ने अपनी गिरफ्त में ले लिया है। भारत में हृदय रोगों से बढ़ती मौतों का सबसे बड़ा कारण अस्वस्थ जीवनशैली है। जंक फूड, तैलीय खान-पान, धूम्रपान, शराब की लत और कम व्यायाम भी एक बड़ी समस्या है।

डॉक्टर्स एडवाइस

डॉ. समीर कौशल
डायरेक्टर एंड हेड-ऑफ्थेलमोलॉजी
मेदांता दि मेडिसिटी, गुरुग्राम

ग्लूकोमा आंखों से संबंधित गंभीर बीमारी है, जिसमें लापरवाही बरतने पर रोशनी हमेशा के लिए जा सकती है। ऐसे में बहुत जरूरी है कि आप इसके आरंभिक लक्षणों के साथ इसे कंट्रोल करने के तरीकों के बारे में भी जानें। इस बारे में दे रहे हैं बहुत उपयोगी जानकारियां।

कभी इग्नोर ना करें ग्लूकोमा के लक्षण

वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन के अनुसार, दुनिया भर में दृष्टिहीनता (अंधेपन) का दूसरा प्रमुख कारण ग्लूकोमा (काला मोतिया) है। हमारे देश में ही 1 से 2 करोड़ ग्लूकोमा के मरीज हैं। ग्लूकोमा से हुई आंखों को क्षति की भरपाई नहीं की जा सकती। इसलिए ग्लूकोमा को हल्के में लेना नेत्रों की सेहत के लिहाज से भारी पड़ सकता है। यही कारण है कि इस बीमारी के प्रति लोगों में जागरूकता उत्पन्न करने और बचाव के लिए हर साल जनवरी में 'ग्लूकोमा अवेयरनेस मंथ' का आयोजन किया जाता है।

शुरुआत में दिखते हैं हल्के लक्षण: ग्लूकोमा के इलाज में समस्या इसलिए आती है क्योंकि इस में शुरुआत में मरीज को कोई लक्षण नजर नहीं आते। जब तक स्पष्ट लक्षण सामने आने शुरू होते हैं, तब तक बहुत नुकसान हो चुका होता है। यहां कुछ ऐसे हल्के लक्षणों के बारे में बता रहे हैं, जिनके नजर आने पर आपको तुरंत अपनी आंखों की जांच करना चरहिए, ताकि ग्लूकोमा को शुरुआत में ही पहचान लिया जाए।

- दृष्टि का धुंधला होना।
- दृष्टि में धब्बे दिखाई पड़ना।
- पास रखी या दूर की वस्तुओं को साफ देखने में दिक्कत महसूस होना।
- सिरदर्द और आंखों में तेज दर्द होना
- प्रकाश में चारों ओर रंगीन छल्ले जैसा नजर आना।
- आंखों में लालिमा होना।
- ऑप्टिक नर्व का धीरे धीरे खराब होना।

ऑप्टिक नर्व को होता है नुकसान: ग्लूकोमा में आंखों की ऑप्टिक नर्व धीरे-धीरे खराब होती रहती है। आंखों मे अतिरिक्त दबाव (प्रेशर) बनता है, जिसे मेडिकल भाषा में इंट्राऑकुलर प्रेशर (आईओपी) कहा जाता है। ऑप्टिक नर्व पर लगातार दबाव पड़ने से वह नष्ट भी हो सकती हैं, जिसके दुष्परिणामस्वरूप दृष्टिहीनता भी संभव है। ऑप्टिक नर्व ही मस्तिष्क को किसी वस्तु का चित्र प्रेषित करती हैं। ग्लूकोमा के कारण एक बार जब आंखों की रोशनी क्षीण हो जाती हैं तो उसे दोबारा वापस नहीं लाया जा सकता।

वैसे तो ग्लूकोमा किसी भी आयु वर्ग में हो सकता है लेकिन इसके ज्यादातर मामले 40 वर्ष के बाद सामने आते हैं।

ग्लूकोमा को कैसे करें नियंत्रित: स्पष्ट लक्षण दिखने का इंतजार नहीं करना चाहिए। रोग की प्रारंभिक अवस्था में नेत्र विशेषज्ञ से परामर्श लेकर इसे नियंत्रित कर सकते हैं। चालीस साल की उम्र के बाद सबको अपने नेत्र विशेषज्ञ के पास जाकर उनसे ग्लूकोमा के संदर्भ में परामर्श लेना चाहिए। नेत्र सर्जन आंखों में इंट्राऑकुलर प्रेशर की जांच करते हैं। जांच के जरिए अगर शुरुआती दौर में ग्लूकोमा का पता चल जाता है तो इस बीमारी को नियंत्रित करने में काफी हद तक मदद मिलती है।

इनसे बढ़ता है ग्लूकोमा का रिस्क: कुछ मामलों में ग्लूकोमा का रिस्क बढ़ सकता है। उनके बारे में जानना जरूरी है।

- 40 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों में ग्लूकोमा का जोखिम अधिक होता है।
- जिन लोगों को डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर या हृदय रोग की समस्या है, उनमें ग्लूकोमा का खतरा अधिक होता है।
- ग्लूकोमा की समस्या आनुवांशिक या जेनेटिक भी हो सकती है।
- आंख में चोट लगने से भी नेत्रों के आंतरिक भाग पर दबाव बढ़ सकता है, जिसके परिणामस्वरूप ग्लूकोमा का जोखिम बढ़ जाता है।
- जिन लोगों के चश्मे का नंबर ज्यादा होता है, उनके भी ग्लूकोमा होने की संभावना बढ़ जाती है।
- धूम्रपान से ग्लूकोमा का खतरा बढ़ता है और ऑप्टिक तंत्रिका को नुकसान पहुंच सकता है। इसी तरह लंबे समय तक स्टेरॉयड दवाओं के उपयोग से बचें, क्योंकि ये ग्लूकोमा को बढ़ा सकती हैं।

रोग बढ़ने से रोकने के तरीके: जांच के बाद ही नेत्र सर्जन ग्लूकोमा के इलाज की प्रक्रिया सुनिश्चित करते हैं। ग्लूकोमा के इलाज की प्रक्रिया यही है कि इस बीमारी के कारण आंखों को जो क्षति पहुंच चुकी है, उसे आगे बढ़ने से रोका जाए। आंखों को पहले से ही जो क्षति पहुंच चुकी है, उसकी क्षतिपूर्ति या रिकवरी नहीं हो सकती। ग्लूकोमा के इलाज का सबसे जरूरी स्टेप है इंट्राऑक्यूलर प्रेशर (आईओपी) को कम करना है ताकि आंख में होने वाले नुकसान को रोका जा सके।

दवाएं: आईओपी को कम करने के लिए कई दवाएं उपलब्ध हैं, जिन्हें नेत्र विशेषज्ञ आई ड्रॉप और टैब्लेट्स के रूप में देते हैं।

सर्जरी: अगर दवाइयों से इंट्राऑकुलर प्रेशर कंट्रोल नहीं होता, तब डॉक्टर सर्जरी की सलाह दे सकते हैं। ब्लॉकेज का कारण बन रहे टिश्यू को सर्जरी के जरिए हटा देते हैं। जरूरत पड़ने पर लेजर से भी इलाज किया जाता है।

इन उपायों से आंखें रहेंगी स्वस्थ: अपनी आंखों को स्वस्थ रखने के लिए कुछ उपायों पर अमल कर सकते हैं। अगर शुरुआत से इन बातों पर ध्यान देंगे तो आपकी आंखें स्वस्थ रहेंगी, समस्याएं दूर रहेंगी।

- स्वच्छ हाथों को आपस में रगड़कर पलकों को एक से दो मिनट तक दबाएं। ऐसा करने से आंखों को राहत मिलती है।
- जहां तक संभव हो स्क्रीन टाइम को कम करें। ऐसा करना आंखों के स्वास्थ्य के लिए बेहतर रहेगा।
- नियमित रूप से व्यायाम करना भी आंखों की सेहत सही रखता है। *

प्रस्तुति: विवेक शुक्ला

डाइट में शामिल करें विटामिन ए रिच फूड्स

खान-पान में विटामिन ए को महत्व देने से ग्लूकोमा ठीक नहीं होता, लेकिन आंखों की सेहत को विटामिन ए युक्त खाद्य पदार्थ लेने से कुछ हद तक स्वस्थ रखा जा सकता है। नतीजतन कालांतर में ग्लूकोमा आदि नेत्रों से संबंधित बीमारियों के होने का जोखिम कम हो सकता है। विटामिन ए गाजर में पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध होता है। इसके अलावा टमाटर, हरी पत्तेदार सब्जियां, संतरा और पपीता आदि भी विटामिन ए के अच्छे स्रोत हैं। विटामिन ए एग और दूध में भी पर्याप्त मात्रा में मौजूद होता है। इसलिए इनका सेवन अधिक करना चाहिए।

मेजबानी में इलेक्ट्रिक वाहन

पर्यटन विकास निगम ने सैलानियों की सहूलियत को छह इलेक्ट्रिक कार्ट खरीद कर यह संकेत दिया है कि अब वातावरण बदलने के लिए मेहनत होगी। न पर्यटन विकास निगम सिर्फ होटलों की श्रृंखला सरीखी रहेगा और न ही इमारतों के बीच पर्यटकों को सिर्फ छत उपलब्ध कराएगा। द चायल पैलेस, टी बड पालमपुर, देवदार खजियार तथा कसौली के न्यू रोज कॉमन जैसी पर्यटक इकाइयों के साथ इलेक्ट्रिक वाहन अब होटल से सैरगाह तक घुमाएंगे तो मनोरंजन के अनुभव स्टे की सार्थकता बढ़ाएंगे। अमूमन होटलों को अरामगाह बनाते हमने प्रकृति के सान्निध्य में सैरगाहें उजाड़ दी हैं। टी बड होटल के कॉन्सेप्ट में ही अगर चाय नगरी का अंदाज सीधे सैलानी से जुड़ जाए, तो पालमपुर में आने की वजह बढ़ जाएगी। ऐसे में इलेक्ट्रिक वाहन के जरिए अब टी बड आने वाले सैलानी टूअर के जरिए चाय बागानों के बीच खुद को जोड? के अलावा फैक्टरी तक पहुंचकर इसके उपभोक्ता बन जाएंगे। स्थानीय उत्पादों, खान-पान के स्वादों और स्थानीय हलचल के बीच खुद को सम्मिलित करते हुए पर्यटक के लिए इलेक्ट्रिक वाहन का रूट अनौपचारिक सा संबंध कायम कर लेगा। कसौली, चायल और खजियार को दिल तक महसूस करने के लिए अगर पर्यटन निगम के होटल ऐसे कार्ट के जरिए बाहें फैलाते हैं, तो कई डेस्टिनेशन भविष्य के यादगार पलों की अगुवाई कर पाएंगे। दूसरी ओर इलेक्ट्रिक कार्ट बनाम टैक्सी के बीच एक व्यापक अंतर आएगा। होटल या परिवहन के औपचारिक, कठोर और नपे तुले संबंधों को अनौपचारिकता से आगे बढ़ाने के लिए निगम का यह फैसला कारगर साबित होगा। यह महज इलेक्ट्रिक वाहन चलाने की पहल नहीं, बल्कि सैलानियों के आतिथ्य में सब कुछ भरने की कोशिश है। दिव्य हिमाचल के इस बार के डिजिटल सर्वेक्षण में अस्सी प्रतिशत प्रतिभागियों ने ओला-उबर जैसी बुकिंग के आधार पर टैक्सी सेवाएं शुरू करने पर जोर दिया है। हिमाचल के लिए सडक परिवहन, रेल सेवा तथा हवाई उड़ानें अगर सुधर जाएं, तो आने वालों के अनुभव बेहतर हो जाएंगे। कुछ ऊंचे स्थानों को छोड़ दें, तो हिमाचल में पर्यटक को खान-पान तथा शापिंग में उचित दरें ही मिलती हैं, लेकिन स्थानीय परिवहन के नाम पर टैक्सी सेवाएं निराश करती हैं। अगर टूरिज्म के होटल अपने पैकेज और स्टे के साथ घूमने, सैरसपाटा करवाने तथा साइट सीइंग की मेजबानी कर पाएं, तो पर्यटन का परिवार स्थापित होगा। कायदे से हर सरकारी होटल को सैलानियों के अनुभव व स्टे का विस्तार करने के लिए विभिन्न परियोजनाओं पर काम करना चाहिए। प्रत्येक सरकारी होटल अपने परिवेश के बीस-पच्चीस किलोमीटर क्षेत्रफल को सर्विस एरिया के तरह पर्यटन योजना क्षेत्र मानें, तो सैलानियों के टूअर सीधे होटल की जवाबदेही बढ़ाएंगे। इस संदर्भ में पर्यटन निगम की मार्केटिंग में आधारभूत सुविधाएं, गतिविधियां व इवेंट भागीदारी के कई द्वार खुलने चाहिएं। पर्यटन विभाग, निगम, स्थानीय प्रशासन व कई विभागों के साथ मिलकर सैलानियों की गतिविधियों की रूपरेखा को नए सिरे से अंगीकार करना होगा। उदाहरण के लिए नमस्ते धर्मशाला के तहत कुछ समय पहले एक खंड विकास अधिकारी ने पर्यटकों के साथ पूरे-पूरे दिन की यात्राएं जोडकर स्वयं सहायता समूहों, लोक कलाकारों व स्थानीय खान-पान, संस्कृति व उत्पादों को प्रोमोट किया था। ऐसे में स्थानीय बाजारों, व्यापार मंडलों व पारंपरिक हथकरघा उद्योगों को भी पर्यटन मार्केट के साथ जोडे की सुविधाएं व समाधान तराशने होंगे। पर्यटक केवल साइट सीइंग करके ही न लौटें, इनके लिए प्रमुख बाजारों को वाहन रहित बनाने के लिए प्वाइंट टू प्वाइंट इलेक्ट्रिक कार्ट चलाने चाहिएं। यहां एचआरटीसी को भी ऐसे कार्ट व इलेक्ट्रिक टैक्सी सेवाओं की नियमित सेवाएं प्वाइंट टू प्वाइंट शुरू करनी होंगी।

पाकिस्तान युद्ध के संकेत!

जम्मू-कश्मीर में राजौरी, पुंछ और सांबा के इलाकों में, सीमापार से, 8-10 ड्रोन उड़ते देखे गए। सेना तुरंत हरकत में आई और एंटी ड्रोन सिस्टम सक्रिय किया गया, उतनी ही देर में वे गायब हो गए। सीमा पर भारत की सेना हाई अलर्ट की स्थिति में है। हमारे थलसेना प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने पाकिस्तान को आगाह किया है कि ऑपरेशन सिंदूर अब भी जारी है। पाकिस्तान इसके मायने बखूबी जानता है। जनरल द्विवेदी ने यह भी खुलासा किया कि नियंत्रण-रेखा पर 6 और अंतरराष्ट्रीय सीमा पर 2 आतंकी अड्डे सक्रिय देखे गए हैं। उनमें आतंकी गतिविधियां भी देखी गई हैं। यदि पाकिस्तान ने कोई हरकत की, तो इस बार उसका नामोनिशान मिटा दिया जाएगा। यह कोई राजनीतिक बयान नहीं है, बल्कि सेना प्रमुख ने चेतावनी दी है। जनरल ने यह भी बताया कि बीती मई में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान के 100 से अधिक फौजी भी मारे गए थे। हमारी सेना ने पाकिस्तान के 9 लड़ाकू विमान गिराए, 11 एयरबेस तबाह किए और 2 अवॉक्स सिस्टम बर्बाद किए थे। पाकिस्तान का कुल 2.85 अरब डॉलर का नुकसान हुआ था। पाकिस्तान कर्जदार देश है। क्या एक और युद्ध बर्दाश्त कर सकेगा? हमलों में 100 से ज्यादा आतंकी ढेर किए गए और 9 आतंकी अड्डों को मिट्टी-मलबा कर दिया था। पाकिस्तान को यह विध्वंस आज भी याद होगा।